शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 278 | गुवाहाटी | शनिवार, 6 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लाभार्थी निधि में हेराफेरी के लिए एसएसएम लेखाकार गिरफ्तार — पेज 3
भारतीय एयरोस्पेस की संवेदनशील गोपनीय जानकारियां पाकिस्तान के रास्ते... — पेज 4
सपा-रालोद गठबंधन अवसरव व अराजकतावादी, इससे मुक्ति... — पेज 5
डरे हुए पूर्व सीएम हुड्डा विधानसभा में भी नहीं उठा पा रहे जनता के ... — पेज 8

एससीओ : जयशंकर ने भुट्टो के सामने पाकिस्तान को खूब सुनाया

बेनोलिम (गोवा)। सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर अपने चिरपरिचित अंदाज में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को घेरा है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद एक बड़ा खतरा बना हुआ है और सीमा पार आतंकवाद समेत किसी भी तरह के आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। जयशंकर की अध्यक्षता में ही यह बैठक हो रही थी, जब वह परोक्ष तौर पर पाकिस्तान पर निशाना लगा रहे थे। उस समय पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भी सामने ही बैठे थे। जयशंकर ने यह भी कहा कि आतंकवाद के मुद्दे से आंख चुराना हमारे सुरक्षा हितों के लिए सही नहीं होगा और एससीओ के किसी भी सदस्य को यह -शेष पृष्ठ दो पर

चीन के विदेश मंत्री को सीमा विवाद पर भारत का दो टूक

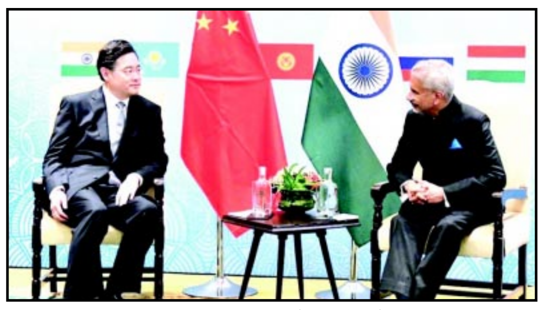

बेनोलिम (गोवा)। एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के लिए आये चीन के विदेश मंत्री शी गांग के साथ गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने द्विपक्षीय मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने भारत का वही पक्ष रखा जो ठीक दो महीने पहले कहा था। यानी जब तक सीमा विवाद को सुलझा नहीं लिया जाता तब तक द्विपक्षीय रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। यही बात ठीक एक हफ्ते पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू से कही थी और उसके पहले 02 मार्च, 2023 को जयशंकर और गांग के बीच जी को-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान हुई बातचीत में भी भारत ने यही रूख दिखाया था। दूसरी तरफ, चीन लगातार कह रहा है कि सीमा पर स्थिति सामान्य है जिसे भारत -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद को हथियार बनाने के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए : भुट्टो

पणजी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने गोवा में एससीओ-विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए एससीओ को आपसी समझ और सुरक्षा का मंच बताया। उन्होंने कहा कि जब महान शक्तियां शांति निर्माताओं की भूमिका निभाती हैं, तो शांति की संभावनाओं को अनलॉक किया जा सकता है। बिड़लावल ने एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने मुख्य भाषण में सामूहिक रूप से आतंकवाद के खतरे को खत्म करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजनयिक लाभ के लिए आतंकवाद को हथियार बनाने के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। जरदारी गोवा में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए आए हैं। वह लगभग 12 वर्षों में भारत का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री हैं। बता दें, बिलावल ने ये बात भारत के विदेश -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर में उपद्रवियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी

इंफाल। शुक्रवार को मणिपुर के इंफाल घाटी में शांतिपूर्ण माहौल था, लेकिन तनावपूर्ण बना रहा। हालांकि, घाटी के आसपास के पहाड़ी जिलों से उपद्रवी समूहों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी की सूचना मिली। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि राज्य में जातीय संघर्ष में शामिल उग्रवादी गुटों और सुरक्षा बलों के बीच चूराचंदपुर जिले के कंगवई जिले के फौगाकचाओ की पश्चिमी पहाड़ी शृंखला और इंफाल पूर्वी जिले के दोलाईथाबी और पुखाओ में गोलीबारी की खबर है। इस बात की जानकारी नहीं मिली है कि इसमें किसी के हताहत होने की खबर मिली है या नहीं। फिलहास, सेना और असम राइफल्स के 6,000 से अधिक सैनिकों को राज्य में तैनात किया गया है और नगालैंड से सड़क मार्ग से और असम से भारतीय वायुसेना के सी17 ग्लोबमास्टर और एएन-32 परिवहन विमानों का उपयोग करके और अधिक सेना बल को राज्य में तैनात करने की तैयारी है। अधिकारियों ने कहा कि सेना की सिख रेजीमेंट वर्तमान में इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल में बचाव अभियान चला रही है और अबतक 500 से अधिक लोगों को लीमाखोंग सेना शिविर में सुरक्षित स्थानांतरित कर दिया गया है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि सेना और असम राइफल्स के 55 कॉलम तैनात किए गए हैं और 14 और रिजर्व में रखे गए हैं। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के विरोध में बुधवार को आयोजित आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबुंग क्षेत्र में पहली बार हिंसा भड़की। मणिपुर उच्च न्यायालय ने पिछले महीने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय द्वारा एसटी दर्जे की मांग पर चार सप्ताह के भीतर केंद्र को सिफारिश भेजने के लिए कहा था, जिसके बाद आदिवासियों ने नगा और कुकी सहित मार्च का आयोजन किया था। इनका कहना है कि मैतेई को दर्जा मिल जाने के बाद उन्हें नौकरी और शिक्षा से वंचित कर दिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि टोरबुंग में मार्च के दौरान, एक सशस्त्र भीड़ ने मैतेई समुदाय के लोगों पर कथित तौर पर हमला किया, जिसके कारण घाटी के जिलों में जवाबी हमले हुए और धीरे-धीरे ये हिंसा पूरे राज्य में फैल गई। मैतेई, राज्य की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा है और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी, जिनमें नगा और कुकी शामिल हैं, वह आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं, जो घाटी को घेरे हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि थनलॉन निर्वाचन क्षेत्र के एक आदिवासी -शेष पृष्ठ दो पर

लूटे गए हथियार वापस करें : पुलिस

इंफाल। मणिपुर में 3 मई से शुरू हुई हिंसा अभी भी जारी है। हिंसाग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों को निकालने और हिंसा पर पूरी तरह काबू पाने के लिए हरतरफ से हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। सेना और असम राइफल्स ने 11,000 से ज्यादा लोगों को निकालने का काम किया है। हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। इसके साथ ही सरकारी संपत्तियों का भारी नुकसान हुआ है। गृह मंत्री अमित शाह राज्य के हालातों पर नजर बनाए हुए हैं। यहां तक की उन्होंने अपना कर्नाटक में चुनावी दौरा भी रद्द कर दिया। -शेष पृष्ठ दो पर

शांति बहाली को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री की बैठक

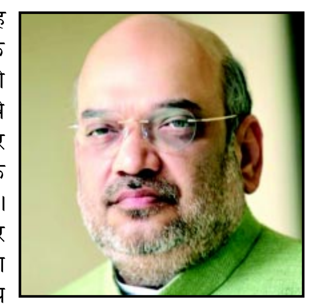

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के हालात को देखते हुए शुक्रवार को कर्नाटक यात्रा रद्द कर दी है। वे मणिपुर के हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और शांति बहाली के लिए लगातार संवाद कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर हिंसा पर नजर बनाए हुए हैं। इस संबंध में वह शुक्रवार को आला अधिकारियों के साथ मणिपुर में शांति बहाली को लेकर बैठक की। सूत्रों का कहना है कि मणिपुर में स्थिति अब नियंत्रण में है। शाह ने कल वीडियो -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में भी कुकी और मैतेई में झड़प, 16 गिरफ्तार

शिलांग। मेघालय की राजधानी शिलांग में कुकी और मैतेई समुदाय के छात्रों के बीच शुक्रवार को झड़प हो गई। इस झड़प में पुलिस ने 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी शिलांग के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र है। पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक सिल्वेस्टर नॉग्टनर ने कहा कि शिलांग के नॉनग्रिम हिल्स इलाके में मणिपुर के कुकी और मैतेई समुदाय के छात्रों के बीच गुरुवार की रात लड़ाई शुरू हुई। इस झड़प में दो लोगों को मामूली चोटें आई है। -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

उसी का कार्य सिद्ध होता है, जो समय को विचार कर कार्य करता है।

– **अज्ञात**

न्यूज गैलरी

2024 लोस चुनाव को लेकर विपक्ष एकजुट हो : ममता

शमशेरगंज। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी जांच एजेंसियां अगले साल के लोकसभा चुनावों में वोट हासिल करने में उसकी मदद नहीं करेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने और 2024 के -शेष पृष्ठ दो पर

ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिर पर भारत विरोधी नारे

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में शुक्रवार को *समाज-विरोधी तत्वों* ने एक प्रमुख हिंदू मंदिर की दीवारों पर भारत-विरोधी नारे लिखकर उसे विरूपित कर दिया। इस महीने के अंत में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा से पहले हिंदू मंदिर को विरूपित किए जाने का यह ताजा मामला है। यह घटना सिडनी के रोजहिल में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में हुई। हालांकि यह घटना किस -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा से प्रभावित परिवारों ने असम में ली शरण सीएम का प्रशासन को ध्यान रखने का निर्देश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कछार जिला प्रशासन को मणिपुर हिंसा प्रभावित परिवारों की देखभाल करने का निर्देश दिया है। दरअसल, कई परिवारों ने हिंसा से प्रभावित होने के बाद राज्य में शरण लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया कि मणिपुर में हाल की घटनाओं से प्रभावित कई परिवारों ने असम में शरण मांगी है। मैंने कछार के जिला प्रशासन से इन परिवारों की देखभाल करने का अनुरोध किया है। शर्मा ने कहा कि वह मणिपुर के अपने समकक्ष एन बीरेन सिंह के लगातार संपर्क में हैं और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। सीएम शर्मा ने माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट में कहा कि मैं एचसीएम एन बीरेन सिंह के साथ भी लगातार संपर्क में हूं और संकट की इस घड़ी में असम सरकार को पूरा समर्थन देने का वादा -शेष पृष्ठ दो पर

अंकिता मामला : युवा कांग्रेस अध्यक्ष को राहत नहीं

गुवाहाटी। अंगकिता दत्ता मामले में घिरे भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी को हाईकोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। बता दें कि श्रीनिवास बीवी की अग्रिम जमानत याचिका गौहाटी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। श्रीनिवास बीवी पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व असम युवा कांग्रेस अध्यक्ष अंगकिता दत्ता का कथित तौर पर उत्पीड़न किया। जिसके बाद अंगकिता दत्ता ने श्रीनिवास बीवी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। न्यायमूर्ति -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : त्रिपुरा और नगालैंड ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

अरुणाचल के छात्र को वापस लाने की प्रक्रिया जारी

अगरतला। मणिपुर हिंसा को लेकर त्रिपुरा और नगालैंड सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और सहायता के लिए कंट्रोल रूप की स्थापना की। मणिपुर के हालात को देखते हुए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। अब त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने ट्वीट करते हुए कहा है कि त्रिपुरा सरकार ने मणिपुर में गड़बड़ी के संबंध में त्रिपुरा के निवासियों को 24×7 आधार पर सहायता प्रदान करने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में आतंकियों से मुठभेड़ में पांच जवान शहीद, इंटरनेट सेवा बंद

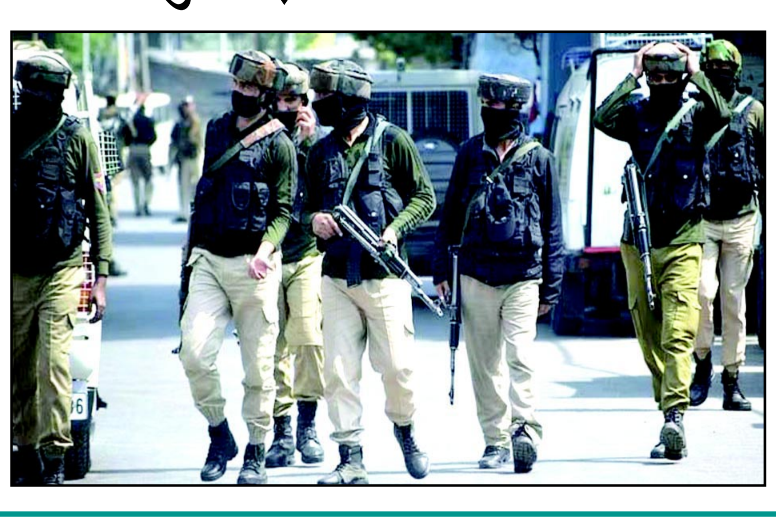

राजोरी। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के कंडी इलाके में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है और दोनों ओर से गोलीबारी की जा रही है। इस घटना के बारे में सेना ने बयान जारी कर बताया कि एनकाउंटर के दौरान दो जवान शहीद हो गए हैं। जबकि, एक अधिकारी समेत चार घायल हैं। आतंकियों के भी ढेर होने की संभावना है। वहीं, घायल जवानों को कमांड अस्पताल उधमपुर ले जाया गया है। इनमें से तीन जवानों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इंटरनेट सेवाओं को फिलहाल बंद कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जैसे ही संयुक्त टीमें संदिग्ध स्थान पर पहुंचीं, छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जवाबी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकियों ने एक विस्फोटक उपकरण दागा जिसकी चपेट में आकर दो जवान शहीद हो गए और एक अधिकारी सहित चार घायल हो गए। आसपास से अतिरिक्त टीमों को मुठभेड़ स्थल रवाना किया गया है। शुरुआती खबरों के मुताबिक इलाके में आतंकियों का एक समूह घिरा हुआ है। मुठभेड़ अभी भी जारी है। हाल ही पुंछ के भटादूड़ियां इलाके में सैन्य वाहन पर आतंकी हमले और इसी साल -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम : भाजपा उम्मीदवार की चाकू मारकर की हत्या, चुनाव रद्द

एजल। दक्षिण मिजोरम के लॉन्गतलाई जिले में हुए संघर्ष में आगामी चकमा स्वायत्त जिला परिषद (सीएडीसी) चुनाव लड़ रहे भाजपा के एक उम्मीदवार की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतक अमित कुमार चकमा लोखीसूरी गांव में परिषद चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे, तभी कुछ बदमाशों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि सीएडीसी चुनाव में रेंगखाश्या सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे चकमा की मौके पर ही मौत हो गई। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नैतिक मूल्यों पर उपदेश देने वाली संस्था नहीं है सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह नैतिकता पर समाज को उपदेश देने वाली संस्था नहीं है और वह कानून के शासन से बंधा है। शीर्ष अदालत ने इस टिप्पणी के साथ ही अपने दो बेटों की जहर देकर हत्या करने की दोषी एक महिला की अपील को स्वीकार कर लिया। सुप्रीम कोर्ट मद्रास उच्च न्यायालय के अगस्त 2019 के फैसले के खिलाफ महिला द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय के फैसले में दो बेटों की हत्या के मामले में महिला की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा गया था। न्यायालय ने कहा कि महिला का एक पुरुष के साथ प्रेम संबंध था, जो उसे अकसर धमकी देता था, और इस वजह से उसने अपने बच्चों के साथ आत्महत्या करने का निर्णय लिया। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि महिला ने कीटनाशक खरीदा और इसको अपने दो बच्चों को खिला दिया तथा जब उसने खुद जहर खाने की कोशिश की तो उसकी भतीजी ने उसे रोक दिया। पीठ ने गुरुवार को दिए अपने फैसले में कहा कि यह अदालत नैतिकता और नैतिक मूल्यों पर समाज को उपदेश देने वाली संस्था नहीं है तथा हम कानून के शासन से बंधे हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि पहले ही लगभग 20 साल जेल में बिता चुकी महिला ने समय से पहले रिहाई के लिए आवेदन किया था, लेकिन राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) की सिफारिश को सितंबर 2019 में तमिलनाडु सरकार ने उसके द्वारा किए गए अपराध की प्रकृति को देखते हुए खारिज कर दिया था।

फकीराग्राम हिंदी हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक का निधन, शोक

कोकराझाड़ (विभास)। फकीराग्राम हिंदी हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक देवाकर तिवारी के के निधन से पूरे फकीराग्राम शहर में शोक की व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार उनका निधन प्रेसर स्टॉक होने से हुआ है। उनके निधन पर बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी निधन की सूचना मिलते ही दोनों बेटे मौके पर पहुंचे और आज शाम 5 बजे उनका का पार्थिव शरीर को फकीराग्राम हाई हिंदी स्कूल में ले जाया गया, जहां हजारों की संख्या में लोगो ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान स्कूल के सभी शिक्षक और अन्य कर्मचारी तथा विद्यार्थी मौजूद थे।

रंगिया में बुद्ध पूर्णिमा आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया के बर्मीज फील्ड में आज बुद्ध पूर्णिमा तिथि धूमधाम के साथ मनाई गई। इस मौके पर बर्मीज फील्ड के पास स्थित ऐतिहासिक बौद्ध स्तूप के सामने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बौद्ध संघ के पुरोहित दुर्गेश्वर राय द्वारा शांति ध्वजारोहण के साथ सुबह 9 बजे किया गया इसके पश्चात श्री राय के संचालन में मांगलिक कार्यक्रम, योग गुरु योगाचार्य ज्योतिष कलिता के संचालन व रंगिया महाविद्यालय की अध्यापिका रानू चौधुरी के सहयोग से ध्यान तथा इसके पश्चात रंगिया ग्राम स्वराज परिषद के सदस्यों द्वारा भजन का आयोजन किया गया। वहीं इस बीच बुद्ध पूर्णिमा विषय को लेकर एक संगोष्ठी का भी आयोजित की गयी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बौद्ध संघ के पुरोहित दुर्गेश्वर राय ने बौद्ध धर्म के बारे में सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम में रंगिया पौर सभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, उपाध्यक्ष विद्युत डेका सहित आयोजन समिति के सभी पदाधिकारी एवं बहुत से गणमान्य और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पवार ने बदला फैसला, बने रहेंगे अध्यक्ष

मुंबई। राजनीति के पितामह कहे जाने वाले शरद पवार ने शुक्रवार को यूटर्न मारते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख के पद से दिया गया अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि मैं अपना फैसला वापस ले रहा हूं। बकौल एजेंसी, शरद पवार ने एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा वापस लिया। उन्होंने कहा कि मैं आपकी भावनाओं का अपमान नहीं कर सकता। मैं इस्तीफा वापस लेने की आपकी मांग का सम्मान कर रहा हूं। मैं एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफे का अपना फैसला वापस लेता हूं। शरद पवार द्वारा अपना फैसला बदलने के बाद कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी। मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने वाईबी चव्हाण केंद्र के बाहर जश्न मनाया। इससे पहले एनसीपी का नया अध्यक्ष चुनने के लिए गठित समिति ने एक प्रस्ताव पारित कर पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ने के शरद पवार के फैसले को खारिज कर दिया था।

जमीनी विवाद : एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

मुरैना (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुरैना में शुक्रवार सुबह जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इस दौरान हुई फायरिंग में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। ताबड़तोड़ गोलीबारी में छह से अधिक लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मरने वालों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने सभी मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

एससीओ : जयशंकर ने ...

नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद इस संगठन का एक मुख्य मुद्दा रहा है। जयशंकर के शुरुआती अभिभाषण के बाद पाक विदेश मंत्री ने भी कूटनीतिक अंदाज में इस मुद्दे का जबाव दिया। भुट्टो ने कहा कि आतंकवाद अभी भी वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है, लेकिन हमें आतंकवाद का इस्तेमाल एक हथियार के तौर पर अपने कूटनीतिक हितों को साधने के लिए नहीं करना चाहिए। इस क्रम में भुट्टो ने अपनी मां व पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की आतंकवादियों के हाथों हुई मौत का भी जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार इस खतरे को समाप्त करने के लिए वैश्विक व स्थानीय कोशिशों को लेकर प्रतिबद्ध है। भुट्टो ने आतंकवाद के खिलाफ सयुक्त कार्रवाई करने की अपील की और कहा कि इस चुनौती को देखते हुए हमें एक साथ आना चाहिए नहीं कि विभाजित होना चाहिए। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एससीओ बैठक को लेकर जो जानकारी दी उसमें भी सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा काफी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि सीमा पार हो या चाहे किसी भी तरह का आतंकवाद हो उसे रोकना ही होना चाहिए। हमें किसी भी व्यक्ति को या संगठन को गैर सरकारी प्रतिनिधियों की आड़ में छिपने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। जयशंकर ने यह भी कहा है कि कनेक्टिविटी भी एक अहम मुद्दा है, लेकिन दूसरे सदस्य देशों की भौगोलिक अखंडता व संप्रभुता का जरूर ख्याल रखा जाना चाहिए। इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री शी गांग भी उपस्थित थे। बैठक में चीन, रूस और पाकिस्तान की तरफ से एससीओ देशों के बीच केनक्टिविटी परियोजनाओं को लेकर काफी उत्साह जताया गया। पाकिस्तान ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक कारीडोर (सीपीईसी) का इस्तेमाल सभी सदस्य देशों को करने का आग्रह किया। जबकि भारत हमेशा से सीपीईसी का विरोध करता रहा है। भारत का कहना है कि यह कश्मीर के उस हिस्से से गुजरता है जो पाकिस्तान ने गैर कानूनी तरीके से कब्जा जमाकर रखा है।

चीन के विदेश ...

स्वीकार नहीं कर रहा है। मई, 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों की घुसपैठ के बाद दोनो देशों के बीच स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। हालांकि, इसके बावजूद दोनो देशों के बीच उच्चस्तरीय वार्ताओं का दौर जारी है। गांग और जयशंकर के बीच गुरुवार को मुलाकात एक घंट से ज्यादा समय तक चली। इसके बार में जयशंकर ने ट्वीट करके बताया कि स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री शी गांग के साथ मुलाकात हमारे द्विपक्षीय रिश्तों के बारे में बहुत ही विस्तार से वार्ता हुई। मुख्य तौर पर विवादित मुद्दों के समाधान और सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन व शांति बनाने को लेकर बातचीत हुई है। हमने एससीओ, जी-20 और ब्रिक्स संगठन को लेकर भी बातचीत किए हैं। दोनो पक्षों की तरफ से आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत सूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन अपेक्षाकृत लंबे समय तक चली बैठक को कई जानकार भारत व चीन की तरफ से सीमा विवाद सुलझाने को लेकर जारी विमर्श से जोड़कर देख रहे हैं। गांग के विदेश मंत्री बनने के बाद जयशंकर से उनकी दूसरी मुलाकात है। दरअसल, इसके पहले भी जयशंकर कई मौकों पर यह कह चुके हैं कि भारत और चीन के बीच स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति चिंतापूर्ण है। दूसरी तरफ, चीन की तरफ से इस विवाद को परे रख कर द्विपक्षीय रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिश की जाती है। पिछले हफ्ते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ इसी तरह की बैठक में चीन के रक्षा मंत्री शांगफू ने सैन्य सहयोग का प्रस्ताव पेश किया था जिसे भारत ने मौके पर ही खारिज कर दिया। साथ ही चीन के रक्षा मंत्री को दो टूक कहा कि मौजूदा समझौतों को तोड़ने की चीन की कोशिशों की वजह से दोनों देशों के समूचे द्विपक्षीय रिश्तों पर प्रभाव पड़ा है। भारतीय रक्षा मंत्री ने शांगफू के साथ हाथ तक नहीं मिलाया था। इसके उल्टे चीन के रक्षा मंत्रालय ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया था कि सीमा पर स्थिति मोटे तौर पर शांतिपूर्ण बनी हुई है और दोनों देशों को सीमा विवाद को ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहिए। भारत का रुख है कि जब तक चीन के सैनिक पूर्वी लद्दाख स्थित एलएसी से मई, 2020 से पहले वाली स्थिति में नहीं लौटते, हालात सामान्य नहीं हो सकते।

आतंकवाद को हथियार ...

मंत्री एस जयशंकर के आतंकवाद का मुद्दा उठाने के बाद कही है। जयशंकर ने पाकिस्तान, चीन समेत सभी एससीओ सदस्य देशों के सामने साफ कर दिया कि भारत सीमा पार से आतंकवाद को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। विदेश मंत्री ने समिट में कहा कि हम सबको मिलकर आतंकवाद से लड़ना होगा। आतंकवाद को अभी भी हराया नहीं जा सका। आतंकवाद से मुकाबला हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है। हाल ही में 20 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर में भीमबेर गली और पुंछ से गुजरने वाले सेना के एक वाहन पर अज्ञात आतंकवादियों ने हमला कर दिया था, जिसमें पांच जवान बलिदान हो गए थे। सूत्रों के अनुसार, आतंकवादियों के लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से होने का संदेह था। जरदारी ने अपने संबोधन में एक अंतरसरकारी संगठन के रूप में एससीओ की भूमिका को हाईलाइट किया। उन्होंने कहा कि एससीओ रचनात्मक और परस्पर लाभकारी सहयोग के माध्यम से आपसी समझ, सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में उभरा है। उन्होंने सामूहिक रूप से इसपर कार्रवाई करने का आग्रह करते हुए कहा कि गोवा में अपने संबोधन के दौरान हमारे लोगों की सामूहिक सुरक्षा हमारी संयुक्त जिम्मेदारी है।

मणिपुर में उपद्रवियों ...

विधायक वुंजागिन वाल्टे गुरुवार को एक भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। कई स्रोतों ने कहा कि समुदायों के बीच छिड़ी लड़ाई में मरने वालों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन पुलिस इसकी पुष्टि करने को तैयार नहीं है। एसटी दर्जे की मांग को लेकर बहुसंख्यक मैतेई और आदिवासियों के बीच हिंसा ने दोनों समुदायों के 9,000 से अधिक लोगों को विस्थापित किया है। कई प्रभावित लोग सुरक्षा बलों के शिविरों में शरण ले रहे हैं। मणिपुर सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए शूट एट साइट आदेश दिया है और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि हिंसा समाज में गलतफहमी के कारण फैली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नगालैंड (नेफिउ रियो), मिजोरम (जोरमथांगा) और असम (हिमंत विश्व शर्मा) में सिंह और उनके समकक्षों से बात करने के अलावा स्थिति की समीक्षा करने के लिए वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मणिपुर और केंद्र सरकारों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।

लूटे गए हथियार ...

इंफाल में आज दोपहर में 12:30 बजे के करीब शरारती तत्वों ने एक कार में आग लगा दी। सड़कों पर और भी जले वाहन देखने को मिलते हैं। केंद्र सरकार ने राज्य में अनुच्छेद 355 लागू कर दिया है और मणिपुर में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली है। आर्टिकल 355 में प्रावधान है कि बाहरी हमले और आंतरिक अशांति के खिलाफ राज्य की रक्षा केंद्र सरकार करती है। मणिपुर के डीजीपी ने लोगों से लूटे गए हथियार वापस करने को कहा है। हथियार लूट के सीसीटीवी फुटेज हैं। उन्होंने सख्त चेतावनी दी है कि अगर अगले कुछ दिनों में हथियार नहीं लौटाए गए तो पुलिस कार्रवाई करेगी। लोग एक जगह पर हथियार रख सकते हैं और पुलिस को इसकी जानकारी दे सकते हैं। जानकारी के अनुसार, इंफाल घाटी और अन्य जिलों के 23 संवेदनशील पुलिस थानों से हथियार और गोला-बारूद लूटे गए। केंद्र ने सीआरपीएफ और बीएसएफ सहित सीएपीएफ की लगभग 20 नई कंपनियां भेजी हैं। इसके साथ ही संवेदनशील पुलिस थानों पर सेना की तैनाती की गई है। 100 से ज्यादा परिवारों को असम के कछार जिले में शिफ्ट किया गया है। मणिपुर में सेना की तैनाती और भी की जाएगी। अभी तक सेना की 14 टोलियों को तैनात किया गया है। बता दें कि मणिपुर में ये हिंसा तब शुरू हुई जब 3 मई को नगा और कुकी आदिवासियों ने आदिवासी एकता मार्च निकाला। ये बहुसंख्यक मैतई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के खिलाफ था। ये मैतई समुदाय की लंबे समय से मांग है। ये प्रोटेस्ट ऑल ट्राइवल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) की मांग पर हो रहा था। इसी रैली के दौरान हिंसा भड़क गई। इस रैली में हजारों लोग शामिल हुए। हालात इतने ज्यादा बिगड़ गए कि 4 मई को शूट-एट-साइट का ऑर्डर दिया गया। पिछले महीने मणिपुर हाई कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया था कि वो मैतई समुदाय की मांग पर विचार करे।

शांति बहाली को ...

कांफ्रेंसिंग के जरिए मणिपुर की स्थिति को लेकर नगालैंड, मिजोरम और असम सहित पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत की थी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में आदिवासी आंदोलन के दौरान बुधवार को राज्य के कई जिलों में हिंसा भड़क गई, जिसके बाद राज्य सरकार ने अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। इसके अलावा इंफाल पश्चिम, काकचिंग, थौबल, जिरिबाम, बिष्णुपुर, चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। राज्य में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में एक रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। इस दौरान हिंसा भड़कने का मामला सामने आया था। प्रदर्शनकारियों ने कई घरों में तोड़फोड़ की थी । इस दौरान तोरबंग इलाके में आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच हिंसा भड़क गई। इसके बाद कई और जिलों में भी हिंसा की खबरें आई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। इस मामले पर लेकर राज्य के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने अपने बयान में कहा था कि कुछ जगहों पर झड़प और तोड़-फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। यह घटनाएं दो वर्गों के बीच प्रचलित गलतफहमी के कारण हुईं हैं। राज्य सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इसे नियंत्रित करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आज कर्नाटक में चुनावी रैलियों को संबोधित करना था।

मेघालय में भी कुकी ...

पुलिस ने मारपीट पर काबू पाने के बाद 16 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मैतेई और आदिवासियों के बीच झड़प मणिपुर के विभिन्न इलाकों में जारी है। इस झड़प की शुरुआत मैतेई समुदाय के अनुसूचित जनजाति के में शामिल करने वाले रैली के साथ हुई थी। मणिपुर के हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से स्थानीय लोगों को निकालकर उन्हें सुरक्षित जगहों पर भेजा जा रहा है। अबतक 1000 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। कछार जिले के एसपी नुमल महट्टा ने बताया कि हमने स्कूलों और कुछ अन्य जगहों पर लोगों की सुरक्षा के लिए इंतेजाम किया है। असम राइफल्स और सीआरपीएफ भी हमारे साथ हैं। यहां के स्थानीय निवासी भी हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में फंसे लोगों को बाहर निकालने में हमारी मदद कर रहे हैं।

हिंसा से प्रभावित...

किया है। मणिपुर में बुधवार से ही आदिवासियों और बहुसंख्यक मेइती समुदाय के बीच झड़पों के बीच काफी हिंसा देखी गई है, जिसके कारण 9,000 से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) की स्थिति के लिए मेइती समुदाय की मांग के विरोध में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद प्रतिशोध में प्रतिद्वंद्वी समुदायों द्वारा किए जा रहे जवाबी हमलों के साथ बुधवार को झड़प शुरू हो गई, जो रात भर काफी तेज हो गई। हर तरह से आगजनी और तोड़फोड़ की खबरें सामने आने लगी थी। स्थिति को देखते हुए सरकार ने कई जगहों पर सेना की बड़ी टुकड़ी को तैनात किया है। इसी बीच, स्थिति को और खराब करने के लिए कुछ आपराधिक तत्व लगातार फेक वीडियो और मैसेज शेयर कर रहे है, जिसके कारण हिंसा पहले से भी ज्यादा बढ़ चुकी है। सुरक्षा स्थिति को लेकर कई फेक वीडियो प्रसारित होने के बाद भारतीय सेना ने लोगों को आगाह किया है। साथ ही, सीएम ने भी लोगों से आग्रह किया है कि वे किसी प्रकार के झूठे और भ्रामक वीडियो और मैसेज पर विश्वास न करें।

अंकिता मामला : युवा ...

अजीत बरठाकुर की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को अग्रिम जमानत का विशेषाधिकार देना उचित मामला नहीं है और इसलिए इसे खारिज किया जाता है। श्रीनिवास ने 26 अप्रैल को उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर दत्ता की ओर से दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की अपील की थी, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। असम की पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अंगकिता दत्ता को बीती 22 अप्रैल को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पार्टी से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद अंगकिता दत्ता ने असम के दिसपुर पुलिस स्टेशन में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया कि श्रीनिवास बीवी द्वारा लगातार पीड़िता का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न किया जा रहा था। आरोपी द्वारा पीड़िता पर छींटाकशी और धमकी भी दी जा रही थी। पीड़िता का कहना है कि कई बार पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी। जिसके बाद पीड़िता अंगकिता दत्ता ने श्रीनिवासी बीवी के खिलाफ केस दर्ज कराया। श्रीनिवास बीवी की तरफ से कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ वकील केएन चौधरी का कहना है कि यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष की छवि को खराब करने के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन्होंने ये भी कहा कि अंगकिता दत्ता ने श्रीनिवास बीवी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। वहीं अभियोजन पक्ष के वकील का कहना है कि श्रीनिवास बीवी ने बेंगलुरु की कोर्ट में भी अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी लेकिन वहां से भी वह खारिज कर दी गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पर एक महिला की मर्यादा भंग करने का आरोप है और ऐसे में उन्हें अग्रिम जमानत का विशेषाधिकार नहीं मिल सकता।

मणिपुर : त्रिपुरा और नगालैंड...

किए हैं। नबंर है ईआरएसएस: 112, स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर : 1070/0381-2416045/ 2416241 और व्हाट्सएप नंबर: 8787676210 है। इसी तरह से नगालैंड सरकार मणिपुर में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और मणिपुर से निकासी की आवश्यकता वाले राज्य के नागरिकों के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। नगालैंड ने मणिपुर से निकासी की आवश्यकता वाले लोगों के लिए व्यवस्था करने के लिए भी जानकारी प्राप्त की जा रही है। नगालैंड गृह विभाग के मुताबिक राज्य पुलिस मुख्यालय और नगालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में इस संबंध में हेल्पलाइन नंबर सक्रिय कर दिए गए हैं। गृह विभाग ने अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। किसी भी व्यक्ति को किसी भी सहायता की आवश्यकता होने पर फोन नंबर 3702242511, फैक्स: 0370 2242512 या मोबाइल / व्हाट्सएप: 08794833041 या ईमेल: spcrkohima@gmail.com और एनएसडीएमए हेल्पलाइन नंबर: 0370 2381122/0370 2291123 के माध्यम से राज्य पुलिस नियंत्रण कक्ष, कोहिमा से संपर्क करने के लिए कहा गया है। सेना ने मणिपुर में अशांत क्षेत्र में रह रहे सशस्त्र बल के सैनिकों और पूर्व सैनिकों की सहायता के लिए कई जगह हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। यह पर्यटकों के लिए भी सहायता करेगी। सेना ने इन नंबरों को एसएमएस के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की है। ये नंबर चौसीबों घंटे काम करेंगे। पूरे भारत के लिए 1904, भारतीय सेना की पूर्वी कमान, कोलकाता, मोबाइल नंबर 7439229496, लैंड लाइन नंबर- 033-22438703, तेजपुर मोबाइल नंबर 9387144346, लैंडलाइन नंबर 036-2124276, रंगापारा- मोबाइल नंबर 8798959257 और लैंड लाइन नंबर 038-62249122 को जारी किया गया है। उधर मणिपुर में जारी ताजा घटनाओं के चलते अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री एवं सरकार के प्रवक्ता बामंग फेलिक्स ने राज्य सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश के छात्रों को मणिपुर से वापस लाने कि प्रक्रिया के बारे में बताते हुए लोगों को खास कर छात्रों के परिजनों को परेशान नहीं होने का आह्वान किया है। मंत्री फेलिक्स ने आज अपने सरकारी आवास में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू के निर्देश से मणिपुर में फंसे राज्य के छात्रों को वापस लाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी कर रहे हैं। कमेटी सभी छात्रों से फोन के जरिए बातचीत करते हुए सुझाव दे रहे हैं और अभी तक कुल 263 छात्रों से संपर्क किया जा चुका है। उन्हें राज्य में वापस लाने का भी काम किया जा रहा है। अरुणाचल से आज छात्रों को लाने के लिए हेलीकाप्टर भेजा गया था, मगर मणिपुर के हवाई आड्डे में भीड़ होने के कारण हेलीकाप्टर को उतरने की अनुमति नहीं मिली, जिसके चलते उसे खाली लौटना पड़ा है, लेकिन हमारी कोशिश जारी है, मौका मिलते ही हम हवाई मार्ग से छात्रों को लाएंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल सभी छात्र अपने-अपने कालेज और विश्वविद्यालय के कैंपस में सुरक्षित हैं और राज्य सरकार मणिपुर के सरकार से बातचीत कर कैंपस में सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में सुरक्षा बढ़ाने के बाद अब परिस्थिति नियंत्रण में है और हालात सुधर रही है। वहीं मंत्री फेलिक्स ने छात्रों को अपने कैंपस में रहने और बाहर नहीं जाने का सुझाव देते हुए कहा कि कुछ जरूरी होने पर इटानगर में 8471889572, इटानगर के पुलिस निदेशक 7630090058 या मणिपुर के हेल्पलाइन नंबर से संपर्क करने का सुझाव दिया।

कश्मीर में आतंकियों से ...

एक जनवरी को राजोरी के ढांगरी में आतंकी हमले के बाद से ही दोनों जिलों में सुरक्षाबलों की तरफ से व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, राजोरी जिले की थन्नामंडी और दरहाल तहसील के घने जंगलों में चार से छह आतंकवादियों के सक्रिय रूप से घूमने की सूचना थी। जिले की थन्नामंडी तहसील के पंगाई, अप्पर पंगाई, डीकेजी, अप्पर शाहदरा, टॉप शाहदरा और दरहाल के खोडीनार, बुध खनारी, परगाल जंगली इलाकों में चार से छह आतंकवादियों के होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इनकी धरपकड़ करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाए गए हैं। बारामुला जिले के क्रीरी क्षेत्र के वानीगाम पायीन गांव में गुरुवार कोआतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित दो स्थानीय आतंकवादियों को मार गिराया गया। दोनों आतंकवादी मार्च के महीने में आतंकवाद में शामिल हुए थे। इससे पहले बुधवार को कुपवाड़ा जिले की एलओसी से सटे मच्छिल सेक्टर में सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी कामयाबी लगी। इस दौरान दो घुसपैठियों को मार गिराया गया।

मिजोरम : भाजपा उम्मीदवार...

अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने राज्य चुनाव आयोग के सुझाव के आधार पर रेंगखाश्या सीट पर चुनाव रद्द कर दिया है। इस बीच, राज्य के एकमात्र भाजपा विधायक बीडी चकमा ने घटना की जांच की मांग की है। बीडी चकमा ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर कहा, रेंगखाश्या निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के आधिकारिक एमडीसी उम्मीदवार अमित कुमार चकमा का कल रात कुछ बदमाशों द्वारा क्रूर हमले के बाद निधन हो गया, जब वह लोखीसूरी गांव में चुनाव प्रचार कर रहे थे। यह जानकर मुझे गहरा सदमा पहुंचा है। मैं जल्द जांच करने और दोषियों की गिरफ्तारी की पुरजोर मांग करता हूं। भाजपा ने रेंगखाश्या सीट से अमित कुमार चकमा को उतारा था। वह पूर्व चकमा परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) थे और उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर दो बार सफलतापूर्वक परिषद चुनाव लड़ा था। मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) में शामिल होने के बाद चकमा हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे। चकमा परिषद के लिए नौ मई को होने वाले चुनाव में कुल 73 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतगणना 11 मई को होगी। एमएनएफ, भाजपा और कांग्रेस ने 20-20 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जबकि जेडपीएम ने 13 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। सीएडीसी मिजोरम में चकमा आदिवासी लोगों के कल्याण के लिए 1972 में संविधान की छठी अनुसूची के तहत बनाया गया था। परिषद में 24 सीटें हैं, जिनमें से चार मनोनीत सीटें हैं। परिषद पिछले साल दिसंबर से राज्यपाल शासन के अधीन है।

2024 लोस चुनाव ...

लोकसभा चुनावों में भाजपा का मिलकर मुकाबला करने का आग्रह किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार से कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद राज्य प्रशासन को गंगा का कटाव रोकने के लिए कोई मदद नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि गंगा का कटाव मुर्शिदाबाद और मालदा जिले में एक बड़ा मुद्दा है। इस अवसर पर ममता ने उन लोगों को पट्टे% (जमीन के दस्तावेज) सौंपे, जिन्होंने क्षेत्र में नदी के कटाव के कारण अपनी जमीन खो दी है।

ऑस्ट्रेलिया में हिंदू ...

समय हुई, यह अभी पता नहीं चल पाया है। एक खबर के अनुसार मंदिर अधिकारियों ने गेट पर एक खालिस्तानी झंडा भी लगा देखा और न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस को मामले की जानकारी दी। मंदिर ने एक बयान में कहा कि हम रोजहिल में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर समाज विरोधी तत्वों द्वारा भारत-विरोधी नारे लिखे जाने की घटना से बहुत आहत हैं। बयान में कहा गया है कि हम इस बात को लेकर और भी आहत हैं कि ऑस्ट्रेलिया में बीएपीएस मंदिरों को निशाना बनाया गया है। पिछले 23 वर्ष से, बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर स्थानीय समुदाय की पहचान रहा है और एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो दुनिया भर के सभी बीएपीएस मंदिरों की तरह शांति-सद्भाव, समानता, नि:स्वार्थ सेवा और सार्वभौमिक हिंदू मूल्यों का स्रोत है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **एकादश अध्याय**

(ब्रह्म-वृक्ष)

ऊर्ध्व मुक्ति अध सृष्टि है, बीच विराजत धाम
बिना नेव का महल है, दशो दिशा सित धाम॥ 21॥

शब्दार्थ : (ऊर्ध्व) मुक्ति (अध) नीचे (धाम) स्थान, सद्गुरु का भेद (नेव) आधार, नींव।

भाष्य : ऊर्ध्व में मुक्ति है और अध: में सृष्टि है, बीच में सद्गुरु का स्थान है। बिना आधार का निराधार यह महल है, जो श्वेत-प्रकाश से प्रदीप्त है।

कोटि कंगुरे झलमले, ज्योतीय अमित अपार।
शोभा अद्भुत को कहे, धाम विराज श्रृंगार॥ 22॥

शब्दार्थ : (कोटि) करोड़ों (कंगुरे) शिखर या ऊंच प्रदेश में प्रकाश करने वाली रोशनी (झलमले) चमक।

भाष्य : करोड़ों प्रकाश करने वाले पदार्थ के समान चमक हो रही है। चेतन-मंडल, विराजधाम की अद्भुत शोभा का वर्णन कौन कर सकता है? वह अनंत ज्योति, अपरिच्छिन्न और अपार है।

लाभार्थी निधि में हेराफेरी के लिए एसएसएम लेखाकार गिरफ्तार

डिब्रूगढ़। पूर्वी असम जिले में डिब्रूगढ़ पुलिस ने सर्व शिक्षा मिशन (एसएसएम) के एक एकाउंटेंट को सर्व शिक्षा मिशन फंड को अपने खाते में डालने के आरोप में गिरफ्तार किया है। खाते की पहचान धंती गोगोई सैकिया के रूप में हुई है। वह असम के एसएसएम, डिब्रूगढ़ में कार्यरत हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, धंती गोगोई को गुरुवार को डिब्रूगढ़ ईस्ट मिलन नगर स्थित उनके घर से हिरासत में लिया गया था। उन्हें वास्तविक लाभार्थियों के बजाय अपने तीन व्यक्तिगत खातों में कथित रूप से आईआरडीएफ और गुणोत्सव फंड के 30 लाख रुपए स्थानांतरित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्कूलों के निरीक्षक द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर, हमने धंती गोगोई को उनके आवास से गिरफ्तार

किया है। हमने मामले की जांच शुरू कर दी है, असम के डिब्रूगढ़ में एक पुलिस अधिकारी ने कहा। पत्रकारों से बात करते हुए, डिब्रूगढ़ के पुलिस अधीक्षक, श्वेतांक मिश्रा ने कहा कि हमने एसएसएम, डिब्रूगढ़ के खाते को लाभार्थी निधि की हेराफेरी करने के लिए गिरफ्तार किया है और इसे पीएनबी, यूको और एसबीआई में उसके व्यक्तिगत खाते में स्थानांतरित कर दिया है। डिब्रूगढ़ पुलिस स्टेशन में मामला संख्या 255/23 आईपीसी की धारा 406/409 के तहत दर्ज किया गया था। हमारी जांच चल रही है। एसपी ने कहा कि इस मामले में जो भी शामिल होगा, उसके खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। पूछताछ के दौरान, उसने खुलासा किया है कि उसने अपने कर्मियों के उपयोग के लिए फंड का इस्तेमाल किया है। एसपी ने यह भी कहा कि हमने सत्यापित किया है और पाया है कि एसएसएम का खाता लाभार्थी निधि को अपने खाते में स्थानांतरित करने में शामिल था।

रंगिया में आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के सभागार में गुरुवार को रंगिया महकमा के अंतर्गत आने वाले निर्माणाधीन आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सहायक आयुक्त कृतांजलि कश्यप और अनुपम बोड़ो, महकमा चुनाव अधिकारी नील हरित कौशिक, प्रखंड विकास अधिकारी, बाल विकास प्रकल्प अधिकारी सहित निर्माण समिति से जुड़े सभी लोग उपस्थित थे। महकमाधिपति ने सर्वप्रथम उनकी समस्याओं एवं वर्तमान प्रगति का जायजा लिया तथा इस मौके पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों को रंगिया महकमा के अंतर्गत स्वीकृत सभी मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि रंगिया के लिए स्वीकृत आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को भविष्य में बेहतर गुणवत्ता व कम समय में पूरा करने के लिए महकमा प्रशासन सक्रिय कदम उठाएगा।

कैंसर अस्पताल में लायंस उमंग ने प्रदान की व्हीलचेयर

गुवाहाटी (विभास)। अपने मानव सेवा कार्यों को तेजी से जारी रखते हुए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से कालापाहाड़ स्थित बी बरुवा कैंसर इंस्टिट्यूट में बच्चों के लिए व्हीलचेयर प्रदान की गई। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषि सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में *वन डिस्ट्रिक्ट–वन एक्टिविटी* के अंतर्गत मानव सेवा का यह कार्य संपादित किया गया। अस्पताल परिसर में बच्चों के लिए बने विशेष कक्ष *जिरोनी घर* में भर्ती कैंसर से ग्रस्त बच्चों के लिए क्लब की ओर से व्हीलचेयर प्रदान की गई। मानव सेवा के इस कार्य में पवन-सरिता जैन ने आर्थिक रूप से सहयोग दिया। इस मौके पर लायंस जिलापाल (प्रथम) सीमा गोयनका, सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, सुजाता जैन, पिंकी हवेलिया सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

सात दिवसीय पूर्वोत्तर दौरे पर पूर्व सांसद एवं राम जन्मभूमि न्यास के सदस्य डॉ. रामविलास वेदांती

गुवाहाटी। एक प्रेस वार्ता के दौरान अपने संबोधन में डॉ. वेदांती ने बताया कि उनके सात दिवसीय दौरे का मकसद मिशन मोदी पीएम अगेन भारत 2024 है, उनके लक्ष्य को देखते हुए पूर्वोत्तर के मेघालय, अरुणाचल प्रदेश सहित अन्य जगहों पर जाकर प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का कार्यक्रम है। इसके लिए असम के विभिन्न जिलों सहित दूसरे प्रदेशों में भी कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें प्रेस के माध्यम से एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा लोगों तक भारत सरकार के द्वारा किए गए कार्यों को पहुंचाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. रामविलास वेदांती भाजपा के उन अग्रणी लोगों में रहे हैं जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम पर था, इनके साथियों में उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरु महंत अवैद्यनाथ, पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विश्व हिंदू परिषद के अशोक सिंघल सहित बहुत सारे लोग जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन के दौरान बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। ये 2 बार सांसद भी रहे। एक सवाल के जवाब में डॉ. वेदांती ने कहा कि कारसेवकों पर गोली चलवाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत पद्म विभूषण दिया जाना किसी रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जबकि उन्होंने सत्ता जाने के बाद भी कहा था कि अगर हमें मौका मिलेगा तो दोबारा गोली चलवा दूंगा।

दिशानी मित्तल ने हनुमान चालीसा गाकर बनाया असम बुक में रिकॉर्ड

गुवाहाटी (विभास)। गोस्वामी तुलसीदास रचित 40 चौपाई वाली हनुमान चालीसा को गत 4 मई 2023 को 6 वर्षीय दिशानी मित्तल ने सिर्फ 3 मिनट में बिना कोई बाधा के गाकर असम में एक रिकॉर्ड बनाकर असम बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। दिशानी मित्तल वन्द्या इंटरनेशनल स्कूल की प्रथम कक्षा की छात्रा है तथा छत्रीबाड़ी निवासी नूपुर व संकीत की पुत्री है। दिशानी ने 4 साल की उम्र में ही अपनी दादी सरोज मित्तल से हनुमान चालीसा गाने की कला सीखने लग गई थी। कई छोटे-बड़े धार्मिक मंचों पर भी दिशानी ने हनुमान चालीसा पाठ कर अपनी पहचान बना ली थी।

फैंसी बाजार में हनुमान चालीसा का पाठ कल

गुवाहाटी। फैंसी बाजार में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कल बजरंग बली सेवा समिति एवं सनातन हिंदू आर्मी रविवार दिनांक 7 मई को फैंसी बाजार चाराली पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन करेगी। समिति के अध्यक्ष शिव कुमार पारीक ने बताया कि देश के एक विशेष राजनीतिक दल द्वारा राष्ट्रवादी संगठनों को बैन करने व बजरंगबली का अपमान करने की कोशिश के विरोध में हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जायेगा। समिति के महासचिव दिनेश पारीक ने बताया कि अपनी राजनीति के लिए कुछ राजनीतिक दल हिंदुओं के देवी-देवताओं के खिलाफ अनर्गल बातें करते हैं, साथ ही राष्ट्रवादी हिंदू संगठनों को निशाना बनाते हैं। पारीक ने कहा कि हिंदु समाज के देवी-देवताओं और संगठनों को टारगेट करना तथाकथित सेक्युलर राजनीतिक संगठनों में फैशन हो गया है, जबकि यही संगठन देश विरोधी ताकतों के साथ गलबहियां करते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू विरोधी मानसिकता के प्रतिकार एवं बजरंग दल के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए फैंसी बाजार के शर्मा स्वीट्स चाराली पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जा रहा है। पारीक ने कार्यक्रम में सभी हनुमान एवं रामभक्तों के साथ राष्ट्रवादी लोगों से उपस्थित रहने की अपील की है।

आईएएसएसटी गुवाहाटी को मिला डीएसटीएआई कांक्लेव-2023 की मेजबानी

गुवाहाटी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन संस्थान (आईएएसएसटी), गुवाहाटी डीएसटी स्वायत्त संस्थान (एआई) कॉन्क्लेव-2023 की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इस कार्यक्रम में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के माननीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, विज्ञान; डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर, सचिव, डीएसटी; डीएसटी के एआई विभाग के प्रमुख डॉ. मनोरंजन मोहंती; डीएसटी के अन्य अधिकारी, एआई के निदेशक/प्रमुख, जैसे कई गणमान्य व्यक्तियों सहित डीएसटी के अंतर्गत आने वाले सेवा संगठन और व्यावसायिक निकाय की भागीदारी की संभावना है। दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रोफेसर आशीष मुखर्जी, निदेशक, आईएएसएसटी द्वारा भारत के जहरीले सांपों पर मूल रूप से हिंदी में लिखी गई पुस्तक विषधर भुजंग कथा: पौराणिक मान्यता से वैज्ञानिक दृष्टिकोण तक×ह्वह्वशह्ल; का विमोचन भी किया जाएगा। इस सम्मेलन में डीएसटी के अंतर्गत आने वाले सोलह स्वायत्त संस्थानों, चार सेवा संगठनों और पांच व्यावसायिक निकायों की भागीदारी की संभावना है।

पूर्वोत्तर केरिपुबल के महानिरीक्षक ने किया 175वें बटालियन केरिपुबल का दौरा

शिलांग। आज मुख्यालय 175 बटालियन केरिपुबल, रानी औद्योगिक क्षेत्र, कामरुप (असम) का श्री अनुराग अग्रवाल, भारतीय पुलिस सेवा, महानिरीक्षक, पूर्वोत्तर सेक्टर, केरिपुबल शिलांग (असम) द्वारा निरीक्षण किया गया। उनके बटालियन मुख्यालय आगमन पर सर्वप्रथम राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175 बटालियन केरिपुबल द्वारा उनका स्वागत किया गया और बटालियन मुख्यालय के दौरे के दौरान उनकी अगुवाई की गई। इस अवसर पर मुख्यालय 175 बटालियन केरिपुबल के क्वार्टर गार्ड पर महानिरीक्षक महोदय को बटालियन की विशेष गार्ड द्वारा सलामी दी गई। महानिरीक्षक (पूर्वोत्तर सेक्टर) ने बटालियन मुख्यालय में अवस्थित सभी संस्थानों/शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरान्त महानिरीक्षक महोदय द्वारा सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया गया। सैनिक

सम्मेलन के माध्यम से महोदय ने बटालियन मुख्यालय में उपस्थित सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित किया। महानिरीक्षक महोदय द्वारा सैनिक सम्मेलन को संबोधित किये जाने से पूर्व राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175 बटालियन द्वारा महानिरीक्षक महोदय के जीवन परिचय से सैनिक सम्मेलन में उपस्थित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों को अवगत कराया गया। अपने संबोधन में महानिरीक्षक महोदय ने बल के द्वारा की जाने वाली विलक्षण ड्यूटियों, जवानों के खान-पान व दिनचर्या आदि पर ध्यान देने, आपसी सहयोग आदि विषयों पर जोर दिया एवं सभी जवानों से उनकी व्यक्तिगत समस्या या बल के कल्याण हेतु कोई सुझाव के बारे में पूछा। इस अवसर पर श्री राजीव कुमार झा कमांडेंट 175 बटालियन, केएल धीमान, द्वि. कमा. अधिकारी, अब्दुल रहीम, उप.कमा., डॉ. दीप्ती बुरले, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, अन्य अधिकारी गण, अधीनस्थ अधिकारी एंवं जवान भी उपस्थित रहे।

बेकी नदी में डूबे बच्चे का छह दिन बाद मिला शव

बाक्सा (हिंस)। जिले के पास सफाकामर में बेकी नदी में नौ साल के बच्चे का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। यह बच्चा छह दिन पहले नहाने के दौरान डूब गया था। शुक्रवार को बेकी नदी में एक शव दिखने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नदी से बाहर निकलवाया। शव की पहचान नौ वर्षीय तहरुल शेखर के रूप में हुई है, जो छह दिन पहले बेकी नदी में नहाने के दौरान डूब गया था। एसडीआरएफ ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बच्चे की बहुत तलाश की थी, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया।

होजाई : नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर कमेटी की बैठक आयोजित

होजाई (विभास)। जिला स्तरीय एनसीओआरडी (नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर) कमेटी की मीटिंग बृहस्पतिवार को होजाई में एसडीओ (सी) के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई। मीटिंग की अध्यक्षता एडीसी प्रभारी एसडीओ (सी) लचित कुमार दास, एसीएस ने की जिसमें विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों ने ने भाग लिया। मीटिंग के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई जिसमें कुछ प्रमुख निर्णय जैसे दवा दुकानों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य, तंबाकू नियंत्रण सोसायटी द्वारा जागरूकता अभियान आदि लिए गए।

बाजार में खुलेआम बिक रहे हैं डुप्लीकेट सरिया

जालसाजी करने वालों के खिलाफ लोटस टीएमटी कार्रवाई की तैयारी में

गुवाहाटी (विभास)। खाद्य, सौंदर्य प्रसाधन के बाद अब बाजार में टीएमटी सरिया भी डुप्लीकेट बेचा जा रहा है। इस बात का सनसनीखेज खुलासा उस वक्त हुआ जब कोलकाता की प्रतिष्ठित बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड के अंतर्गत *लोटस एफई 500+ पावर ऑफ नेशन* नामक ब्रांड के डुप्लीकेट सरिया असम सहित पूर्वोत्तर के बाजार में धड़ल्ले से बिकने का मामला सामने आया। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद कंपनी ने ऐसे धोखाधड़ी करने वाले कुछ दुकानदारों से लेकर लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। कोलकाता की प्रतिष्ठित बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड की ओर से अधिवक्ता कवच कश्यप (ट्रेड मार्क रजिस्ट्रेशन ब्यूरो) को जानकारी मिली है कि

असम सहित पूर्वोत्तर के कई जगहों पर एसआरडी लोटस/ सुपर लोटस नाम से कंपनी के ट्रेडमार्क की आड़ में डुप्लीकेसी कर इसी नाम से सरिया बेचा जा रहा है, जो पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने कंपनी की ओर से ऐसे गैर कानूनी काम करने वाले सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यह एक दंडनीय अपराध है। वहीं उन्होंने असम सहित पूर्वोत्तर के सभी ग्राहकों विक्रेता, डीलर, स्टॉकिस्ट से भी आह्वान किया है कि वे लोग बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड कंपनी के असली टीएमटी पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदे। इससे न केवल ग्राहकों को मजबूत सरिया मिलेगा बल्कि उनके सपनों का घर भी निर्माण की दृष्टिकोण से मजबूत रहेगा।

गुवाहाटी में हर्षोल्लास के साथ मनी बुद्ध पूर्णिमा

गुवाहाटी (हिंस)। बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर गुवाहाटी के पांडू बौद्ध बिहार समिति के तत्वावधान में आज विभिन्न कार्यक्रमों के साथ 2567वीं बौद्ध जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह बौद्ध मंदिर से प्रभात फेरी निकाली गयी। वहीं ध्वजारोहण पांडू बौद्ध विहार समिति के भंते क्षेमानंद भिक्षुक ने किया। बुद्ध पूजा के बाद सुबह एक धर्मसभा का आयोजन किया गया। इस बैठक में साहित्यकार समदीप दत्ता, असमिया साहित्य अकादमी के सलाहकार अंजन शर्मा, प्रोफेसर डॉ. रामा शर्मा, पांडू बौद्ध विहार समिति के भंते खेमानन्द भिक्षु, कुसला भिक्षु आदि उपस्थित थे। बैठक में गौतम बुद्ध के जीवन के धार्मिक पहलुओं पर चर्चा हुई। शाम को विद्यार्थियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता एवं धार्मिक गायन का आयोजन किया गया। वहीं दूसरी ओर

मालीगांव के शंकरदेव नगर स्थित महा करुणिक बौद्ध विहार ट्रस्ट में भी 2567वीं बुद्ध पूर्णिमा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ बौद्ध पूर्णिमा मनाई गई। गौहाटी उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद महाजन ने सुबह ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के बाद पूजा का आयोजन किया गया। पूजा के अंत में भिक्षुकों को भोजन कराया गया। दोपहर में सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया एवं शाम को दीप प्रज्ज्वलन कर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि बुद्ध पूर्णिमा या बैसाखी पूर्णिमा बौद्ध धर्म का सबसे पवित्र त्योहार है। यह शुभ त्योहार वैशाख महीने की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

भारतीय एयरोस्पेस की संवेदनशील गोपनीय जानकारियां पाकिस्तान के रास्ते चीन तक पहुंचाने की आशंका

- एयरोस्पेस की दुनिया में भारत को अव्वल बनाने वाले कई प्रोजेक्ट में शामिल था वैज्ञानिक
- दुश्मन देश को दी गई जानकारियां भारत की सुरक्षा के लिए पैदा कर सकती हैं खतरा

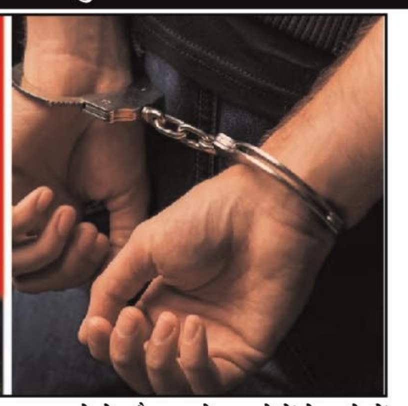

नई दिल्ली, (हि.स.)। जासूसी करने के आरोप में महाराष्ट्र से पकड़े गए डीआरडीओ वैज्ञानिक पर देश की संवेदनशील गोपनीय जानकारियां पाकिस्तान के रास्ते चीन तक पहुंचाने की आशंका है। हनीट्रैप के इस मामले की जांच इस एंगल से भी वैज्ञानिक से पूछताछ करके की जा रही है। इस वैज्ञानिक ने एयरोस्पेस की दुनिया में भारत को अव्वल बनाने वाली कई मिसाइलों, एंटी सेटेलाइट मिसाइल और इंटरनेशनल कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) जैसे अहम प्रोजेक्ट में लीड रोल निभाया था, इसलिए दुश्मन देश को दी गईं जानकारियां भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की पुणे स्थित प्रयोगशाला अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आरएंडडीई) में तैनात निदेशक (इंजीनियर) पीएम कुरूलकर को मुंबई एसटीएफ ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गुरुवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार वैज्ञानिक का संपर्क व्हाट्सएप संदेशों, वॉयस कॉल, वीडियो आदि के माध्यम से खुफिया एजेंसी के गुर्गों के साथ था। भारतीय खुफिया एजेंसियों को चिंता इस बात की है कि डीआरडीओ के इस अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करके संवेदनशील गोपनीय जानकारियां देने का समझौता किया, जो दुश्मन राष्ट्र के हाथों में पड़ने पर भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। गिरफ्तार किये गए वैज्ञानिक ने डीआरडीओ की पुणे प्रयोगशाला में विकसित आकाश ग्राउंड सिस्टम में प्रोजेक्ट डायरेक्टर, भारत की परमाणु-संपन्न लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्रोजेक्ट, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) के लॉन्चर्स के लीड डिजाइनर, सबसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम निर्भय और प्रहार, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआर-एसएएम), शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम (एसआरएसएएम) और एंटी सेटेलाइट मिसाइल सिस्टम के लॉन्चर के लिए प्रोजेक्ट लीडर और सिस्टम मैनेजर के रूप में काम किया है। सूत्रों का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण पदों पर रहने के दौरान उसे उन क्षेत्रों के बारे में संवेदनशील जानकारियां थीं, जिन्होंने भारत को एयरोस्पेस की दुनिया में अन्य देशों के मुकाबले अव्वल बनाया है। वैज्ञानिक पीएम कुरूलकर ने शीर्ष मिसाइल प्रणालियों के अलावा इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) में भी काम किया है। भारत ने 5000 किमी. से आगे की रेंज वाली अग्नि मिसाइल आईसीबीएम का परीक्षण शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। इसके साथ ही भारत की गिनती उन देशों में हो जाएगी, जिनके पास आईसीबीएम है। भारत से पहले अमेरिका, रूस, फ्रांस और चीन के पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की क्षमता है। महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने गिरफ्तार किये गए वैज्ञानिक के खिलाफ ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जांच एजेंसियों को यह गोपनीय जानकारियां पाकिस्तान के रास्ते चीन को पहुंचाए जाने की भी आशंका है, इस एंगल से भी वैज्ञानिक से पूछताछ की जा रही है। यह हनीट्रैप का मामला है, इस तरह के मामले पहले भी पकड़े जा चुके हैं। पिछले साल नवंबर में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विदेश मंत्रालय में कार्यरत एक ड्राइवर को जासूसी के आरोप में नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू भवन से गिरफ्तार किया था। इसी तरह सितंबर, 2022 में उत्तराखंड के हरिद्वार से सेना के एक जवान को आईएसआई एजेंट ने रिया शर्मा के फर्जी नाम से हनी ट्रैप में फंसाया गया। उसे राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जवान जोधपुर स्थित सेना की सीक्रेट मिसाइल रेजीमेंट यूनिट में गनर था। पिछले साल ही आईएसआई के साथ भारतीय सेना की गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में पीर मोहम्मद उर्फ समीर दा को पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने गिरफ्तार किया था। माना जाता है कि उसने पाकिस्तान की आईएसआई के साथ पैसे के लिए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की थी। पीर मोहम्मद कालिम्पोंग और पश्चिम बंगाल के उत्तरी बंगाल क्षेत्र में सेना की आवाजाही के बारे में सभी विवरण साझा करता था।

प्रधानमंत्री अब 10 मई को राजस्थान दौरे पर आएंगे

जयपुर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राजस्थान दौरा तय हो गया है। वे एक दिवसीय दौरे पर 10 मई को राजस्थान आ रहे हैं। पहले प्रधानमंत्री के 12 मई को आने का कार्यक्रम था। इसमें आंशिक रूप से बदलाव किया गया है। प्रधानमंत्री के दौरे के लिए अब सिरोही जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने भी प्रधानमंत्री के राजस्थान आने के कार्यक्रम की पुष्टि की है। ताजा कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 10 मई को सुबह 11 बजे नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद मंदिर में पूजा-अर्चना का कार्यक्रम है। सुबह 11:45 बजे नाथद्वारा में विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण शिलान्यास के बाद दोपहर 2 बजे आबूरोड़ के शांतिवन पहुंचेंगे। यहां वे ब्रह्माकुमारी में प्रकाशमणि पार्क का उद्घाटन कर एक अस्पताल की आधारशिला रखेंगे। दोपहर में करीब 3:15 बजे प्रधानमंत्री जनसभा में पहुंचेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष नारायण पुरोहित ने बताया कि प्रधानमंत्री मानपुर हवाई पट्टी पर जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके दौरे को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। पुरोहित ने नगर मंडल के कार्यकताओं एवं उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार के साथ हवाई पट्टी का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद ज्ञानदीप भवन में भाजपा के जिलेभर के पदाधिकारियों की बैठक हुई।

भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 'शीशमहल' को बताया सद्दाम हुसैन, किंम जोंग का मकान

अजय कुमार

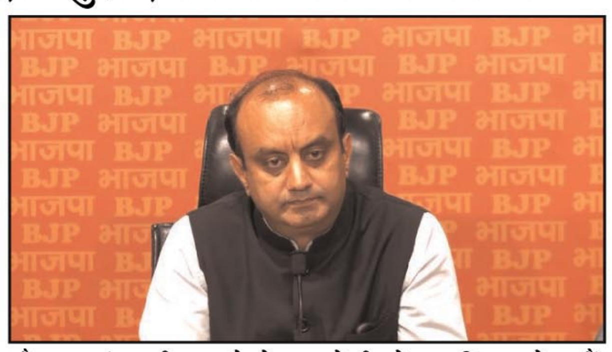

नई दिल्ली। भाजपा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शीशमहल को लेकर लगातार हमलावर है। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि केजरीवाल का मकान सद्दाम हुसैन, किंम जोंग के मकान की तरह है। उनके घर के दरवाजे सेंसर वाले हैं, जो बड़े संस्थानों में इस्तेमाल किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि शीला दीक्षित के मकान में लगे एसी पर केजरीवाल ने कहा था उनका कलेजा कांप उठता है। दिल्ली की जनता को मुफ्त के नाम पर धोखा दिया है। वो क्षेत्रीय दल से राष्ट्रीय और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के नेता बन गए हैं। आगे उन्होंने कहा, "केजरीवाल सबकुछ रिमोट से कंट्रोल कर रहे हैं, यहां तक कि अपनी पार्टी भी और पंजाब सरकार को भी। वो आज निःशब्द हो गए हैं। आईआईटी ग्रेजुएट पहले ही ज्यादा बोल चुके हैं और शब्दहीन हो गए हैं। ये नैतिक दृष्टि से जनता के साथ विश्वासघात है।

कांग्रेस नेता का शाह से सवाल, कन्नड़ भाषा के प्रचार के लिए सिर्फ 3 करोड़

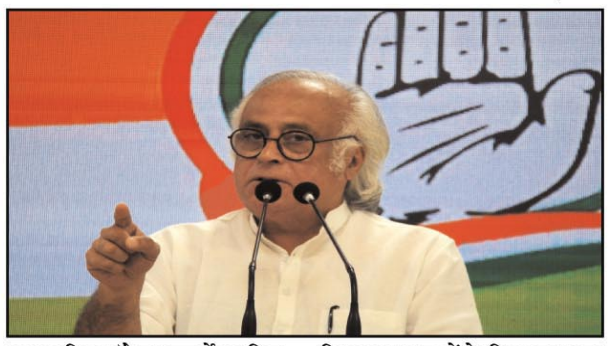

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में सभी भाषाओं का समान रूप से प्रचार करने के मामले में कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। कांग्रेस पार्टी का सवाल है कि भाजपा सरकार आखिर क्यों कन्नड़ भाषा के प्रचार पर केवल 3 करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जबकि संस्कृत के लिए 640 करोड़ रुपयों का बजट रखा गया है। कन्नड़ को भारत की छठी शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्विटर पर कहा कि गृह मंत्री ने अपने साक्षात्कारों में कहा था कि उनकी सरकार देश में सभी भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए काम करेगी। क्या इसकारण मोदी सरकार ने संस्कृत के लिए 640 करोड़ रुपये का बजट रखा है और कन्नड़ भाषा के लिए केवल 3 करोड़ रुपयों का, जबकि कन्नड़ को भारत की छठी शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने पूछा क्या इसलिए उस शख्स को टेक्स्ट बुक रीविजन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है, जिसने कर्नाटक की स्टेट एंथम केवंम्पु की बुराई की थी। क्या इसलिए फॉरेस्ट कन्जर्वेशन बिल, 2022 में अंग्रेजी शब्दों को हटाकर नामों को हिंदी भाषा में लिख दिया गया? उन्होंने कहा, मेरे पास एक लंबी लिस्ट है माननीय गृह मंत्री जी, आप उस व्यक्ति के लिए काम करते हैं, जिसका मंत्र है असत्यमेव जयते। उनका यह ट्वीट केंद्रीय मंत्री शाह के उस बयान पर आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार केवल हिंदी भाषा का ही प्रचार नहीं कर रही है, बल्कि उनका ध्यान देश की तमाम प्रमुख भाषाओं पर है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से यह सवाल उस समय उठाया गया जब दोनों पार्टी कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रही हैं। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पांच प्रमुख वादों को शामिल किया है, जिसमें-ग्रह ज्योति (200 यूनिट्स तक फ्री बिजली), ग्रह लक्ष्मी (परिवार की प्रमुख महिला को प्रतिमाह 2000 रुपये), अन्न भाग्य-गरीब लोगों को 10 किलो तक अपनी पसंद का खाद्य पदार्थ (चावल, ज्वार, दाल आदि) देना शामिल है। पार्टी की तरफ से यह भी कहा गया है कि प्रदेश में धर्म और जाति के खिलाफ बोलने वाले व्यक्ति या संगठन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ममता ने फिर किया केंद्र के खिलाफ विपक्षी एकजुटता का आह्वान

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले गैर भाजपा और गैर कांग्रेस पार्टियों की एकजुटता का आह्वान किया है। शुक्रवार को मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियां एक हो जाएं। हमलोग एक साथ मिलकर काम करें। बजरंग दल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि श्रीराम का नाम लेकर गुंडागर्दी हो रही है। वे सीबीआई, ईडी के नाम पर लोगों को डरा रहे हैं । केंद्रीय एजेंसियां विपक्ष को परेशान कर रही है। इसके खिलाफ एकजुट होना बेहद जरूरी है। उन्हें (भाजपा को) केंद्र से हटाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में अखिलेश यादव से मुलाकात के दौरान भी इसी तरह का आह्वान किया था। ममता बनर्जी जब नवीन पटनायक से मिली थीं, तब भी विपक्षी एकजुटता का नारा बुलंद किया था। हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात के दौरान भी ममता ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष को लामबंद होने का संदेश दिया था।

शरद पवार का इस्तीफा नामंजूर, अध्यक्ष पद पर बने रहने का प्रस्ताव भी पारित

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के आला नेताओं की चयन समिति ने शुक्रवार को एकमत से शरद पवार के राकांपा अध्यक्ष पद से दिए गए इस्तीफे को नामंजूर कर दिया। समिति ने शरद पवार को राकांपा अध्यक्ष पद पर बने रहने का एक प्रस्ताव भी एकमत से पारित किया है। राकांपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि इस निर्णय की जानकारी शरद पवार को जल्द ही दी जाएगी। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि शरद पवार ने दो मई को पुस्तक विमोचन के अवसर पर पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। यह निर्णय शरद पवार ने अचानक किया था, इसलिए सभी स्तब्ध रह गए थे। भाषण के दौरान शरद पवार ने चयन समिति को नए अध्यक्ष का चुनाव करने का भी सुझाव दिया था। शरद पवार के सुझाव के अनुसार आज चयन समिति की बैठक की गई थी। इस बैठक में पहला प्रस्ताव शरद पवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफे को नामंजूर करने का लाया गया था, जिसे समिति ने एकमत से नामंजूर कर दिया। इसी दौरान दूसरा प्रस्ताव शरद पवार को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहने का लाया गया, इस प्रस्ताव को भी एकमत से मंजूर कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि शरद पवार की ओर से दो मई को अध्यक्ष पद छोड़ने की घोषणा के बाद राकांपा नेता एवं कार्यकर्ता उनके इस फैसले का विरोध करने लगे थे और उनसे अपना निर्णय वापस लेने की मांग करने लगे थे। इसी वजह से गुरुवार को शरद पवार ने कहा था कि समिति का जो निर्णय रहेगा वे उसे मानेंगे। आज चयन समिति के निर्णय की जानकारी मिलते ही राकांपा के कार्यकताओं में खुशी फैल गई। अब शरद पवार पर सभी की निगाहें लगी हैं कि वे क्या फैसला लेते हैं।

हेलंग में अवरुद्ध बद्रीनाथ हाई वे खुला

जोशीमठ, (हि.स.)। बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर चट्टान आने से अवरुद्ध मार्ग शुक्रवार को फिर खोल दिया गया है। इसके बाद बद्रीनाथधाम की यात्रा फिर शुरू हो गई है। बताया गया कि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोशीमठ से 13 किमी पहले हेलंग में गुरुवार शाम को एक चट्टान भरभरा कर सड़क पर गिर गई थी। इससे मार्ग अवरुद्ध हो गया था। पहाड़ों से लगातार चट्टान व बोल्डर आने से कारण सड़क खोलने में भी भारी दिक़्कतों का सामना करना पड़ा। पूरी रात अवरुद्ध स्थल पर दोनों ओर से मलबा हटाने का कार्य जारी रहा। शुक्रवार सुबह तक मार्ग आवाजाही के लिए खोल दिया है। सुबह मार्ग खुलते ही दोनों ओर फंसे सैकड़ों यात्रियों ने राहत की सांस ली।

वंदे भारत ट्रेन को लेकर दो डिवीजन आमने-सामने

नई दिल्ली (ईएमएस)। निजामुद्दीन से भोपाल के लिए 2 अप्रैल को लांच हुई वंदे भारत ट्रेन ने रेलवे के दो डिवीजन को आमने-सामने ला दिया है। दिल्ली और आगरा डिवीजन के बीच क्रू की तैनाती के मुद्दे पर मतभेद चल रहा है। हर दिन दोनों डिवीजन ट्रेन के सुपरविजन के लिए गार्ड तैनात कर रह हैं। आगरा से ट्रेन में आने वाला गार्ड निजामुद्दीन तक ड्यूटी करता है, लेकिन उसी ट्रेन में वापसी के दौरान एक यात्री के रूप में सफर करना पड़ता है। उस गार्ड के केबिन में आने की अनुमति भी नहीं दी जाती है। ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल (एआईजीसी) के वरिष्ठ अधिकारी अरुण कुमार ने कहा, हर दिन दोपहर 1:30 पर, वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से तैयार किए जाने वाले रोस्टर के मुताबिक, एक गार्ड ट्रेन में आगरा में सवार होकर निजामुद्दीन तक जाता है। वह वहां आराम करता है और 2:40 पर वापसी के दौरान ट्रेन को सुपरवाइज करने के लिए तैयार होता है। लेकिन उस गार्ड केबिन में प्रवेश नहीं दिया जाता है और इसकारण एक यात्री के रूप में लौटना पड़ता है। 710 किलोमीटर के सफर में वंदे भारत ट्रेन तीन रेलवे जोन से गुजरती है। नॉर्दन रेलवे (एनआर) के दिल्ली डिवीजन, नॉर्थ सेंट्रोल जोन (एनसीआर) के आगरा और झांसी और वेस्ट सेंट्रल जोन (डब्ल्यूसीआर) से होते हुए ट्रेन निजामुद्दीन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच सफर करती है। एनआर और एनसीआर की ओर से जारी आदेश से पता चलता है कि दिल्ली और आगरा के बीच यह विवाद पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से 1 अप्रैल को हरी झंडी दिखाए जाने के एक दिन पहले से चल रहा है। 31 मार्च की शाम 7:08 बजे एनआर के टाइम टेबल कंट्रोल (टटीसी) डिपार्टमेंट ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी कि ट्रेन में निजामुद्दीन से झांसी और झांसी से निजामुद्दीन के बीच एनआर का गार्ड होगा।

आप ने वीरेंद्र सचदेवा और प्रवेश वर्मा को भेजा लीगल नोटिस

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी जारी सियासी घमासान थमने के आसार बहुत कम हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी दिल्ली बीजेपी सांसद प्रवेश वर्मा और दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को लीगल नोटिस भेजकर पहले से जारी लड़ाई में नया मोड़ ला दिया है। दिल्ली बीजेपी के नेताओं को भेजे नोटिस में आप ने चेतावनी दी है कि सांसद प्रवेश वर्मा 48 घंटे में माफी मांगें वरना उनके खिलाफ उचित सिविल और क्रिमिनल कार्रवाई शुरू की जाएगी। आम आदमी पार्टी ने प्रवेश वर्मा के बयान को पूरी तरह से गलत और अपमानजनक मानते हुए आप के एक पार्षद की तरफ से प्रवेश वर्मा को नोटिस भेजा गया है। दरअसल, 24 अप्रैल 2023 को बीजेपी सांसद प्रवेश वर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि आप के नेता दुर्गेश पाठक ने पार्षदों को टारगेट दे रखा है। आप के पार्षद रेहड़ी वालों से उगाही करते हैं। आप के पार्षदों का रेहड़ी वालों से कमीशन तय है। आप ने अपने लीगल नोटिस में बताया है कि बीजेपी सांसद प्रवेश वर्मा ने वार्ड नंबर 105 से पार्टी के पार्षद पर आरोप लगाया था कि वह निगम पार्षद तो बने कोई अच्छा काम करने के लिए, मगर उनसे भ्रष्टाचार करवाया जा रहा है। आप द्वारा पैसे की उगाही करवाई जा रही है। अभी से उनके कामों में कमिशन तय हो गया है। क्षेत्र में छोटे-छोटे रेहड़ी वालो से आम आदमी के पार्षद उगाही कर रहे हैं। पार्षद अपने क्षेत्रों से सारा पैसा उगाही कर आम आदमी पार्टी में देते हैं। उनके नेता दुर्गेश पाठक हैं। पार्षदों को सप्ताह और महीने के हिसाब से टारगेट दिए जाते हैं और उनसे उसी हिसाब से पैसा लिया जाता है।

कांग्रेस द्वारा हनुमान मंदिर बनाने के वादे को बीजेपी ने बताया छलावा

-डीके शिवकुमार ने कहा, सत्ता में आए तो हनुमान मंदिर बनाएंगे, अनुराग ठाकुर का पलटवार

बेंगलुरु(ईएमएस)। कांग्रेस द्वारा हनुमान मंदिर बनाने के वादे को भाजपा ने कोरा छलावा बताया है। जहां कांग्रेस के डीके शिवकुमार ने कहा है कि यदि हमारी सरकार बनेगी तो हम हनुमान मुंदिर बनाएंगे वहीं भाजपा नेता व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति बताया है। गौरतलब है कि कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध को लेकर उठे विवाद के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सत्ता में आने के बाद राज्य में भगवान हनुमान मंदिर के निर्माण का वादा किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो कर्नाटक में मौजूदा हनुमान मंदिरों का विकास किया जाएगा। इसको लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति कांग्रेस को इतना डूबाती है और इतना गिराती है कि फिर संभले नहीं संभल पाती है। उन्होंने कहा कि कभी बाटला हाउस कांड के आतंकवादियों के घर जाकर सोनिया गांधी फूट-फूट कर रोती हैं। कभी मोदी जी को मौत का सौदागर कहती हैं। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने साफ तौर पर कहा कि कभी बजरंग बली के खिलाफ ही कांग्रेस पार्टी खड़ी हो जाती है। जब इन्होंने हिंदू आतंकवाद कहा तो कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी है। बीजेपी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पीएफआई और बजरंग दल की बराबरी करने पर कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है। कर्नाटक में अपने चुनावी संबोधन के दौरान भी पीएम नरेंद्र मोदी ने जय बजरंगबली के नारों के साथ अपने भाषण का अंत किया। इस बीच, बजरंग दल और अन्य दक्षिणपंथी संगठन विरोध कर रहे हैं और कांग्रेस पार्टी से हिंदू समुदाय से माफी मांगने की मांग कर रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भले ही बजरंग दल से जुड़े मुद्दे को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी हो, लेकिन कांग्रेस का मानना है कि उसकी ओर से दी गई पांच गारंटी ही उसकी जीत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इस मामले में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस को भले ही अब यह एहसास हो गया है कि बजरंग दल को बदनाम करके उसने पाप किया है लेकिन इसके लिए कर्नाटक की जनता उसे (कांग्रेस को) माफ नहीं करेगी। विहिप ने कहा कि 10 मई को होने वाले चुनाव में राज्य के लोग कांग्रेस से इस पाप का हिसाब लेंगे।

कैलाश विजयवर्गीय व अन्य पर दुष्कर्म के आरोप की फिर से होगी जांच

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय, प्रदीप जोशी और जिष्णु बसु के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत की फिर से जांच होगी। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को एक न्यायिक मजिस्ट्रेट को इसके निर्देश दिए हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल में नवंबर 2018 में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं कैलाश विजयवर्गीय, प्रदीप जोशी और जिष्णु बसु के खिलाफ एक महिला द्वारा दायर दुष्कर्म की शिकायत की फिर से जांच करने का निर्देश दिया। जस्टिस एम.आर. शाह और जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय (नवंबर 2020 में) द्वारा दिए गए फैसले और आदेश की पुष्टि करते हुए मामले को वापस मजिस्ट्रेट को भेज दिया, हमने मजिस्ट्रेट द्वारा रिमांड पर दिए गए बाद के आदेश को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय द्वारा पारित किए गए फैसले और आदेश के अनुसार और अपने न्यायिक रिमांड की जांच करने और लागू करने के लिए मामले को विद्वान मजिस्ट्रेट को वापस भेज दें और फिर धारा 156 (3) (सीआरपीसी की) के तहत निर्देश जारी करने या न करने के विवेक का प्रयोग करें। या क्या वह संज्ञान ले सकता है और धारा 202 के तहत प्रक्रिया का पालन कर सकता है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पुलिस को मजिस्ट्रेट के अनुवर्ती आदेश को रद्द कर दिया। पीठ ने कहा कि वह ललिता कुमारी (2014) के मामले में इस अदालत द्वारा निर्धारित कानून के संदर्भ में पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच का भी निर्देश दे सकते हैं। उच्च न्यायालय और इस अदालत के समक्ष दायर कागजात और दस्तावेजों की प्रतियां भी अग्रेषित किया जाएगा और मजिस्ट्रेट के रिकॉर्ड में लाया जाएगा, जो उसके बाद मामले की जांच करेगा और उस पर विचार करेगा। शिकायतकर्ता/सूचनाकर्ता उक्त दस्तावेजों की सामग्री की वास्तविकता पर सवाल उठाने का हकदार होगा। पीठ ने मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय के समक्ष अभियुक्तों द्वारा रिकॉर्ड में लाए गए दस्तावेजों और ईमेल सहित सभी सामग्रियों पर विचार करें, यह देखते हुए कि उच्च न्यायालय ने मामले को आगे की जांच के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट को भेजकर सही किया था।

सुस्त हुआ कोरोना, एक्टिव मरीजों की संख्या घटी, नए मामले भी हुए कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कोरोना की रफ्तार धीमी हो गई है। एक्टिव मरीजों की संख्या में जहां कमी आई है, वहीं नए मामले भी न के बराकर आ रहे हैं। जानकारी के अनसार एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,611 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,49,64,289 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 36,244 से घटकर 33,232 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 से 36 और मरीजों की मौत के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 5,31,642 हो गई है। इनमें वे नौ लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल मामलों का 0.07 प्रतिशत हो गई है, जबकि संक्रमितों के कोविड-19 से उबरने की राष्ट्रीय दर 98.74 फीसदी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में अभी तक कुल 4,43,99,415 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220,66,75,365 खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

मतदान में कहीं कोई गडबड़ी नहीं, अखिलेश यादव लगा रहे अर्नगल आरोप : सूर्य प्रताप शाही

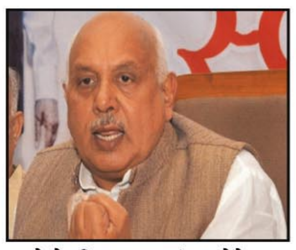

आजमगढ़, (हि.स.)। दूसरे चरण के चुनाव प्रचार में अपने प्रत्याशियों को जीताने के लिए भाजपा ने ताकत झोंक दी है। शुक्रवार को प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने नगर पालिका आजमगढ़ के भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में दीवानी न्यायालय में अधिवक्त-ाओं से समर्थन मांगा। उन्होंने सपा के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा मतदान में गड़बड़ी के आरोप पर कहा कि वे बिना तथ्य के अर्नगल आरोप लगा रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील करने अधिवक्ताओं के बीच में पहुंचे प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि वे एक खुद अधिवक्ता हैं, इसलिए अपनी बात अधिवक्ताओं के बीच रखने के लिए आया हूं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि अधिवक्ता भाजपा प्रत्याशी को अपना समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि मतदान का बहिष्कार किसी चीज का समाधान नहीं है। आप हमारी नीतियों से सहमत नहीं है तो हमारे खिलाफ मतदान करें, सहमत है तो पक्ष में करें। मतदान अवश्य करें। जो समस्या रखी जा रही है, उसका समाधान आचार संहिता समाप्त होने के बाद उसे गंभीरता से लिया जायेगा और समाधान के साथ कार्रवाई होगी। पहले चरण के मतदान में सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से शिकायत करने पर कृषि मंत्री ने कहा कि इसको चुनाव आयोग देखेगा, लेकिन वे अर्नगल आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कोई गंभीर तथ्य नहीं दिया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि एक बूथ को छोड़कर वह भी तकनीकी कारण से पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण तरिके से मतदान हुआ है। उन्होंने कहा कि घर में बैठक शहर की सरकार बनाने वाले लोग घरों से बाहर निकलकर मतदान अवश्य करें।

सपा-रालोद गठबंधन अवसरव व अराजकतावादी, इससे मुक्ति जरूरी : योगी आदित्यनाथ

मेरठ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा-रालोद का गठबंधन अवसरवादी व अराजकतावादी गठबंधन है। यह गठबंधन हर अराजकता की जड़ है। अब इस अराजकतावादी जड़ में मट्ठा डालने का काम किया जा रहा है, इससे इन लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि 2017 में नगर निगम का वोट भाजपा के पक्ष में पड़ा होता तो मेरठ की नई पहचान बन गई होती। हमने पैसे की कमी नहीं आड़े आने दी, लेकिन पैसे का सदुपयोग अत्यंत आवश्यक है। जिमखाना मैदान में शुक्रवार को आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेरठ में अब नई क्रांति होगी है। विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद की क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए हम यहां आए हैं। सपा, बसपा ने मेरठ को सोतीगंज की कालिख दी। भाजपा सरकार में सोतीगंज का कलंक शांत हुआ। अब मेरठ में शांति है। अब मेरठ और उत्तर प्रदेश नए विकास के दौर से गुजर रहा है। उत्तर प्रदेश की पहचान सुशासन, विकास, राष्ट्रवाद के आधार पर बन रही है। अब उपद्रव को बर्दाश्त नहीं करेंगे। कर्फ्यू के लिए कोई जगह नहीं है। अब कांवड़ यात्रा उत्तर प्रदेश की पहचान बन गई है। अब उत्सव उत्तर प्रदेश की पहचान बनते हैं, माफिया नहीं। विकास के पथ पर नए मानक स्थापित करने को उत्तर प्रदेश ने छलांग लगाई है।

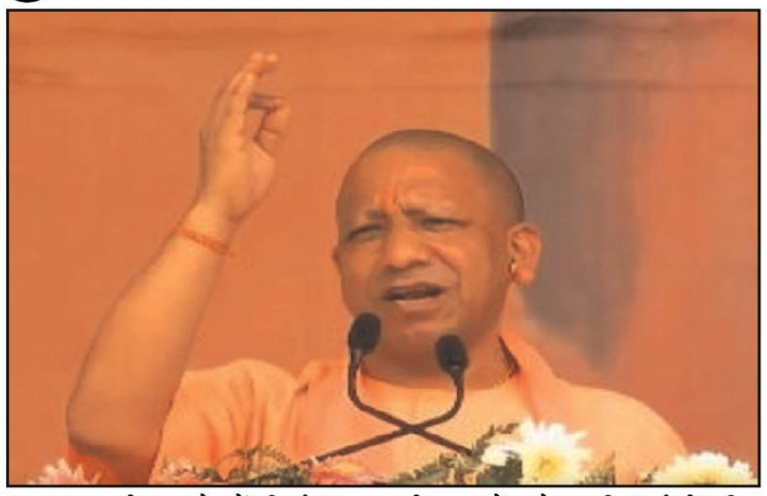

भारत के बारे में बदली दुनिया की धारणा – मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के कारण भारत के बारे में दुनिया की धारणा बदली है। अब दुनिया में भारत ऐसे देश के रूप में पहचान बन चुकी है, जिसके पास सभी समस्याओं का समाधान है। दुनिया के देश अब भारत के बारे में सकारात्मक भाव रखते हैं। 2014 से पहले भारत के बारे में दुनिया की धारणा अलग थी, अब सोच में परिवर्तन आया है। भारत में भी विकास कार्य, गरीब कल्याणका-री कार्य हो, सभी में देश अग्रणी है।

दो वर्ष बाद छह घंटे में पहुंचेंगे मेरठ से प्रयागराज – मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरठ को दिल्ली से जोड़ने के लिए एक्सप्रेसवे बन गया। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल यात्रा को और आसान कर देगी। दो वर्ष बाद गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद मेरठ से प्रयागराज की दूरी छह घंटे में पूरी की जा सकेगी। मेरठ परंपरागत खेल उद्यम दुनिया में छा रहा है। लाखों लोगों को काम मिल रहा है और मेरठ को नई पहचान मिल रही है।

2017 से पहले सपा-बसपा-लोकदल की पहचान है सोतीगंज – योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले सपा-बसपा और लोकदल की पहचान है सोतीगंज। अब मेरठ को सोतीगंज के कलंक से मुक्ति मिल गई है। प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय मेरठ में बन रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज की ओर भी प्रदेश बढ़ रहा है। 1857 में क्रांति की ज्वाला मेरठ से प्रज्ज्वलित हुई थी। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय को आधुनिक रूप देखकर धन सिंह कोतवाल के नाम पर रखा है। बुद्ध पूर्णिमा पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े स्थल उत्तर प्रदेश में है। उन्हें सरकार द्वारा विकसित किया जा रहा है। कपिल वस्तु, सारनाथ, कुशीनगर, कौशांबी को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचा जा रहा है। छह वर्ष में उत्तर प्रदेश में 54 लाख गरीबों को एक-एक आवास दिया गया है। ये आवास सपा-बसपा शासन में भी मिल सकते थे, लेकिन विकास उनकी सोच में नहीं था।

होली-दीपावली पर गरीबों को निःशुल्क सिलेंडर मिलेगा – मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली और होली पर गरीबों को निःशुल्क गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। 10 करोड़ रुपये लोगों को आयुष्मान भारत योजना का कवर मिला है। ये काम भी 2017 से पहले हो सकते थे, लेकिन उस समय के सत्ताधारियों को किसी से कोई मतलब नहीं था। वे अवसरवादी थे और अराजकता पैदा करते थे। गरीबों की योजना में डकैती डालकर अपना और अपने गुर्गों का पेट भरते थे। उत्तर प्रदेश के नागरिकों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। 2017 से पहले की तस्वीर से भिन्न थी। नगर निकाय कूड़े के ढेर दिखाई देते थे, आज शहर स्मार्ट सिटी बन रहे हैं। शोहदों के आतंक की बजाए सेफ सिटी हो रही है। ये अवसरवादी और तमंचावादी भी थे। युवाओं के हाथों में तमंचे पकड़ाते थे। आज यु-वाओं के हाथों में टेबलेट हैं। 2017 से पहले व्यापारियों से रंगदारी वसूली जाती थी। अब अपराधी और माफिया सिर झुकाकर और गले में तख्ती डालकर चल रहे हैं।

तारतम्य बैठाने वाला बोर्ड बनाए – योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह नया उत्तर प्रदेश है। डबल इंजन की सरकार विकास के लिए पैसा भेज सकती है, लेकिन पैसे के सही इस्तेमाल के लिए डबल इंजन के साथ तारतम्य बैठाने वाला बोर्ड होना चाहिए। इसके लिए भाजपा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के साथ उनका पूरा बोर्ड जिताकर भेजिए। विकास के लिए पैसे की कमी नहीं होने दी जाएगी। सेफ और स्मार्ट सिटी के लिए डबल इंजन सरकार पैसा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंशी, ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, दिनेश खटीक, सांसद राजेंद्र अग्रवाल, सांसद कांता कर्दम, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, जिलाध्यक्ष विमल शर्मा, महानगर अध्यक्ष मुकेश सिंघल, सुरेश जैन रितुराज, एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज, अश्विनी त्यागी, डॉ. सरोजिनी अग्रवाल, पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी, प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, कमलदत्त शर्मा, विवेक रस्तोगी, गजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पहलवानों की सारी मांगे पूरी की गयीं, उनसे धरना खत्म करने की अपील : अनुराग ठाकुर

–केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही, दोषी के खिलाफ होगी कार्रवाई

लखनऊ, (हि.स.)। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहलवानों से दिल्ली में जंतर मंतर पर चले रहे धरने को खत्म करने की अपील की है। खेलो इंडिया से संबंधित कार्यक्रम में सिरकत करने के बाद केन्द्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को लखनऊ में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि पहलवानों की जायज मांगों को हम मान चुके हैं। दिल्ली पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही है। दोषी के खिलाफ कार्रवाई करेगी। इसलिए पहलवानों को धरना खत्म करना चाहिए। केन्द्रीय खेल मंत्री ने कहा कि दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज कर चुकी है। अब तो सुप्रीम कोर्ट का भी फैसला आ गया है। इस पूरे मामले में काननू अपना काम कर रहा है। इसलिए जंतर मंतर पर पहलवानों को धरना प्रदर्शन बंद कर देना चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी स-रकार ने सदा खेल और खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है। सभी क्षेत्रों में खेलों में भारत लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। हमने बैडमिंटन से लेकर अन्य खेलों तक प्रदर्शन किया है। खेलों में बजट का बढ़ाया गया है। 964 करोड़ से बढ़ाकर 3393 करोड़ कर दिया गया है। 11 खिलाड़ी के ऊपर ढाई से तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। केन्द्रीय खेल मंत्री ने कहा कि जहां तक खिलाड़ियों की मांगों का सवाल है तो मैं यही क-हूंगा कि उनकी मांग निष्पक्ष चुनाव की बात थी, उसकी तैयारी की जा रही है। एक कमेटी गठित करने की मांग की थी। वह कमेटी भी गठित कर दी गई है। निष्पक्ष जांच कराने की मांग थी। दिल्ली पुलिस वह भी कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपना निर्णय दे दिया है। मेरी आग्रह है कि जो भी खिलाड़ी वहां प्रदर्शन कर रहे हैं, वह निष्पक्ष जांच होने दें। दूध का दूध पानी का पानी अलग हो जाएगा। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करेगी। खेलो इंडिया कार्यक्रम में शामिल होने लखनऊ आये अनुराग ठाकुर ने कहा कि 5000 से ज्यादा खिलाड़ी हैं। अलग-अलग खेलों का आयोजन किया जाएगा। यह भव्य आयोजन 25 मई से 23 जून तक चलेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जैसे पूर्व में कई रिकॉर्ड टूटे हैं, उसी प्रकार से उत्तर प्रदेश की धरती पर भी रिकॉर्ड टूटेंगे। कई उभरते हुए खिलाड़ी हमें मिलेंगे। हम तलाशेंगे और तराशेंगे भी। भारत खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ेगा।

साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में कुशल पेशेवर तैयार करेगा सीएसजेएमयू

कानपुर, (हि.स.)। साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में कुशल पेशेवर तैयार करने का जिम्मा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने लिया है। विश्वविद्यालय, आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में टैलेंट को पहचानने एवं उसे प्लेटफॉर्म देने का काम कर रहा है। आईआईटी कानपुर की सी3आई हब कंपनी के साथ मिलकर विश्वविद्यालय अपने यहां के स्टूडेंट्स को साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में एड-वांस स्तर का ट्रेनिंग प्रोगाम प्रदान करेगा। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर अकादमिक भवन में कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक और आईआईटी से डॉ तनिमा हाजरा ने आपसी समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनो संस्थानों के मध्य हुए इस एमओयू के तहत सीएसजेएमयू के स्टूडेंट्स को साइबर सिक्योरिटी स्किल प्रोगाम को जानने का अवसर मिलेगा। यह पूरा प्रोगाम ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा। 8 सप्ताह तक चलने वाले इस पाठ्यक्रम में हर दिन 6 घंटे की पढ़ाई एवं प्रशिक्षण मिलेगा। पठन-पाठन का यह पूरा पाठ्यक्रम हिंदी में उपलब्ध रहेगा। इस पाठ्यक्रम के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए किसी भी प्र-कार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। सामान्य वर्ग एवं ओबीसी कैटेगरी के छात्र-छात्राओं को इस पाठ्यक्रम के लिए 2 हजार रुपये का शुल्क देना होगा। 15 मई से शुरू होने जा रहे इस पाठ्यक्रम में 10 मई तक पंजीकरण कराया जा सकता है। जो भी स्टूडेंट्स इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं वह यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस दौरान आईआईटी से प्रो मणींद्र अग्रवाल, डॉ तनिमा हाजरा, सीएसजेएमयू से प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी, सीडीसी डायरेक्टर प्रो आर के द्विवेदी, कुलसचिव डॉ अनिल कुमार यादव समेत महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी मौजूद रहे। सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी के इस पाठ्यक्रम के सामान्य एवं ओबीसी कैटेगरी की छात्राओं के लिए 50 प्रतिशत की छूट दी गयी है। छात्राओं को इस पाठ्यक्रम के लिए 1000 रुपए का शुल्क जमा करना होगा।

शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड उत्तरी क्षेत्र के सहयोग से कानपुर के 44805 अभ्यर्थी प्रशिक्षित

कानपुर (कान्हापुर), (हि.स.)। केन्द्र सरकार के द्वारा संचालित शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड उत्तरी क्षेत्र के कार्यालय में ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने से भीड़ समाप्त हो गई। इससे पहले यहां भारी भीड़ लगी रहती थी। कानपुर जिले के उच्च शिक्षा पाली टेक्निक एवं बीटेक समेत अन्य शिक्षा ग्रहण करने वाले 44805 अभ्यर्थियों को अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक प्रशिक्षण कराया गया। यह जानकारी शुक्रवार को बोर्ड के निदेशक एस.के.मेहता ने दी। उन्होंने बताया कि कानपुर के लखनपुर में स्थित शिक्षुता प्रशिक्षण उत्तरी क्षेत्र कुल सात राज्यों में उच्च तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने वाले अभ्यार्थियों को भारत सरकार प्रशिक्षण कराती है। जिसके बाद छात्र–छात्राओं को कुशल होने के बाद, उन्हें कहीं न कहीं रोजगार पाने में आसानी हो जाती है। इस कार्यालय से देश के सात प्रदेश उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, जम्मू कश्मीर और पंजाब के छात्र–छात्राओं का प्रशिक्षण कराने की सुविधा दी जाती है।

केन्द्र में जब से नरेन्द्र मोदी सरकार आई है, उसके बाद से इस विभाग में अमूलचूल परिवर्तन हुआ है। अब अभ्यार्थियों को इस कार्यालय का चक्कर लगाना नहीं पड़ता है। सरकार ने ऑनलाइन सेवा शुरू कर दी है। ऑनलाइन सेवा से छात्रों को बहुत आसानी हो गई है। कानपुर जिले के अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक कुल 44805 अभ्यार्थियों का आनलाइन आवेदन लेकर परीक्षा कराया गया और परिणाम आने के बाद सभी का प्रशिक्षण कराया गया।

कानपुर आईआईटी की ई मास्टर्स डिग्री प्रोगाम से मजबूत होगी डोमेन विशेषज्ञता

कानपुर, (हि.स.)। सूचना की अधिकता के इस युग में व्यवसायों के लिए यह आवश्यक है कि वे उपलब्ध डेटा की विशाल मात्रा का लाभ उठ-ाकर प्रतिस्पर्धा में आगे रहें। इसको देखते हुए कानपुर आईआईटी ने डेटा साइंस और बिजनेस एनालिटिक्स के क्षेत्र में ई मास्टर डिग्री प्रोगाम शुरू किया है जिससे डोमेन विशेषज्ञता में मजबूती आएगी। इस प्रोगाम में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 12 मई है और यह डिग्री तीन वर्ष में पूरी होगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी) के मीडिया प्रभारी सिमंता बर्मन ने बताया कि व्यवसाय, आजकल सक्रिय रूप से डेटा वैज्ञानिकों और व्यापार विश्लेषकों को खास तौर पर काम पर रख रहे हैं ताकि उन्हें डेटा को क्यूरेट और विश्लेषण करने में मदद मिल सके। इस बढ़ते क्षेत्र में पेशेवरों को अपने करियर को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए आईआईटी कानपुर ने डेटा साइंस और बिजनेस एनालिटिक्स में एक अनूठी ई-मास्टर्स डिग्री शुरू की है। दो साल या उससे अधिक के कार्य अनुभव वाले कामकाजी पेशेवरों या स्नातकों के लिए डिजाइन किया गया, यह कार्यक्रम उन्हें स्मार्ट व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए डेटा विज्ञान अनुप्रयोगों का लाभ उठाने में मदद करेगा। अपनी तरह का यह अनूठा कार्यक्रम डेटा विज्ञान में नवीनतम प्रगति को बिजनेस एनालिटिक्स के व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ जोड़ता है, जो पेशेवरों को क्षेत्र की व्यापक समझ प्रदान करता है। बताया कि कार्यकारी-अनुकूल प्रारूप पेशेवरों के लिए एक से तीन वर्षों के बीच क-हीं भी डिग्री पूरी करने के लिए एक लचीला दृष्टिकोण प्रदान करता है। डिग्री में आईआईटी कानपुर कैंपस विजिट, मेंटरशिप और करियर सपोर्ट शामिल हैं। विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा सीखने का अनुभव और होनहार स्टार्टअप पहल के लिए इन्क्यबेशन सपोर्ट पेशेवरों को इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र को नेविगेट करने में मदद करेगा। जुलाई 2023 के बैच में प्रवेश के लिए आवेदन 12 मई 2023 तक खुले रहेंगे।

पलामू के एमकेडीएवी में एनसीसी कैडेट्स भर्ती कैंप में 50 का चयन

मेदिनीनगर, (हि.स.)। शहर में स्थित एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को 44वें बटालियन एनसीसी कैडेट्स भर्ती कैंप का आयोजन किया गया। यह भर्ती एनसीसी के कमांडेंट कर्नल अमिताभ मुखर्जी के निर्देशन में हुई। भर्ती प्रक्रिया के दौरान कैडेट से दौड़, पुश-अप कराया गया और स्टेडियोमीटर से हाइट मापी गई। चिकित्सकीय परीक्षण, पोस्चर डिफॉर्मिंग के साथ-साथ अभिलेख परीक्षण,आधार कार्ड, अंकपत्र फोटो का मिलान किया गया। चयनित विद्यार्थियों में विनीत राज, आयुष कुमार पांडे, अनंत कुमार, नव्या राणा, अतुल्य सिंह और राखी कुमारी सम्मिलित थी। मौके पर कमांडेंट कर्नल अमिताभ मुखर्जी ने बताया कि इस केंद्र से 50 कैडेट्स का चयन हुआ है, जिसमें 15 बालिका (जेडब्ल्यू) एवं 35 बालक (जेबी) की भर्ती हुई है। उन्होंने बताया कि कैडेट्स के रूप में विद्यार्थी जीवन में परिश्रम अनुशासन और अन्य जीवन उपयोगी बातें सीख कर अपने व्यक्तित्व में निखार लाते हैं एवं देश भक्ति भावना से परिपूर्ण होते हैं। स्कूल के प्राचार्य डॉ जीएन खान ने चयनित कैडेट्स को बधाई दी और शुभकामनाएं दी।

एनएसडीसी ने आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किया एमओयू

रांची, (हि. स.)। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तत्वावधान में कार्यरत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने तेजी से विकसित होती मल्टीनेशनल एल्कॉहल बेवरेज कंपनी पेरनोड रिकार्ड इंडिया फाउन्डेशन के साथ एमओयू किया । इसके तहत झारखंड के गुमला जिले में एक मल्टी-स्किलिंग सेंटर की स्थापना की जाएगी। यह साझेदारी स्थानीय आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सेंटर बुआई से लेकर कटाई तक कृषि के हर चरण से जुड़े सभी पहलुओं जैसे आधुनिक तकनीक और रूझानों तक को समझने के लिए मुख्य हब की तरह काम करेगा। एनएसडीसी के सीओओ वेद मणि तिवारी और सीएसआर के हैड सशिधर वेम्पाला ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। मौके पर तिवारी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं को कौशल प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाया जा सकता है। इससे न सिर्फ वे आत्मनिर्भर बनती हैं बल्कि उनका अपने जीवन पर बेहतर नियन्त्रण होता है। खासतौर पर झा-रखंड में स्थिति बेहद गंभीर है जहां अधिकतर महिलाएं कृषि कार्य में सक्रिय है, लेकिन उनके पास जरूरी कौशल और ज्ञान नहीं है, जिससे उनका मुनाफा बढ़ सके। पेरनोड रिकार्ड इंडिया फाउन्डेशन के साथ साझेदारी में हम इस समस्या को हल करना चाहते हैं। हम महिलाओं को आधुनिक कौशल एवं ज्ञान के साथ सशक्त बनाएंगे, उनकी उत्पादकता और आजीविका में सुधार लाने में मदद करेंगे। स्थानीय आदिवासी आबादी को स्किल एवं अपस्किल करने की प्रतिबद्धता के साथ हम आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को स-ाकार करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। पेरनोड रिकार्ड इंडिया एक्जक्टिव वाईस प्रेजीडेन्ट यशिका सिंह ने कहा कि पेरनोड रिकार्ड इंडिया में हम महिलाओं को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गांवों का विकास हमारी पहली प्राथमिकता : राज्यपाल

गिरिडीह, (हि.स.)। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को नक्सल प्रभावित पीरटांड़ प्रखंड का दौरा किया और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। वे जैनियों के तीर्थराज मधुबन स्थित तमिलनाडु भवन फीनचे और यहां पर आयोजित लघु पंचकल्याणक महोत्सव में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने सिंघपुर पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हिस्सा लिया। इस दौरान पारंपरिक लोक नृत्य के साथ उनका स्वागत किया गया। राज्यपाल ने सिंहपुर में आंगनबाड़ी के केंद्र और स्कूल में बच्चों के बीच टॉफी बांटी। काफी देर तक बच्चों के साथ समय बिताया। इस दौरान राज्यपाल ने ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना और समस्याओं के समाधान कराने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने सबसे पहले भारत माता को नमन किया। उन्होंने कहा कि भले ही हमारे पंथ और भाषा अलग हों लेकिन हम सब भारतीय हैं और हम सब एक हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता गांवों का विकास कराना है। इसके लिए भागी-दारी व एकजुटता जरूरी है। अगर हम भी एकजुट रहेंगे तो विकास निश्चित होगा। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने स्कूल की चहारदीवारी के निर्माण की बात कही। इस पर राज्यपाल ने तुरंत डीसी नमन प्रियेश लकड़ा को बिल पास कर चहारदीवा-री कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को परेशानी होती है तो तुरंत एसपी-डीसी को सूचना दें। वैसे लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार के द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के कई लोगों को इसकी जानकारी नहीं रहती है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते है। इस बीच कई लोगों ने कहा कि सिंहपुर पंचायत में पानी की समस्या भी है लेकिन इसपर किसी का ध्यान नहीं जाता है। इसपर राज्यपाल ने कहा कि सिंहपुर गावं में घर - घर तक पानी पहुंचेगा। यदि इस गांव के विकास के लिए फंड नहीं है तो तुरंत फंड दिया जाएगा।

जातीय जनगणना के मामले में बिहार सरकार ने हाई कोर्ट से जल्द सुनवाई की अपील की

पटना, (हि.स.)। बिहार में जातीय जनगणना के मामले में हाई कोर्ट से आये आदेश के बाद अब राज्य स-रकार ने पटना हाई कोर्ट से आग्रह किया है कि इस पर सुनवाई जल्द की जाए ताकि इस मामले में फैसला जल्द आ सके। पटना हाई कोर्ट में राज्य स-रकार ने राज्य में जातियों की गणना एवं आर्थिक सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर तीन जुलाई के पूर्व ही कोर्ट की ओर से सुनवाई करने के लिए याचिका दायर की है। राज्य सरकार ने याचिका में कहा है कि इन जनहित याचिकाओं में उठाए गए मुद्दों पर कोर्ट ने अपना निर्णय अंतिम रूप से दे दिया है। इस कारण इन याचिक-ाओं की सुनवाई तीन जुलाई के पूर्व ही करके इनका निष्पादन कर दिया जाए ताकि इस मामले में फैसला जल्द आ आये। उल्लेखनीय है कि बीते गुरुवार को कोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए जातीय जनगणना पर रोक लगा दी थी। मुख्य न्यायाधीश केवी चन्द्रन की खंडपीठ ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि राज्य सरकार इस दौरान एकत्रित आंकड़ों को शेयर तथा उपयोग फिलहाल नहीं करेगी।

कोर्ट ने जातीय गणना के आंकड़े संरक्षित रखने का भी आदेश सरकार को दिया है।

बांग्लादेश से काठमांडू जा रहे विमान की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

पटना, (हि.स.)। बांग्लादेश से नेपाल के काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग पटना एयरपोर्ट पर कराई गई। विमान में तकनीकी खराबी आने के बाद पटना एयरपोर्ट पर उसे सुरक्षित लैंड कराया गया। विमान में पायलट और क्रूमेंबर सहित 77 यात्री सवार थे। दरअसल, बांग्लादेश एयरलाइंस के विमान ने नेपाल के काठमांडू के लिए उड़ान भरी थी लेकिन बीच में ही विमान में तकनीकी खराबी आ गई। एटीसी से अनुमति मिलने के बाद शुक्रवार दोपहर बांग्लादेशी विमान की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड और एयरपोर्ट के अधिकारी पहुंच गए। इंजीनियर को भी तत्काल मौके पर बुलाया गया। पटना एयरपोर्ट के एक अधिकारी के मुताबिक विदेशी विमान के पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग को लेकर एहतियात के तौर पर सीआईएसएफ के जवानों ने सुरक्षा कड़ी कर दी। सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में क्या खराबी आई है, फिलहाल इसकी जांच की जा रही है।

मनोज झा ने हिंसाग्रस्त मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की, लिखा पत्र

पटना, (हि.स.)। राजद के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने हिंसाग्रस्त मणिपुर में शांति बहाली के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में शुक्रवार को राष्ट्रपति को पत्र लिखा है। मनोज झा ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा है कि हिंसा ने निर्दोष नागरिकों के सामान्य जीवन को बाधित किया है। साथ ही भय और असुरक्षा का माहौल बनाया है। देश के एक राज्य में बहुसंख्यक हिंसा देश के बाकी हिस्सों में इसी तरह की हिंसा के लिए दंडमुक्ति का संदेश देती है और अस्थिर करने वाली ताकतों को प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसलिए आपसे मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार करने का आग्रह करता हूं। सांसद ने लिखा है कि राष्ट्रपति शासन लगाना अंतिम उपाय है लेकिन मौजूदा हालात में मणिपुर के लोगों के जान-माल की रक्षा करना जरूरी है। इसलिए आपसे अनुरोध है कि केंद्र सरकार से स्थिति से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहें कि राज्य में शांति और स्थिरता बहाल हो। उन्होंने पत्र में लिखा है की मणिपुर का एक जटिल जातीय और राजनीतिक परिदृश्य है, जिसमें कई समुदाय इस क्षेत्र में रहते हैं। औपनिवेशिक काल में अपनी जड़ों के साथ जातीय संघर्ष राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेइतेई समुदाय के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। मणिपुर में अन्य समुदायों ने इसका विरोध किया है। इस मुद्दे ने अतीत में हिंसा और विरोध को जन्म दिया है और हाल ही में हिंसा में वृद्धि गंभीर चिंता का विषय है। राज्य सरकार के पक्षपातपूर्ण रवैये और कानून व्यवस्था बनाए रखने में इसकी पूरी तरह से विफलता के कारण हाल ही में स्थिति और खराब हुई है। उल्लेखनीय है कि राज्य के गृह आयुक्त टी. रंजीत सिंह ने मणिपुर में बिगड़ते हालात को देखते हुए गुरुवार को शूट एट साइट का आदेश जारी किया है। पूर्वोत्तर रेलवे ने शुक्रवार को मणिपुर जाने वाली सभी ट्रेनों को रद्द कर दिया है।

संपादकीय

'बजरंग बली' बोले, तो जेल

प्रधानमंत्री मोदी कर्नाटक की चुनावी सभाओं में 'बजरंग बली की जय' का उद्घोष कर रहे हैं और जनता की प्रतिक्रिया भी पुरजोर से सामने आ रही है। यह नए किस्म की, नए मुद्दे पर हिंदूवादी चुनावी राजनीति है। प्रधानमंत्री जनता से साझा कर रहे हैं कि कांग्रेस ने पहले प्रभु श्रीराम को ताले में बंद किया और अब जो भी 'बजरंग बली की जय' बोलेगा, उसे जेल में डाल दिया जाएगा। हालांकि हकीकत यह नहीं है। प्रधानमंत्री उसकी व्याख्या कर रहे हैं, जो कांग्रेस ने घोषित किया है। कांग्रेस ने यह मुद्दा पैदा कर अपने ही पांव पर कुल्हाड़ी मारी है। चुनाव घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की बात कहने की जरूरत ही क्या थी? उसकी आतंकवादी, प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से तुलना कैसे की जा सकती है? गौरतलब सवाल यह भी है कि भगवान बजरंग बली और बजरंग दल क्या समानार्थी, पूरक, पर्यायवाची हैं? ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री समेत भाजपा और बजरंग दल के काडर ने दोनों की साम्यता की व्याख्या की है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि बजरंग बली का नाम लोगे, तो जेल के ताले में बंद कर दिए जाओगे। अपने मुद्दे को ठोस जमीन देने के लिए भाजपा वाले और हिंदूवादी देश भर के गांवों और मंदिरों में 'हनुमान चालीसा' का पाठ करेंगे। चुनाव है या कोई धार्मिक आंदोलन है! आस्थामय भावनाओं का मुद्दा बना दिया गया है, लिहाजा कर्नाटक के करीब 84 फीसदी हिंदुओं के भीतर पलट-प्रतिक्रिया हो सकती है। एक अनुमान है कि कर्नाटक में 35-40 फीसदी हिंदू बजरंग बली के कट्टर भक्त हैं। चुनावी ध्रुवीकरण ऐसी ही परिस्थितियों में कराए जा सकते हैं। ऐसे हालात में शेष संवेदनशील और बुनियादी समस्याओं पर धुंध छा जाती है। कांग्रेसी घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर पाबंदी का ऐलान भी कांग्रेस की अनधिकार चेष्टा है, क्योंकि ऐसे प्रतिबंध भारत सरकार का ही विशेषाधिकार है। राज्य सरकार सिर्फ परामर्श दे सकती है। यदि विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो भी जाए, तो अंतिम और निर्णायक प्रतिबंध के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को ही भेजना अनिवार्य है। दरअसल बजरंग दल के खिलाफ विदेशी आतंकी फंडिंग, हथियारों को जमा करने, उनके प्रशिक्षण, बम बनाने और विस्फोट करने, अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से रिश्ते और साजिशाना सांठगांठ और आतंकी हमले कराने सरीखे देश-विरोधी, घोर आपराधिक मामले दर्ज नहीं हैं। बजरंग दल उत्साही, उन्मादी, उत्पाती, हिंदूवादी संगठन हो सकता है, लेकिन 25 लाख से ज्यादा सदस्यों वाला संगठन 'आतंकवादी' करार नहीं दिया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र ने उस पर पाबंदी चस्पा करने की कभी कोशिश नहीं की है और न ही ऐसा कोई विमर्श किया गया है। बजरंगियों पर कुछ आपराधिक केस भी दर्ज हो सकते हैं, गोवध के संदर्भ में कुछ ज्यादतियां भी की गई हैं, उनके कई पूर्वाग्रह भी हैं, लेकिन वे अपवाद हैं, आतंकवाद नहीं हैं। कांग्रेस ऐसा दुस्साहस केंद्र में नरसिंह राव सरकार के दौरान कर चुकी है, जब 6 दिसंबर, 1992 को अयोध्या का विवादित ढांचा ध्वस्त करने के बाद बजरंग दल और आरएसएस को प्रतिबंधित किया गया था। ट्रिब्यूनल की पहली सुनवाई में ही केस धराशायी हो गया, क्योंकि तत्कालीन भारत सरकार बजरंग दल के 'आतंकी' होने का कोई साक्ष्य नहीं दे सकी। दरअसल बजरंग दल की छवि ही ऐसी है। अलबत्ता यह राष्ट्रीय धर्म, सेवा, सुरक्षा, संस्कार के ध्येय वाक्य वाला संगठन है। हालांकि उसने लव जेहाद, धर्मांतरण, हिजाब सरीखे सांप्रदायिक मुद्दे भी उठाए हैं। दरअसल कर्नाटक चुनाव के संदर्भ में कांग्रेस का मंसूबा और एजेंडा साफ था कि वह ऐसी घोषणा कर ज्यादा से ज्यादा मुसलमानों के वोट बटोर ले। ऐसा कभी नहीं हुआ करता, क्योंकि मुसलमान जद-एस और भाजपा के पक्ष में भी वोट करते हैं। केंद्र में जब कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी, तब के गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे से 'हिंदू आतंकवाद' की बात कहलवाई गई थी। बहरहाल, कांग्रेस सोच ले कि उसका चुनावी हश्र क्या हो सकता है।

> प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि बजरंग बली का नाम लोगे, तो जेल के ताले में बंद कर दिए जाओगे। अपने मुद्दे को ठोस जमीन देने के लिए भाजपा वाले और हिंदूवादी देश भर के गांवों और मंदिरों में 'हनुमान चालीसा' का पाठ करेंगे। चुनाव है या कोई धार्मिक आंदोलन है! आस्थामय भावनाओं का मुद्दा बना दिया गया है, लिहाजा कर्नाटक के करीब 84 फीसदी हिंदुओं के भीतर पलट-प्रतिक्रिया हो सकती है। एक अनुमान है कि कर्नाटक में 35-40 फीसदी हिंदू बजरंग बली के कट्टर भक्त हैं। चुनावी ध्रुवीकरण ऐसी ही परिस्थितियों में कराए जा सकते हैं। ऐसे हालात में शेष संवेदनशील और बुनियादी समस्याओं पर धुंध छा जाती है। कांग्रेसी घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर पाबंदी के ऐलान भी कांग्रेस की अनधिकार चेष्टा है, क्योंकि ऐसे प्रतिबंध भारत सरकार का ही विशेषाधिकार है। राज्य सरकार सिर्फ परामर्श दे सकती है।

भाजपा और अकाली दल ने आपस में मिल कर चुनाव लडने का मन बना लिया तो भाजपा को 12 से 18 के बीच सीटें मिलने लगी थीं

पंजाब में भाजपा की भविष्य की रणनीति

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> भाजपा ने मान लिया था कि वह पंजाब में हिन्दुओं के एक बतके की पार्टी है और अकाली दल ने मान लिया था कि वह मोटे तौर पर पंजाब के जट्ट/सिख की पार्टी है। दोनों पार्टियों के लिए जरूरी था कि वे अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ा कर पूरे पंजाबियों की पार्टी बनने की कोशिश करतीं। अन्यथा उनकी स्थिति पंजाब की राजनीति में बदाव समूह से आगे नहीं बढ़ पाएगी। अकाली दल का प्रभाव क्षेत्र यकीनन भाजपा से ज्यादा था, लेकिन वह समस्त पंजाबियों की पार्टी न होकर जाटों के एक हिस्से और कुछ सीमा तक खत्री सिखों के एक हिस्से की पार्टी मात्र ही थी।

पंजाब में भाजपा ऊहापोह की स्थिति में है। अकाली दल से समझौते से पूर्व जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी पंजाब में 0 से लेकर 9 विधानसभा सीटों तक सिमटी हुई थी। आपात स्थिति के उपरान्त 1977 में हुए चुनावों में भी जब जनता पार्टी और अकाली दल ने मिल कर चुनाव लड़ा था तो जनता पार्टी में जनसंघ ग्रुप को विधानसभा में महज 12 सीटें मिली थी। कालान्तर में जब भाजपा और अकाली दल ने आपस में मिल कर चुनाव लडने का मन बना लिया तो भाजपा को 12 से 18 के बीच सीटें मिलने लगी थीं। इसमें कोई शक नहीं कि यह राजनीतिक सुविधा का समझौता था। भाजपा ने मान लिया था कि वह पंजाब में हिन्दुओं के एक तबके की पार्टी है और अकाली दल ने मान लिया था कि वह मोटे तौर पर पंजाब के जट्ट/सिख की पार्टी है। दोनों पार्टियों के लिए जरूरी था कि वे अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ा कर पूरे पंजाबियों की पार्टी बनने की कोशिश करतीं। अन्यथा उनकी स्थिति पंजाब की राजनीति में दबाव समूह से आगे नहीं बढ़ पाएगी। अकाली दल का प्रभाव क्षेत्र यकीनन भाजपा से ज्यादा था, लेकिन वह समस्त पंजाबियों की पार्टी न होकर जाटों के एक हिस्से और कुछ सीमा तक खत्री सिखों के एक हिस्से की पार्टी मात्र ही थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी का प्रभाव क्षेत्र अकाली दल से भी कम था। इस स्थिति में दोनों पार्टियों के पास सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने का एक ही रास्ता था, या तो अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ा कर समस्त पंजाबियों की पार्टी बनती या फिर सत्ता तक पहुंचने का कोई बाईपास ही तलाशतीं। दोनों पार्टियों ने दूसरे रास्ते को ही सरल व प्रभावकारी समझा। उन्होंने आपस में समझौता कर लिया और सत्ता पर कब्जा कर लिया। यकीनन इस राजनीतिक प्रयोग में भाजपा की हैसियत 'छोटे भाई' की ही होती। यह प्रयोग दो-तीन दशक तक चला। लेकिन इस प्रयोग में दोनों पक्ष ही असन्तुष्ट दिखाई देने लगे। भाजपा के कार्यकर्ताओं को यह लगने लगा था कि अकाली दल से समझौते के कारण पार्टी का विस्तार रुक गया है, जबकि यह सोच यथार्थ पर आधारित नहीं थी। समझौते से पूर्व के तीन दशकों में भी पार्टी पूरे पंजाब, खासकर राज्य का हृदय कहे जाने वाले मालवा क्षेत्र में तो अपना प्रभाव कहीं भी बना नहीं सकी थी। अकाली दल को यह भ्रम होने लगा था कि अब पंजाब के अन्य समुदायों में भी उसने अपना संगठन खड़ा कर लिया है और अपने बलबूते वह पंजाब में अपनी सरकार बना सकता है।

इसलिए किसान आन्दोलन के बहाने उसने भाजपा से अपना पुराना गठबन्धन तोड़ लिया। लेकिन इससे दोनों पक्ष ही प्रसन्न दिखाई दे रहे थे। अकाली दल को लगता था उसकी पीठ से बोझ उतर गया और भाजपा को लगा कि उसके विकास के रास्ते की दीवार हट गई। सचमुच इसका क्या परिणाम हुआ, यह 2022 के विधानसभा चुनावों से पता चला जब भारतीय जनता पार्टी को दो और अकाली दल को महज तीन सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। आम आदमी पार्टी ने 118 सीटों वाली विधानसभा में 92 सीटें झटक लीं। लेकिन लगता है आम आदमी पार्टी की जीत पंजाब में विकल्पहीनता की स्थिति का परिणाम था। इसका सबूत चुनावों के तुरन्त बाद, संगरूर लोकसभा की सीट के चुनाव परिणामों से मिला। मुख्यमंत्री भगवन्त सिंह मान के त्यागपत्र से खाली हुई थी। भगवन्त सिंह दो बार निरन्तर यह सीट लाखों के मार्जिन से जीत चुके थे। लेकिन उनके मुख्यमंत्री बनने के तुरन्त बाद आम आदमी पार्टी यह सीट हार गई। जीत अलगाववाद के समर्थक सिमरनजीत सिंह की पार्टी अकाली दल (अमृतसर) की हुई। प्रत्याशी भी सिमरनजीत सिंह स्वयं थे। पंजाब में इस नई राजनीतिक स्थिति ने प्रदेश की राजनीति की दिशा बदल दी। अकाली दल को लगा कि उसे अपने पुराने अड्डे पर वापस लौट जाना चाहिए। इसलिए वह पंथ के हितों की रक्षा वाले अपने पुराने स्वरूप की ओर लौटने लगी। अभी तक उसकी कोशिश थी कि भारतीय जनता पार्टी से छुटकारा पा लिया जाए और स्वयं को पंजाबियों की पार्टी के तौर पर स्थापित किया जाए। लेकिन अब वह वापस अपने पुराने घर की ओर चल पड़ी। लेकिन भाजपा इस स्थिति में कौनसा रास्ता अख्तियार करे? क्या वह भी अपने उस पुराने घरौंदे में सिमटी रहे या फिर वह भी पूरे पंजाबियों की पार्टी बनने के रास्ते पर चल निकले। पार्टी के भीतर ही एक समूह पुराने घरौंदे को ही सुरक्षित मानता था। से लगता है कि सारे पंजाबियों की पार्टी बनने के चक्कर में वह अपना सुरक्षित जनाधार भी गंवा लेगी। लेकिन लगता है नरेन्द्र मोदी ने दूसरे रास्ते को अधिमान दिया है। भारतीय जनता पार्टी का पंजाब के हर फिरके में विस्तार किया जाए। यही कारण है कि पार्टी ने अपने दरवाजे पूरी तरह खोल दिए। ऐसा नहीं कि ये दरवाजे पहले बन्द थे। यही कारण है कि कांग्रेस और अकाली दल से टूट-टूटकर अनेक लोग भाजपा में आने लगे। आने वालों में उन समुदायों मसलन जट्ट समुदाय और अनुसूचित समुदाय के लोग ज्यादा संख्या में आने लगे हैं। इससे पूर्व इन्हीं समुदायों के लोग भाजपा में आने में संकोच करते थे। ऐसा नहीं है कि पहले इन समुदायों के लोग भाजपा में नहीं थे, लेकिन प्रायः ऐसे लोग थे जिनका अपने समुदायों में जनाधार ज्यादा नहीं था। लेकिन अब स्थिति बदलने लगी थी। इसका परिणाम यह हुआ कि भाजपा समस्त पंजाबियों की पार्टी बनने की ओर अग्रसर होने लगी। जाहिर था इससे पुराने लोगों में रोष भी होता। यही कारण है कि पार्टी के भीतर नए आने वालों की जन्म कुंडलियां खंगालने का काम शुरू होने लगा। लेकिन प्रेम चन्द ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि भूख में साग पात सभी रुचिकर होता है, लेकिन पेट भर जाने पर चुनने की सुविधा ली जा सकती है। अभी तो भारतीय जनता पार्टी को अपनी स्वयं की निर्मित चारदीवारी से बाहर निकल कर समस्त पंजाबियों की प्रतिनिधि राजनीतिक पार्टी बनने की ओर अग्रसर होना होगा। पार्टी यह काम कर भी रही है। यह निश्चित है कि अकाली दल निकट भविष्य में अपना खोया जनाधार प्राप्त नहीं कर सकेगा। अब वह पंजाब में सिखों में एक सीमित समुदाय जट्ट/खत्री में ही अपने सीमित जनाधार को बचाए रखने का प्रयास करता दिखाई देगा। श्री प्रकाश सिंह बादल के देहान्त के बाद उनके सुपुत्र और अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के पास फिलहाल यही रास्ता बचा है कि 'बेअदबियों' के मुद्दे से जूझते हुए अपने बचे खुचे जनाधार को किसी तरह भी बचा कर रखा जाए। पंजाब में आम आदमी पार्टी का जितनी तेजी से उभार हुआ था, उतनी तेजी से ही वह उतार पर जाती दिखाई दे रही है। इसमें कोई शक नहीं कि कांग्रेस पंजाब में किसी न किसी रूप में सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व करती रही है।

खेल मैदानों को यूं बर्बाद मत करो

> बलिासपुर के लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से बस खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बनि किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बलासिपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है।हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। धर्मशाला की तरह हमीरपुर में भी खिलाडि़यों के लिए पहचान पत्र बनाना होगा। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है।सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पर्वतीय होने के कारण यहां खेल मैदान तैयार करने के लिए पहाड़ काट कर जमीन समतल करने पर बहुत अधिक धन खर्च हो जाता है तो फिर प्लेट फील्ड बनाने के लिए उस योजना में धन कम पड़ता है। इसलिए भी हिमाचल प्रदेश में खेल मैदानों की योजनाओं को पूरा नहीं किया जा सका है। कई जगह ऐसे आधे अधूरे मैदान देखे जा सकते हैं। इन अधूरे खेल मैदानों में शिक्षा व पुलिस विभाग के मैदान अधिक हैं। यह भी एक बहुत बड़ा कारण है कि हिमाचल प्रदेश में शिक्षा संस्थानों के पास खेल मैदानों का अभाव है। यही सबसे बड़ी कमी है कि हम पहाड़ी दमखम में अव्वल होते हुए भी खेलों में वह सब नहीं कर पाये हैं जो कर सकते हैं। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाये गये चंद मगर बेहतरीन चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर मैदान थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों - उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदान का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में जो कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर के प्रयासों ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले तारीफ है। बिलासपुर के लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। धर्मशाला की तरह हमीरपुर में भी खिलाडियों के लिए पहचान पत्र बनाना होगा। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए। तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडने का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर बार बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। प्रदेश को भी हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी, तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उप मंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं। यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है। ऊना में हाकी के लिए एस्ट्रो टर्फ बिछी हुई है मगर उसकी तो पहले ही दुर्गति हो गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार का युवा सेवाएं एवं खेल विभाग अभी तक करोड़ों रुपए से बने इस खेल ढांचे के रखरखाव में नाकामयाब रहा है। उसके पास न तो चौकीदार हैं और न ही मैदान कर्मचारी, पर्याप्त प्रशिक्षकों की बात तो बहुत दूर की बात है। नयी खेल नीति में लिखा है कि सरकार विभिन्न खेल संघों, पूर्व खिलाडियों व प्रशिक्षकों से इन सुविधाओं का उपयोग कराने के लिए खेल अकादमियों का गठन कराएगी। हिमाचल प्रदेश के कई पूर्व खिलाड़ी जो खेल आरक्षण से सरकारी नौकरी में हैं अपनी ड्यूटी को ईमानदारी से करने के बाद सबेरे व शाम उभरते खिलाडियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। हैण्डबाल में स्नेहलता, कुश्ती में जौनी चौधरी सहित और भी कई खेलों में कई सरकारी नौकर जो पूर्व खिलाड़ी रहे हैं, ईमानदारी से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये हुये हैं। क्या सरकार ऐसे जुनूनी शौकिया प्रशिक्षकों को खेल विभाग में कम से कम पांच वर्षों के लिए प्रतिनियुक्ति पर लाकर या उन्हीं के विभाग में उन्हें खेल प्रबंधन व प्रशिक्षण देने का अधिकार देकर हिमाचल प्रदेश की करोड़ों रुपए से बनी खेल सुविधाओं का सदुपयोग कर राज्य में खेलों को गति नहीं दे सकती है। अभी भी समय है सरकार को चाहिए कि इन खेल मैदानों का रख रखाव ठीक ढंग से करवाये ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी इन सुविधाओं का लंबे समय तक लाभ उठा सकें।

देश दुनीया से

धारा 370 हटने के बाद जम्मू एवं कश्मीर बन रहा है भारत में निवेश का नया केंद्र

ऐसा कहा जाता है कि जम्मू एवं कश्मीर में धारा 370 लागू करना तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल थी, क्योंकि इसके कारण जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों का अत्यधिक नुक्सान हुआ है। दरअसल पूरे देश में नागरिकों के हितार्थ भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ धारा 370 के कारण जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख के नागरिकों को नहीं मिल पा रहा था। साथ ही, इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि अत्यधिक आतंकवाद के कारण इस क्षेत्र में कोई भी उद्योगपति अपना निवेश करने को तैयार ही नहीं होता था। धारा 370 को लागू करने के कारण जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों को आर्थिक नुक्सान के अलावा राजनैतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में पूरे भारत को ही भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अतः भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था। जम्मू कश्मीर के लिए भारतीय तिरंगा के अलावा एक अलग राष्ट्रीय ध्वज भी होता था, इसलिए वहां के नागरिकों द्वारा भारतीय तिरंगा के सम्मान नहीं करने पर उन पर कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता था। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर के सम्बंध में भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा यदि कोई आदेश दिया जाता था, तो वहां के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे इसका पालन करें। जम्मू और कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के किसी व्यक्ति से शादी कर लेती थी, तो उस महिला से उसके कश्मीरी होने का अधिकार छिन जाता था। इसके विपरीत यदि कोई कश्मीरी महिला पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से निकाह करती थी, तो उसकी कश्मीरी नागरिकता पर कोई असर नहीं होता था। साथ ही, कोई पाकिस्तानी नागरिक यदि कश्मीरी लड़की से शादी करता था और फिर कश्मीर में आकर रहने लगता था तो उस व्यक्ति को भारतीय नागरिकता भी प्राप्त हो जाती थी। यह किस प्रकार के नियम बनाए गए थे जिनके अनुसार एक भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर में नहीं बस सकता था परंतु एक पाकिस्तानी नागरिक यहां बस सकता था और आतंकवाद फैला सकता था। कुल मिलाकर धारा 370 के चलते, जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों को लाभ के स्थान पर नुक्सान ही अधिक उठाना पड़ा है। परंतु, केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद इस क्षेत्र के नागरिकों को देश में लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने, इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने एवं आतंकवाद को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से दिनांक 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को खास दर्जा देने वाली धारा 370 को कानूनी रूप से खत्म कर दिया था। केंद्र सरकार का यह फैसला सचमुच में बहुत दूरदर्शी साबित हुआ है क्योंकि धारा 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू एवं कश्मीर में कई बदलाव दृष्टिगोचर हैं। अब केंद्र के समस्त कानूनों एवं अन्य कई आर्थिक योजनाओं को वहां लागू कर दिया गया है इससे आम नागरिकों को बहुत सुविधा एवं लाभ हुआ है। आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है। आतंकवादियों की कमर तोड़ दी गई है। हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिकों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं।

> धारा 370 को लागू करने के कारण जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों को आर्थिक नुक्सान के अलावा राजनैतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में पूरे भारत को ही भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अतः भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था।

कुछ अलग

शिमला में कांग्रेस का सिक्का

चुनाव की दूसरी दहलीज सुक्खू सरकार ने पार कर ली। शिमला नगर निगम चुनाव के नतीजे कांग्रेस के पक्ष में जनता के विश्वास की गवाही और भाजपा से असहमति का नोटिस हैं। जाहिर है शिमला के बाशिंदे सत्ता के पक्ष में और व्यवस्था परिवर्तन की राह पर उम्मीदों का परचम फहराकर, कांग्रेस का जहाज उड़ा रहे हैं। इसके भीतर बहुत सारी राजनीति, बहुत सारे अनुभव, बहुत सारी नागरिक जागरूकता और बहुत सारे संकल्प हैं, इसलिए जनता ने 34 वार्डों की परिक्रमा में कांग्रेस का सिक्का उछालते हुए 24 पार्षदों पर मुहर लगा दी, जबकि भाजपा की छत के नीचे 9 पार्षद तथा सीपीएम के हिस्से एक पार्षद ही आया। इस बार शिमला ने चुनावी कहानियां नहीं सुनीं और न ही किसी विभ्रम में मतदान किया, बल्कि चार महीने की सुक्खू सरकार के सीने पर चुनावी जीत का तमगा लगाया है, ताकि स्थानीय निकायों की जमीन पर सुशासन की बागडोर, सत्ता से तालमेल करे। जाहिर तौर पर सरकार के फैसलों के लाभार्थी इस बार शिमला नगर निगम चुनाव के सारथी बने। जिन गारंटियों को कोस-कोस कर भाजपा बाजी जीतना चाहती थी, वे अरमान चार कोस भी नहीं चले, तो कांग्रेस की जीत में कई अपेक्षाएं नत्थी हैं। हालांकि मतदान की राशि में इतना उफान नहीं था, फिर भी 58.9 प्रतिशत वोटिंग के बावजूद शिमला ने अपने हितों को साधने के लिए परिणाम दिए हैं। इस परिवर्तन में कर्मचारियों, महिलाओं और युवाओं की भूमिका का शृंगार है, तो व्यवस्था परिवर्तन के लक्ष्यों में राज्य की राजधानी स्पष्ट निर्देश दे रही है। भाजपा फिलहाल अपने विरोध की वजह जानने की गफलत में दिखाई देती है, क्योंकि विधानसभा चुनावों की हार के बाद भी विपक्ष ने आत्म परीक्षण करना मुनासिब नहीं समझा। शिमला की जीत का सारा दारोमदार मुख्यमंत्री के कंधे पर इस लिहाज से भी था, क्योंकि वह इसी दहलीज से निकल कर हिमाचल की सत्ता तक पहुंचे हैं। चुनाव को निश्चित रूप से मुख्यमंत्री ने अपनी संगठनात्मक तथा सरकार की क्षमता से जीत दिला कर यह साबित कर दिया कि अगले दौर की इबारत में सुखविंदर सुक्खू के नाम राजनीति का इतिहास बाहें फैलाए खड़ा है। कर्नाटक चुनाव में शिमला नगर निगम की चुनावी जीत की झोंक का एक अवसर अब सुखविंदर सुक्खू के पास है और इस तरह अभियान पर उतरते मुख्यमंत्री के पास कहने का मनोबल स्पष्ट है। भाजपा को अपनी हार की जिम्मेदारी लेते हुए यह भी सोचना होगा कि पिछली सरकार ने शिमला की स्मार्ट सिटी परियोजना को किस स्थिति में पहुंचा दिया। अगर स्मार्ट सिटी परियोजना के कार्यान्वयन में भाजपा सरकार ईमानदारी से प्रयास करती, तो आज राजधानी के फलक पर पार्टी का टीका विराजमान होता। बहरहाल जनता ने दिल खोल कर कांग्रेस को शिमला का वजूद और भविष्य सौंपा है। शिमला के विकास में स्मार्ट सिटी परियोजना के मील पत्थर तथा बतौर राजधानी शहरी विकास के नए आयाम स्थापित करने की जरूरत है। पेयजलापूर्ति, रैपिड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क व पार्किंग के अलावा आवासीय व्यवस्था के त्वरित समाधान चाहिए। दरअसल शिमला में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तरह राज्य राजधानी क्षेत्र विकास परियोजना की दिशा में बढने की आवश्यकता है। आने वाले समय में मौजूदा वार्डों की संख्या बढ़ाने के अलावा राजधानी विकास क्षेत्र के तहत कम से कम आधा दर्जन सेटेलाइट टाउन तथा वाकनाघाट में कर्मचारी एवं ट्रांसपोर्ट नगरों का विकास करना होगा। शिमला की जीत से निकली नागरिक मंशा, सरकार से हिमाचल के शहरीकरण को सही से संबोधित करने की दरख्वास्त भी कर रही है।

नागरिक बोध

देश मे सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी,रोकने के उपायों का प्राथमिकता के आधार पर हो उपाय

देश मे दिल दहलाने वाली घटनाओ से रोंगटे खड़े हो जाते है। इन दुर्घटाओ के पीछे तेज रफ्तार वाहन चलाने की वजह स्पस्ट है। रास्ट्रीय राजमार्ग बनने के साथ घटनाए भी बढ़ रही है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में डेढ़ लाख से अधिक लोगो की मौत दुर्घटनाओं में होती है। सड़क सुरक्षा जैसे आयोजनों सड़क दुर्घटाओ को रोकने में नाकाम सिद्ध होते है। इसके पीछे शराब पी कर वाहन चलाना और दूसरा कारण तेज रफ्तार से वाहन चलाने की वजह कारणभूत है। मार्ग दुर्घटनाओं में मरने वालो की संख्या बढ़ना गंभीर बाबत है। हररोज देश मे सैकड़ो दुर्घटनाएं होती है। उसमें चोट लगना या मौते होती है। यातायात नियमो की अनदेखी,गलत और उल्टी दिशा में तेज रफ्तार से वाहन चलाने के कारण,अतिक्रमण और सड़कों की खराब डिजाइन के कारण भी हादसे बढ़ते जा रहे है। परिवार का परिवार साफ हो जाता है।यह देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। गड्ढा मुक्त सड़को का संकल्प महज नारा बनकर रह गया है।देश मे छोटी सड़को की हालत खराब होने से सड़को पर कंक्रीट बिखरा मिलता है। उस सड़क निर्माण में घटिया सामग्री उपयोग की जाती है। ये वे सड़क होती है जिनकी उम्र साल या डेढ़ साल ही होती है।उसके बाद जर्जरित होती है। प्रधानमंत्री सड़क निर्माण में एक बार सड़क बनाई जाती है। डेढ़ साल में सड़क की खस्ताहाल हालात होने के बाद साढ़े तीन साल तक कंक्रीट पर वाहन चलाते है। उस मे घटना हो जाती है। हालांकि जिन सड़को के रखरखाव की जिम्मेदारी होती है। उस पर घटनाए कम होती है।सड़को की लंबाई की हिस्सेदारी वाले राष्ट्रीय राज्यमार्ग में35 प्रतिशत दुर्घटनाएं होती है। केंद्र ,राज्य सरकारों के साथ साथ यातायात पुलिस को सतर्कता दिखाने होगी। तेज रफ्तार वाहन चालकों की गति मर्यादा के बाद कोई पाया जाता है तो उस पर दण्डात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़को पर दुर्घटना बहुल क्षेत्र की पहचान होने के बाद सरकार और यातायात पुलिस को सतर्क रहने की आवश्यकता है। देश मे हररोज दुर्घटना होने के बाद कोई गंभीर नही है। इन दुर्घटनाओं को रोकने या कम करने के लिए सरकार युक्तियुक्त नियमो की पालना के आदेश जारी करने चाहिए। हादसों को रोकने के उपायों का ईमानदारी से पालना होनी चाहिए। हादसों में परिवार का कमाऊ सदस्य चला जाता है। जिससे परिवार गभीर संकट में गिर जाता है। परिवार, समाज और राष्ट्र की भारी क्षति है। इससे राष्ट्र प्रभावित होता है। जयपुर में एक दुर्घटना में तीन युवतियों की मौत हो गई। तीनो अच्छी मित्र थी।जयपुर अजमेर हाईवे की दुर्घटना दिल दहलाने वाली है। अल्ट्रो कार पर ट्रक पलटने से आठ लोगो की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस तरह की दुर्घटना हररोज सैकड़ो होती है। जिसमे परिवार उजड़ जाते है। सरकार को इस पर गंभीर होने की जरूरत है।

सर्बिया में फायरिंग, 8 की मौत : 21 साल के हमलावर ने ऑटोमेटिक गन से हमला किया ; 2 दिन में दूसरी घटना

बेलग्रेड।

यूरोपीय देश सर्बिया के म्लाडेनोवैक शहर में एक कार सवार हमलावर ने सड़क पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस दौरान 8 लोगों की मौत हो गई। 13 लोग घायल हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा- फायरिंग करने के बाद हमलावर फरार हो गया था। कई घंटों तलाशी अभियान चलाने के बाद वो पकड़ा गया है। हमलावर की उम्र 21 साल है। हमें जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक, वो एक कार में सवार था। उसके पास ऑटोमेटिक गन थी।

ये पिछले 2 दिनों में होने वाली दूसरी घटना है। इसके पहले 3 मई को राजधानी बेलग्रेड के एक स्कूल में एक स्टूडेंट ने फायरिंग कर दी थी। इससे एक ही क्लास के 9 स्टूडेंट्स की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल हो गए थे। फायरिंग 14 साल के लड़के ने की थी। वो 7वीं क्लास में का छात्र है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

आरोपी छात्र ने भागने की कोशिश की थी – पुलिस ने कहा था- आरोपी इसी स्कूल की सातवीं कक्षा का छात्र है। फायरिंग के बाद उसने मौके से भागने की कोशिश की। बाद में उसे स्कूल के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के लिए पुलिस और स्कूल के सिक्योरिटी स्टाफ ने काफी मशक्कत की। एक पुलिस अफसर ने कहा- मैंने देखा कि एक सिक्योरिटी गार्ड टेबल के नीचे छिपा था। उसे भी गोली लगी थी। दो लड़कियां क्लास रूम के बाहर घायल मिलीं।

स्कूल मैनेजमेंट ने कहा- हम नहीं जानते कि घटना किस वजह से हुई। आरोपी का स्कूल में ट्रैक रिकॉर्ड बहुत अच्छा है। वो कुछ दिन पहले ही इस स्कूल में आया था। उसने इस घटना को अंजाम क्यों दिया, इसकी जांच की जा रही है।

टीचर्स भी गंभीर रूप से घायल हुए थे – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में छात्रों के साथ कुछ टीचर्स भी घायल हुए थे। उन्होंने भागने की कोशिश जरूर की, लेकिन नाकाम रहे। एक सिक्योरिटी गार्ड भी मारा गया था।

एक स्टूडेंट के पिता ने कहा था- मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरी बेटी इस हमले में बच गई। वो फायरिंग के वक्त क्लास में ही मौजूद थी। उसने मुझे बताया कि जैसे ही आरोपी स्टूडेंट ने सबसे पहले टीचर पर फायरिंग की तो वो वहां से भागने में कामयाब हो गई। उसने बाद में खिड़की से हत्याकांड देखा।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ने क्रेमलिन पर ड्रोन हमले में शामिल होने से किया इनकार, रूस के दावे को बताया हास्यास्पद

वॉशिंगटन । अमेरिका ने रूस के उस दावे को खारिज किया है जिसमें उसने कहा था कि क्रेमलिन पर कथित ड्रोन हमले का फैसला कीव में नहीं बल्कि वॉशिंगटन में लिया गया। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक रणनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा, मैं आपको दिमीत्री पेस्कोव के झूठ के बारे में बताऊंगा। मेरे कहने का मतलब है कि यह साफ तौर पर एक ऊटपटांग दावा है। अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हमें यह नहीं पता कि वहां क्या हुआ। लेकिन मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं है। इससे पहले रूस ने क्रेमलिन पर ड्रोन हमले और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ हत्या के कथित प्रयास में अमेरिका का हाथ होने का आरोप लगाया था। क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा, हम अच्छी तरह जानते हैं कि इस तरह की कार्रवाइयों और इस तरह के आतंकवादी हमलों पर फैसला कीव में नहीं, बल्कि वॉशिंगटन में किए जाते हैं। उन्होंने कहा, कीव पहले से ही उस काम को अंजाम दे रहे हैं जो उसे करने के लिए कहा गया है। रूस ने कई फुटेज जारी करते हुए पुतिन के क्रेमलिन आवास पर ड्रोन हमलों का दावा किया था। इन हमलों को यूक्रेन द्वारा रूस पर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया गया था। दो ड्रोन हमलों के बाद रूस ने क्रास्नोडार में एक तेल डिपो और सीनेट पैलेस पर हमलों का दावा करने वाले वीडियो भी जारी किए थे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर दो मई की रात क्रेमलिन पर आतंकवादी हमलों के प्रयास की कड़ी निंदा की है। वहीं, रूस के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन हमलों के पीछे कीव शासन का हाथ है। बयान में कहा गया है, नागरिक बुनियादी ढांचे और नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर आतंकवादी तरीकों का समर्थन करने और नियोजित करने का कीव का एक लंबा रिकॉर्ड है, इसमें 8 अक्टूबर, 2022 को क्रीमियन ब्रिज पर विस्फोट, ब्रायंस्क, बेलगोरॉद और रोस्तोव क्षेत्रों में हमले, साथ ही तोड़फोड़ के कई कार्य शामिल हैं।

तुर्किए में यूक्रेन के सांसद ने रूसी प्रतिनिधि को पीटा, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

अंकारा । रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को एक साल से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। अब दोनों

देशों के रिश्तों में खटास इस कदर बढ़ चुकी है कि दोनों देशों के नागरिक एक दूसरे पर हमलावर हो रहे हैं। तुर्किए से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें यूक्रेन के एक सांसद, रूस के प्रतिनिधि पर घूंसे बरसाते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो यूक्रेन के एक पत्रकार जेसन जे स्मार्ट ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर मिलियन में व्यूज मिल चुके हैं। बता दें कि तुर्किए की राजधानी अंकारा में पार्लियामेंटरी असेंबली ऑफ द ब्लैक सी इकोनॉमिक कॉपरेशन की 61वीं आम सभा का आयोजन हो रहा है। इस बैठक में काला सागर क्षेत्र के देश इकट्ठा हुए हैं और द्विपक्षीय, बहुपक्षीय संबंधों और आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं। इसी बैठक में शामिल होने के लिए यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधि भी अंकारा पहुंचे हुए हैं।

राज्याभिषेक के बाद भारत आ सकते हैं किंग चार्ल्स, भारतीय मूल के ब्रिटिश सांसद ने दी जानकारी

लंदन। भारतीय मूल के प्रसिद्ध कारोबारी लॉर्ड करन बिलिमोरिया ने कहा कि ब्रिटेन के सम्राट चार्ल्स तृतीय राजकीय यात्रा पर भारत जाने की इच्छा रखते हैं और जल्द ही इसकी योजना बनाई जा सकती है। किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला के राज्याभिषेक समारोह से पहले बिलिमोरिया ने संसद परिसर में वेस्टमिंस्टर हॉल में सांसदों के एक समूह से बातचीत के दौरान यह बात कही। बिलिमोरिया ने भारत-ब्रिटेन संबंधों का मुद्दा उठाने का अवसर मिलने पर सम्राट से भारत की यात्रा पर जाने के संबंध में विचार करने का अनुरोध किया था। 'कोहिनूर : द हिस्ट्री ऑफ द वर्ल्ड्स मोस्ट इनफेमस डायमंड' किताब की सह लेखिका अनीता आनंद ने कहा कि राज्याभिषेक समारोह में कोहिनूर का दिखाई न देना ब्रिटिश राज की नई हकीकत को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, कोहिनूर हीरा उपनिवेशवाद को समझने का 'प्रिज्म' बन गया है। उन्होंने कहा, क्वीन कैमिला का राज्याभिषेक में बिना कोहिनूर के ताज पहनने का फैसला ब्रिटेन में उपनिवेशवाद की संवेदनशीलता को झलकाता है। मुंबई के डब्बावालों ने किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक से पहले उन्हें पारंपरिक 'पुनेरी पगड़ी' और पारंपरिक स्टॉल 'उपर्ने' भेजा है।

अब रूसी हमले में नहीं मारे जाएंगे आम यूक्रेनी

इजराइल हाईटेक मिसाइल डिफेंस सिस्टम देगा, काफी पहले ही अलर्ट हो जाएंगे नागरिक

तेल अवीव/कीव।

अब तक रूस-यूक्रेन जंग में न्यूट्रल रोल प्ले करने वाले इजराइल ने यूक्रेन को एक स्पेशल मिसाइल डिफेंस सिस्टम देने का ऐलान किया है। इसमें दो खास बातें हैं। पहली- आम यूक्रेनी नागरिकों की जान बचाई जा सकेगी, क्योंकि इसे सिर्फ सिविलियन डिफेंस के लिए बनाया गया है। दूसरी- इसका एडवांस्ड वर्जन इजराइल में तैनाती के पहले ही यूक्रेन को दिया जा रहा है। इजराइल में यूक्रेन के ऐंबैस्डर येवजेन कोर्निचुक के मुताबिक कीव में इस इजराइली मिसाइल डिफेंस सिस्टम की टेस्टिंग चल रही है। चंद दिनों में तमाम अहम यूक्रेनी शहरों में इसे इंस्टॉल कर दिया जाएगा।

क्या फायदा होगा – येवजेन ने कहा- ये बेहतरीन मिसाइल डिफेंस सिस्टम इजराइल ने तैयार किया है। इसका सबसे लेटेस्ट वर्जन हमें मिल चुका है। कीव में इसकी टेस्टिंग चल रही है। कुछ ही दिनों में हम इसे अपने शहरों में इंस्टॉल कर देंगे। इसकी तैनाती के बाद कोई भी मिसाइल, रॉकेट या दूसरे प्रोजेक्टाइल के हमलों से नागरिकों को बचाया जा सकेगा। दरअसल, इस हाईटेक सिस्टम का अब तक नाम भी नहीं रखा गया है और इसके पहले ही यह यूक्रेन को सौंप दिया गया है। डिफेंस पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह 'टू अर्ली एयर अटैक वॉर्निंग सिस्टम' है। अगर किसी शहरी इलाके पर कोई मिसाइल, रॉकेट या प्रोजेक्टाइल अटैक होता है तो यह फौरन अलर्ट भेजेगा। लोगों के पास इतना वक्त होगा कि वो आराम से खतरे वाली जगह से किसी महफूज ठिकाने पर पहुंच जाएं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यह सिस्टम काउंटर अटैक यानी जवाबी हमला भी कर सकेगा। यानी जो मिसाइल दागी गई है, उसे इंटरसेप्ट करके मार गिराएगा। जाहिर है, इसके इस्तेमाल से आम नागरिकों की जान बचाई जा सकेगी।

जेलेंस्की ने नेतन्याहू से मांगी थी मदद – मार्च में इजराइली फॉरेन मिनिस्टर एली कोहेन यूक्रेन गए थे। वहां प्रेसिडेंट जेलेंस्की से मुलाकात की थी। यूक्रेन के प्रेसिडेंट ने इजराइल से फौजी मदद मांगी थी। उस दौरान इजराइल में इसी मिसाइल डिफेंस सिस्टम की टेस्टिंग चल रही थी। यही वो वक्त भी था जब फिलिस्तीन से इजराइल पर सैकड़ों रॉकेट दागे जा रहे थे। अब यही डिफेंस सिस्टम यूक्रेन को दिया जा रहा है। इजराइल कई साल से अपने नागरिकों की हिफाजत के लिए मिसाइल डिफेंस सिस्टम इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि इस नए अलर्ट सिस्टम का उपयोग अब तक इजराइल ने भी नहीं किया है। इसकी तैनाती सीधे यूक्रेन में हो रही है। इसकी एक खास बात यह भी है कि यह कंट्रोल यूनिट को उस टारगेट की सटीक लोकेशन बता देगा, जहां कोई मिसाइल, रॉकेट या प्रोजेक्टाइल गिरने वाला है। इस दौरान नागरिकों को पर्याप्त समय मिल जाएगा ताकि वो किसी सुरक्षित ठिकाने तक पहुंच जाएं।

सिर्फ कॉपी-पेस्ट करना बाकी – इजराइल में यूक्रेन के ऐंबैस्डर येवजेन ने कहा- चंद दिन बाद हमारे पास सिर्फ कॉपी-पेस्ट का काम बाकी रहेगा। यानी टेस्टिंग पूरी होते ही हम इसकी हर यूनिट अलग-अलग शहरों में तैनात करेंगे। फर्स्ट फेज में इसे 6 शहरों में तैनात किया जाएगा। यहां के लाखों लोग सुरक्षित हो जाएंगे। हम इसका इस्तेमाल अपने मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को बचाने में भी करेंगे। येवजेन ने आगे कहा- अब हम इजराइल से एक और मदद चाहते हैं। दरअसल, रूस ने यूक्रेन के सरहदी इलाकों में कई बारूदी सुरंगें लगा दी हैं। इजराइल के पास वो टेक्नोलॉजी है, जो आसानी से न सिर्फ इनकी पहचान कर सकती है, बल्कि इन्हें खत्म भी कर देगी। हम चाहते है कि इजराइल यह इक्विपमेंट भी हमें मुहैया कराए। हम सैनिकों और आम लोगों की जान बचाना चाहते हैं। उम्मीद है इजराइल ये सिस्टम भी हमें देगा।

इजराइल के पास पहले से है आयरन डोम सिस्टम –० 2019 में फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास ने इजराइल पर एक दिन में 700 रॉकेट दागे थे। इनमें से सिर्फ 2 ही इजराइल के शहरी इलाकों में गिरे। बाकी 698 को इजराइल के डिफेंस सिस्टम 'आयरन डोम' ने मार गिराया। जरा सोचिए कि ये कितना इफेक्टिव होगा। अब यूक्रेन को जो डिफेंस सिस्टम इजराइल ने दिया है, वो आयरन डोम से भी ज्यादा इफेक्टिव है। बहरहाल, नए अलर्ट और डिफेंस सिस्टम की खूबियों के बारे में अब तक इजराइल या यूक्रेन ने कोई जानकारी नहीं दी है। इजराइल का आयरन डोम इस वक्त दुनिया के सबसे आधुनिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम में शुमार है। इसे राफेल एडवांस डिफेंस सिस्टम कंपनी ने बनाया है, जिसने भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के साथ मिलकर बराक-8 मिसाइलों का निर्माण भी किया है।

अब तक 3800 भारतीयों को निकाला गया, भारतीय वायुसेना का अभियान जारी

जेद्दा ।

भारत ने युद्धग्रस्त सूडान से लगभग 3800 नागरिकों को सफलतापूर्वक निकाल लिया है, क्योंकि खार्तूम से फंसे नागरिकों को बचाने के लिए ऑपरेशन कावेरी तेज कर दिया है। भारतीय वायु सेना की फ्लाइट 47 फंसे हुए भारतीयों को लेकर जेद्दा से दिल्ली के लिए रवाना हो गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, सूडान से 47 लोगों को लेकर आईएएफ का सी-130जे विमान दिल्ली के लिए रवाना हो गया। ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से अभी तक करीब 3800 लोगों को बचाया गया है। इससे पहले सूडान में फंसे 192 भारतीय अहमदाबाद पहुंचे। उन्हें भारतीय वायुसेना के सी17 विमान से पोर्ट सूडान से अहमदाबाद गुजरात लाया गया। सूडान में भारतीय दूतावास के अनुसार, ऑपरेशन कावेरी के तहत संघर्षग्रस्त सूडान से अब तक कुल 3,584 भारतीयों को निकाला गया है। इस अभियान के नौ दिन पूरे हो गए। ऑपरेशन कावेरी में भारतीय नौसेना के पांच जहाजों और वायु सेना के 16 विमानों का इस्तेमाल किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया कि बृस्पतिवार को सऊदी अरब के जेद्दा से 16 भारतीयों का एक जत्था लखनऊ रवाना हुआ है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व एक अन्य विमान से 14 भारतीय जेद्दा से मुंबई रवाना हुए। पोर्ट सूडान से भारतीय वायुसेना के सी-17 विमान से देर रात 192 यात्रियों का एक और जत्था अहमदाबाद पहुंचा। दावा है कि 40,000 सूडानी नागरिक उसकी सीमा में घुस आए हैं। वहीं अन्य चाड, दक्षिण सूडान और इथियोपिया चल गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बिजली और पानी की आपूर्ति अनिश्चित हो गई है। खाने की सामग्री और ईंधन की कमी हो गई है और अधिकांश अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र बंद हो चुके हैं। ऐसे हालात में उनके पास पलायन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। सूडान में युद्धविराम की अवधि 11 मई तक बढ़ाने पर फिर सहमति हो गई हैं, मगर कई हिस्सों में अब भी फायरिंग जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक संघर्ष में 528 नागरिकों की मौत हो चुकी है और 4,599 लोग घायल हो गए हैं। दोनों पक्षों की ओर से यह निर्णय नागरिकों और सहायता सामग्री के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद आया है।

कुरान रखने पर उइगर मुसलमानों को चरमपंथी बता रहा चीनः उनके फोन की निगरानी हो रही, इस्लामी गीत भी आतंकवाद के रूप में टैग हो रहे

बीजिंग ।

चीन में उईगर मुसलमानों के हालात और खराब होते जा रहे हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच की नई रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों को कुरान रखने या मोबाइल में धार्मिक फोटो या वीडियो रखने पर भी हिंसक चरमपंथी करार दिया जा रहा है। चीनी अधिकारियों ने उइगरों के फोन की निगरानी शुरू कर दी है।

50 हजार फाइल्स को खतरनाक बताया गया है। इन फाइलों में 1989 के तियानमेन चौक नरसंहार की जानकारी भी शामिल है, जो चीन में सबसे ज्यादा सेंसर की गई है। ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने बताया है कि चीनी पुलिस डेटाबेस से लीक हुए डेटा के विश्लेषण में पता चला है कि चीनी पुलिस अधिकतर मामलों में उईगरों के पास मौजूद धार्मिक चीजों को आतंकवाद से जोड़ रही है। इस्लामी गीत भी आतंकवाद के रूप में टैग किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया कि शिनजियांग में उइगरों को बंधक बनाकर टॉर्चर किया जा रहा है। उन्हें हिरासत में रखा जा रहा है। जबरन मेडिकल ट्रीटमेंट कराया जा रहा है। उनके अंग निकालकर ब्लैक मार्केट में बेचे जा रहे हैं। इन लोगों के साथ जेंडर और सेक्शुअल वायलेंस भी हो रहा है। चीनी सरकार के अधिकारी डिटेंशन सेंटर में अल्पसंख्यकों को कैद करके रखते हैं। यहां उन्हें जबरन दवाइयां देते हैं। उन पर परिवार नियोजन और बर्थ कंट्रोल नीतियों की भेदभावपूर्ण नीति लागू की जाती है। उइगर मुस्लिमों के विरोध को दबाने का बड़ा दांव चला है। यहां की उइगर मुस्लिम आबादी की पहचान को खत्म करने के लिए उइगर लड़कियों की जबरन शादी चीनी युवाओं से कराई जा रही है। चीन के हान समुदाय के युवाओं को शादी के लिए विशेष भत्ते दिए जा रहे हैं।

जापान में संपर्क कार्यालय खोलने की योजना बना रहा नाटो ! चीन ने दी चेतावनी

बीजिंग ।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श के लिए एक कार्यालय जापान में खोलने की योजना बना रहा है। मीडिया में यह रिपोर्ट सामने आने के बाद चीन की प्रतिक्रिया सामने आई है। बीजिंग ने क्षेत्र के देशों से उच्च सतर्कता बरतने का आह्वान किया। उसने इस बात पर भी जोर दिया कि एशिया भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के लिए कुश्ती का मैदान नहीं बनना चाहिए।

संपर्क कार्यालय खोलने की योजना बना रहा नाटो

एक खबर में बताया कि नाटो जापान में एक संपर्क कार्यालय खोलने की योजना बना रहा है। यह एशिया में अपनी तरह का पहला कदम होगा। खबर में जापानी और नाटो अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि टोक्यो में कार्यालय नाटो को जापान और दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड जैसे प्रमुख भागीदारों के साथ समय-समय पर विचार-विमर्श करेगा, क्योंकि चीन एक नई चुनौती के रूप में उभर रहा है।

भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के लिए कुश्ती का मैदान एशियाः माओ निंग

खबर पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि बीजिंग इसे उचित नहीं मानता है और यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करेगा और टकराव को बढ़ावा देगा। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी ने माओ से एक सवाल किया जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि एशिया शांति, स्थिरता, सहयोग और विकास के लिए उम्मीद की जगह है, न कि भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के लिए कुश्ती का मैदान है। माओ निंग ने कहा, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नाटो का लगातार पूर्व की ओर प्रवेश और क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करेगा और टकराव को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए क्षेत्रीय देशों के बीच उच्च सतर्कता की आवश्यकता है। इससे पहले जापानी विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी ने कहा था कि टोक्यो, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नाटो के सदस्य देशों की बढ़ती भागीदारी का स्वागत करता है। पिछले महीने ब्रसेल्स में दो दिवसीय नाटो के विदेश मंत्री स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान हयाशी ने तेजी से अस्थिर वैश्विक सुरक्षा माहौल के बीच ट्रांस-अटलांटिक गठबंधन के साथ जापान के सहयोग को बढ़ावा देने का भी संकल्प लिया था। चीन की यह प्रतिक्रिया ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 24 मई को होने वाले क्वाड समूह के तीसरे शिखर सम्मेलन से पहले भी आई है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

पाकिस्तान में 50 हिंदुओं का धर्मांतरण

1 साल की बच्ची भी शामिल; 4 महीने सेंटर में इस्लाम की ट्रेनिंग दी गई, सांसद भी मौजूद रहे

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के मीरपुरखास में 10 परिवारों के 50 हिंदुओं को मुसलमान बनाया गया है। इनमें 1 साल की बच्ची भी शामिल है। इस मौके पर मजहबी मामलों के मंत्री मोहम्मद ताल्हा महमूद के बेटे मोहम्मद शमरोज खान भी मौजूद रहे। वो खुद भी सांसद हैं।

हिंदुओं का सामूहिक धर्मांतरण कराने के लिए एक स्पेशल सेरेमनी ऑर्गेनाइज की गई। जिन लोगों का मजहब बदलवाया गया है, उन्हें चार महीने तक एक जगह रखा गया, इसे आम बोलचाल में इस्लामी ट्रेनिंग सेंटर कह सकते हैं। करीब एक महीने पहले हिंदू सांसद दानिश कुमार ने सदन में यह कहकर सबको चौंका दिया था कि उनके सहयोगी सांसद उन्हें इस्लाम अपनाने के लिए लालच देते हैं या दबाव डालते हैं। अब हिंदुओं के सामूहिक धर्मांतरण का मामला सामने आया है।

संगठन ने खुद की पुष्टि – हिंदुओं को मुस्लिम बनाने की इस घटना का खुलासा पाकिस्तान के ही एक स्पेशल रिपोर्ट में किया है। इसके मुताबिक यह प्रोग्राम बैतुल इमान न्यू मुस्लिम कॉलोनी के एक मदरसे में किया गया। शाहबाज शरीफ सरकार में मजहबी मामलों के मंत्री मोहम्मद ताल्हा महमूद के बेटे और सांसद मोहम्मद शमरोज खान खुद भी इसका हिस्सा बने।

जिस संगठन ने यह धर्मांतरण कार्यक्रम आयोजित किया, उसके केयरटेकर कारी तैमूर राजपूत ने कहा- कुल 10 परिवारों को इस्लाम में शामिल किया गया है। वो मर्जी से मुस्लिम बनने को राजी हुए। हमने कोई दबाव नहीं डाला। इस मौके पर कई स्थानीय लोग मौजूद थे।

एक साल की बच्ची भी अब मुस्लिम – कारी ने कहा- 10 परिवारों के कुल 50 लोगों ने इस्लाम कबूल किया है। इनमें 23 महिलाओं के अलावा एक साल की बच्ची भी शामिल है। इन सभी लोगों को एक खास सेंटर में रखा गया था। ये सेंटर 2018 में उन लोगों के लिए बनाया गया था, जो दूसरे मजहबों को छोड़कर इस्लाम अपनाते हैं।

कारी ने बताया कि सभी लोगों को इस सेंटर में चार महीने रखा गया। इस दौरान उन्हें मजहबी ट्रेनिंग दी गई और उनकी हर जरूरत पूरी की गई। सेंटर में उन्हें भोजन, कपड़े और दवाइयां भी मुहैया कराई गईं। पिछले 5 साल में अनगिनत लोगों ने दूसरे धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाया है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर हम पूरे परिवार को इस्लाम में कन्वर्ट कराते हैं। अगर किसी एक शख्स का धर्मांतरण कराया जाए तो विवाद हो जाता है। चार महीने सेंटर में रहने के दौरान उन्हें कहीं भी आने-जाने की इजाजत होती है। वो चाहें तो ये जगह भी छोड़कर जा सकते हैं।

हिंदू नेता बोले- हम मजबूर हैं – पाकिस्तान के हिंदू एक्टिविस्ट फाकिर शिवा ने इस सामूहिक धर्मांतरण का विरोध किया है। शिवा ने कहा- बिल्कुल साफ नजर आ रहा है कि अब सरकार ही दूसरे मजहब के लोगों का इस्लाम में धर्मांतरण करा रही है। माइनॉरिटीज के लोग कई साल से मांग कर रहे हैं कि इस तरह के कन्वर्जन के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए, लेकिन हमारी बात सुनेगा कौन सिंध में तो यह बहुत बड़ा मसला बन चुका है। अब तो कैबिनेट मिनिस्टर का सांसद बेटा भी इस तरह के प्रोग्राम में शामिल हो रहा है।

शिवा ने आगे कहा- हमारे लिए ये बहुत फिक्र की बात है कि धर्मांतरण किस पैमाने पर हो रहा है, लेकिन क्या करें हम मजबूर हैं। हमारी कम्युनिटी में पहले ही बहुत गरीबी है। इसका फायदा मजहबी नेता उठा रहे हैं। लोगों को लालच दिया जाता है, फिर उन्हें कन्वर्ट कराया जाता है।

हिंदू सांसद का दर्द – करीब एक महीने पहले पाकिस्तान के एक हिंदू सांसद ने अपने साथी सांसदों पर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया था। बलूचिस्तान के नेता दानिश कुमार ने संसद में कहा था- मुझे इस्लाम के उपदेश न दिए जाएं। पहले अपराधी मुसलमानों को इस्लाम सिखाओ, फिर मुझसे मेरा धर्म बदलने के लिए कहना। उन्होंने आगे कहा- यहां पर मेरे दोस्त हैं जो मुझसे कहते हैं कि दानिश कुमार कलमा पढ़ लो, मुसलमान हो जाओ। मैं इन लोगों से कहना चाहता हूं कि पहले आप उन शैतानों को इस्लाम का पालन करने के लिए कहें जो मुनाफाखोर हैं।

डरे हुए पूर्व सीएम हुड्डा विधानसभा में भी नहीं उठा पा रहे जनता के मुद्दे : अभय सिंह चौटाला

रोहतक (हिंस)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पूर्व सीएम हुड्डा तो इतने डरे हुए हैं कि वे विधानसभा में भी जनता से जुडे मुद्दे भी नहीं उठा पा रहे हैं। पूर्व सीएम को यह डर है कि भाजपा कभी भी उन्हें जेल भेज सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार तो पूर्व मुख्यमंत्री अपने बेटे को भी लोकसभा की टिकट नहीं दिलवा पाएंगे, क्योकि आज कांग्रेस में पूर्व सीएम हुड्डा की छवि धूमिल हो चुकी है और उन्होंने कांग्रेस को एकजुट करने की बजाए उसे खत्म करने का काम किया है। शुक्रवार को इनेलो प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में परिवर्तन यात्रा खरावड से होते हुए खेडी साध से होते हुए रोहतक शहर में प्रवेश किया। इस दौरान कई जगह पर यात्रा का जोरदार स्वागत किया । बार एसोसिएशन में कार्यक्रम के बाद इनेलो नेता अभय चौटाला पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहे डॉ. अशोक तंवर, कुमारी शैलजा, बिरेन्द्र डूमरखा सहित कई अन्य नेताओं के साथ कैसा खेल खेला है, यह सबको पता है और हुड्डा के चलते ही कांग्रेस कमजोर हुई है। चौटाला ने भाजपा पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा के तो आज प्रदेश में यह हालात है कि चुनाव में उनके विधायक व सांसद तक वोट मांगने गांव व शहर में नहीं जा पाएंगे। उन्होंने कहा कि ईमानदारी का ढोल पीटने वाली भाजपा सरकार ने घोटालो का रिकार्ड बनाया है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भ्रष्टाचार के एक भी मामले की जांच सरकार ने नहीं करवाई, चाहे शराब घोटाला हो या रजिस्ट्ररी घोटाला या फिर माइनिग घोटाला। सरकार बताए इन मामलों में जांच कहां तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर चल रही जांच पड़ताल पर सरकार श्वते पत्र जारी करे, ताकि जनता को सच्चाई का पता चल सके। उन्होंने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस को कमजोर करने में हुड्डा का सबसे बड़ा हाथ है। उन्होंने अपने बेटे दीपेंद्र हुड्डा को एमपी बनाने के लिए वरिष्ठ पार्टी नेताओं को दर किनार कर दिया, जिससे वे पार्टी छोड़ने पर मजबूर हुए, लेकिन अब कांग्रेस में पूर्व सीएम हुड्डा की स्थिति यह है कि जिस तरह से दूध में मक्खी और समय आने पर कांग्रेस उन्हें बाहर निकाल कर फेंक देगी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी, सुनेना चौटाला, सुमित्रा देवी, कुंती देवी, पूर्व सांसद कैप्टन इन्द्र सिंह, बलवंत मायना, रणबीर मंदोला, कृष्ण कौशिक, सतीश राठी, नफे सिंह लाहली, जगदीश राठी, राजेश कटवाडा, भीम चिडी, सतबीर सहरावत प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आई, लुधियाना में सीवरेज की गैस से हुई थी मौतें

उपायुक्त ने पंजाब सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। लुधियाना गैस लीक कांड की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आ गई है। इस रिपोर्ट में यहां के उद्योगों को तो क्लीन चिट दे दी गई है। रविवार को हुई इस घटना के लिए सीवरेज की गैस को जिम्मेदार ठहराया गया है। लुधियाना की जिला उपायुक्त ने गुरुवार की रात पंजाब सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। घटना में 11 लोगों की मौत का मुख्य कारण कार्बन मोनोऑक्साइड व हाइड्रोजन सल्फाइड जैसी गैसों को बताया गया है। यह गैस सीवरेज में इतनी ज्यादा मात्रा में कैसे बनी, इसके कारण की जांच चंडीगढ़ की सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स ऑग्रेनाइजेशन के वैज्ञानिक जांच कर रहे हैं। जिला उपायुक्त सुरभि मलिक ने पंजाब के वित्त आयुक्त को सौंपी गई रिपोर्ट में पूरे घटनाक्रम का ब्यौरा दिया गया है। रिपोर्ट में कहा है कि यह हादसा फैक्ट्री की किसी केमिकलयुक्त गैस के कारण नहीं हुआ है। औद्योगिक वेस्ट की वजह से सीवरेज में गैस बनी हो, अभी ऐसा कोई तथ्य नहीं मिला है। मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन सल्फाइड की अचानक लीकेज के कारण यह हादसा हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जिस क्षेत्र में यह हादसा हुआ, वहां सीवरेज सिस्टम की व्यवस्था सही नहीं है।

ईओ-आरओ भर्ती परीक्षा 14 मई को तीन दिन पहले जारी होंगे प्रवेश पत्र

श्रीगंगानगर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से स्वायत्त शासन विभाग के राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय और अधिशाषी अधिकारी ग्रेड-चतुर्थ पदों के लिए परीक्षा 14 मई को होगी। यह परीक्षा दो पारियों में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक राज्य के 11 जिलों में होगी। परीक्षा अजमेर, अलवर, भरतपुर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जयपुर, जोधपुर, कोटा, श्रीगंगानगर, टोंक, उदयपुर के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित को जाएगी। आयोग के निर्देशों के अनुसार परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को राज्य एवं केंद्र सरकार की ओर से कोरोना के संबंध में जारी गाईडलाइन की पूर्ण पालना करना जरूरी होगा। विद्यार्थी सहायता केंद्र श्रीगंगानगर के जिला समन्वयक भूपेश शर्मा ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्र पर किसी भी परीक्षार्थी को पहली पारी में सुबह 9 बजे और दूसरी पारी में दोपहर 1 बजे के बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा जांच, पहचान व तलाशी आदि के लिए अभ्यर्थियों को एंट्री बंद होने के समय से पहले केन्द्रों पर उपस्थित होना चाहिए। स्वायत्त शासन विभाग की भर्ती परीक्षा के लिए आवंटित परीक्षा केंद्र वाले जिले की जानकारी आयोग द्वारा सात मई को पोर्टल पर जारी कर दी जाएगी। जिसे अभ्यर्थी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि परीक्षा के प्रवेश पत्र तीन दिन पूर्व ही आयोग की वेबसाइट और एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे।

संदीप अंबिया की बीवी ने सीएम की पत्नी को दिया धन्यवाद

कहा-उनकी वजह से हुई चट्ठा की गिरफ्तारी

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर में मारे गए इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी संदीप नंगल अंबिया की पत्नी रुपिंदर कौर ने सीएम भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर का आभार जताया है। शुक्रवार को जालंधर में रुपिंदर कौर ने कहा कि उनकी वजह से ही आज हत्यारोपी जेल की सलाखों के पीछे बंद है। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि हत्या में शामिल अभी और भी कई लोग खुलेआम घूम रहे हैं। अभी तक उन्हें इंसाफ नहीं मिला है, हालांकि उम्मीद है कि इंसाफ मिलेगा। रुपिंदर कौर ने कहा कि सुरजन चट्ठा हत्या का मास्टर माइंड है। पिछले साल भी उन्होंने लाइव होकर अपील की थी। पुलिस अधिकारियों से भी मिली थी, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी थी। जब वह संदीप की बरसी पर भारत आई थीं तो उन्होंने भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर के साथ मुलाकात कर गुहार लगाई थी कि हत्यारोपी सरेआम घूम रहे हैं। उन्होंने डॉ. गुरप्रीत कौर को हत्या में शामिल लोगों के नाम सभी तथ्यों के साथ दिए थे। जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया था कि वह सारे मामले की जांच करवा कर कार्रवाई करवाएंगी। उन्होंने कहा कि उसी मुलाकात का परिणाम है कि पुलिस ने जांच के बाद हत्या के मास्टर माइंड सुरजन चट्ठा को गिरफ्तार कर लिया है। रूपिंदर कौर ने सुरजन चट्ठा की गिरफ्तारी का क्रेडिट मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनकी धर्मपत्नी को दिया।

पहलवानों के समर्थन में फतेहाबाद कुश्ती संघ पदाधिकारियों का इस्तीफा

फतेहाबाद (हिंस)। यौन शोषण के आरोपी कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को फतेहाबाद कुश्ती संघ ने शुक्रवार को अपना समर्थन दिया है। इन पहलवानों पर पुलिस द्वारा किए गए दुव्यर्वहार से खफा कुश्ती संघ के सभी पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा जिला उपायुक्त को सौंप दिया है। जिला कुश्ती संघ के प्रधान रामनिवास व सचिव प्रदीप पोटलिया के नेतृत्व में जिला कुश्ती संघ का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को उपायुक्त मनदीप कौर से मिला और उन्हें सामूहिक इस्तीफा सौंपा। कुश्ती संघ के प्रधान रामनिवास, सचिव प्रदीप पोटलिया, कोषाध्यक्ष, लीलाकृष्ण, राजकुमार, अनिल कुमार, सुरेश ने कहा कि महिला पहलवानों के साथ हुए दुर्व्यवहार एवं यौन शोषण के बारे में सुनवाई न होने पर उन्हें सामूहिक इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सांसद बृजभूषण शरण सिंह को तुरंत गिरफ्तार कर, इस मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि आने वाले समय में कोई इस प्रकार खिलाड़ियों से खिलवाड़ न कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के बाद बच्चे खासकर बेटियां आगे नहीं बढ़ पाएंगी। उन्होंने कहा कि पहलवानों को झूठा बताया जा रहा है, लेकिन सोचने वाली बात है कि यौन शोषण के आरोप लगाने वाली बेटियां अपनी इज्जत से इस प्रकार खिलवाड़ क्यों करेंगी।

प्रधानमंत्री अब 10 मई को राजस्थान दौरे पर आएंगे

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान दौरा तय हो गया है। वे एक दिवसीय दौरे पर 10 मई को राजस्थान आ रहे हैं। पहले प्रधानमंत्री के 12 मई को आने का कार्यक्रम था। इसमें आंशिक रूप से बदलाव किया गया है। प्रधानमंत्री के दौरे के लिए अब सिरोही जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने भी प्रधानमंत्री के राजस्थान आने के कार्यक्रम की पुष्टि की है। ताजा कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 10 मई को सुबह 11 बजे नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद मंदिर में पूजा-अर्चना का कार्यक्रम है। सुबह 11.45 बजे नाथद्वारा में विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण शिलान्यास के बाद दोपहर 2 बजे आबूरोड़ के शांतिवन पहुंचेंगे। यहां वे ब्रह्माकुमारी में प्रकाशमणि पार्क का उद्घाटन कर एक अस्पताल की आधारशिला रखेंगे। दोपहर में करीब 3.15 बजे प्रधानमंत्री जनसभा में पहुंचेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष नारायण पुरोहित ने बताया कि प्रधानमंत्री मानपुर हवाई पट्टी पर जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके दौरे को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। पुरोहित ने नगर मंडल के कार्यकर्ताओं एवं उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार के साथ हवाई पट्टी का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद ज्ञानदीप भवन में भाजपा के जिलेभर के पदाधिकारियों की बैठक हुई।

जीवन-मरण सृष्टि का नियम : राव इंद्रजीत सिंह

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा है कि जीवन-मरण सृष्टि का नियम है। जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु निश्चित है, लेकिन कुछ जीव आत्माएं अपने नेक कार्यों के चलते मरने के बाद भी यादों के रूप में हमेशा दिलों में जिंदा रहती है। चंपा देवी भी ऐसी ही नेक आत्माओं में से है, जिन्होंने सदैव सामाजिक व धार्मिक कार्यो में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। वे शुक्रवार को युवा भाजपा नेता जयवीर भड़ाना की माताजी श्रीमती चंपा देवी के निधन पर शोक जताने के लिए उनके कांत एंक्लेव स्थित निवास पर भड़ाना परिवार को ढांढस बंधा रहे थे। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अपनी माता चंपा देवी के पद चिन्हों पर चलते हुए उनके बच्चे भी सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अग्रणी रहते हैं और लोगों की सेवा में समर्पित है। उन्होंने परम पिता परमात्मा से भड़ाना परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की भी प्रार्थना की।

विश्व में गौरवशाली व स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ देश : गुप्ता

हिसार (हिंस)। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि किसी भी राष्ट्र के चंहुमुखी विकास के साथ साथ उसका स्वाभिमान और गौरव सर्वोपरि होता है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश एक गौरवशाली और स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। डॉ. कमल गुप्ता शुक्रवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में बूथ स्तर की बैठकों में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। यहां पर बूथ नंबर 108-109 का संयोजन सुशील बुडाकिया, महेंद्र पानू व पवन जांगड़ा ने किया वहीं बूथ न.50, 51, 52 का संयोजन राजेंद्र बिश्नोई व मनोज कुमार ने किया। निकाय मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि एक हजार वर्षों की पराधीनता ने भारत के स्वाभिमान को पैरों तले रौंद दिया था। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी छोटे-बड़े 88 शहरों को चिन्हित किया गया है, जिसमें 10 से 15 किलोमीटर सड़क को मॉडल रूप दिया जाएगा। इनमें तिरंगा लाइटे लगाने, सड़क के बीचों-बीच उत्तम डिवाइडर, रंग बिरंगे फूलों वाले पौधे, सुव्यवस्थित नालियां, अतिक्रमण मुक्त सड़कें होंगी। इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू भी कर दिया गया है। निकाय मंत्री ने कहा कि 31 जुलाई तक अपना गृहकर जमा करवा दें, जिसमें 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इस अवसर पर मदन गोयल, सुरेश गोयल धूपवाला, रामचंद्र गुप्ता, सुशील बुड़ाकिया, महेंद्र पानू, पवन जांगड़ा, कैप्टन नरेंद्र शर्मा, सीबी कौशिक, देशबंधु, सुरेश शर्मा, शिव गुप्ता, जोगिंदर सिंह, अजय चौहान व विशाल कुमार आदि उपस्थित रहे।

समाज कल्याण को समर्पित रहा मुख्यमंत्री का जन्मदिवस

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का जन्मदिवस कई मायनों में खास रहा। जहां एक ओर उन्होंने अपने जन्म दिवस की शुरुआत संत महात्माओं के साथ हवन यज्ञ कर उनके आशीर्वाद लेने के साथ की, वहीं दूसरी ओर उन्होंने संत महात्माओं से समाज में फैली सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए प्रदेश सरकार का सहयोग करने की अपील की। संत महात्माओं ने हरियाणा सरकार द्वारा जल संरक्षण और नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान की सराहना की और मुख्यमंत्री को इन दोनों पुण्य कार्यों की सफलता के लिए अपनी ओर से सहयोग देने का भरोसा दिया। शुक्रवार को मुख्यमंत्री के निवास संत कबीर कुटीर पर संत महात्माओं के साथ जल संरक्षण और नशा मुक्ति अभियान विषय पर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनंतकाल से संत महापुरुषों ने सदैव सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जन जन को जागरूक करने का काम किया है। जन मानस संत महापुरुषों के विचारों और शिक्षाओं को मानते हुए सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में भरपूर सहयोग देते हैं। इसलिए संत महापुरुषों का जल संरक्षण और नशा मुक्ति अभियान में राज्य सरकार के साथ सहयोग करने से यह अभियान निश्चित तौर पर सफल होंगे। बैठक के दौरान सूचना, लोक संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश खुल्लर ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से नशे की समस्या की वास्तविकता से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार हरियाणा सरकार नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसके लिए सरकार ने स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया है। जिला, रेंज और राज्य स्तर पर एंटी नारकोटिक्स सैल्स बनाए हैं और हरियाणा में 5 हजार से अधिक गिरफ्तारियां की गई है। जनवरी, 2023 तक नशा अपराधों में शामिल व्यक्तियों की 37.29 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की गई है और 15 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि दवाओं की अवैध बिक्री को रोकने हेतु मोबाइल ऐप *साथी* बनाया है। अपराधिक गतिविधियों के डेटाबेस के लिए सॉफ्टवेयर हॉक विकसित किया है तथा पंचकूला में अन्तर्राज्यीय ड्रग सचिवालय की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि नशा मुक्ति के लिए हरियाणा सरकार ने विशेष कार्य योजना तैयार की है। नशा मुक्ति व पुनर्वास हेतु प्रदेश में 52 नशा मुक्ति केंद्र खोले गए हैं। सरकारी मेडिकल कालेजों में भी नशा मुक्ति वार्ड खोले गए हैं और 13 जिलों के सिविल अस्पतालों में नशा मुक्ति केंद्र बनाए गए हैं।

कर्नाटक के राज्यपाल ने धनोप शक्तिपीठ के दर्शन किए

भीलवाड़ा (हिंस)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत आज (शुक्रवार) राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा पंचायत समिति के धनोप स्थित धनोप शक्तिपीठ पहुंचे। उन्होंने दर्शन-पूजन कर देश में खुशहाली की कामना की। यहां पहुंचने पर धनोप प्रन्यास के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह राणावत ने राज्यपाल का स्वागत कर उन्हें धनोप मातेश्वरी का चित्र भेंट किया। इसके बाद राज्यपाल गहलोत अपने ओएसडी शंकरलाल गुर्जर के पारिवारिक कार्यक्रम में शिरकत करने गांव देवरिया पहुंचे। ओएसडी गुर्जर के परिवार से मुलाकातकर बधाई दी। राज्यपाल ने सरपंच किस्मत गुर्जर द्वारा पंचायत क्षेत्र में किए गए नवाचारों को प्रेरणास्त्रोत बताते हुए इसे राजस्थान की आदर्श पंचायत बताया।

पहलवानों का समर्थन करने वालों पर पुलिस की कार्रवाई निंदनीय : वजीर पूनिया

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने दिल्ली में पहलवानों व उनके समर्थन में जाने वालों के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की जा रही धक्का-मुक्की की निंदा की है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का राग अलापने वाली भाजपा दुष्कर्म के आरोपी अपने सांसद को बचाने के लिए बेटियों व उनका समर्थन करने वालों से अन्याय कर रही है। दिल्ली के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वजीर सिंह पूनिया ने कहा कि भाजपा सांसद ब्रजभूषण ने केवल खिलाड़ियों का नहीं, बल्कि देश की बेटियों व देश की शान का अपमान किया है, जिसे कोई नागरिक सहन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अपने सांसद के बचाव के लिए भाजपा ओच्छे हथकंडों पर उतर आई और दिल्ली पुलिस के सहारे वह पहलवानों व उनका समर्थन करने वालों की आवाज को दबाना चाहती है।

गुरुकुल खेड़ा जल्द बनेगा हरियाणा का पहला सोलर विलेज : चौटाला

जींद (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गुरुकुल खेड़ा को सोलर विलेज बनाया जाएगा। यहां हर घर, चौपाल, स्कूल व अन्य संस्थाओं को सोलर पैनल युक्त किया जा रहा है। यह प्रदेश का पहला सोलर विलेज होगा। सौर ऊर्जा सिस्टम लगने के बाद घरों में सोलर के जरिये ही बिजली की सप्लाई होगी और यह गांव बिजली के मामले में आत्म निर्भर बन जाएगा। डिप्टी सीएम शुक्रवार को उचाना हलके के एक दिवसीय दौरे के दौरान गुरुकुल खेड़ा में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि गुरुकुल खेडा गांव को सोलर विलेज बनाने की घोषणा डिप्टी सीएम ने की थी। घोषणा स्वरूप गांव के सोलर पैनल लगाने का कार्य जारी है। अब तक गांव में लगभग एक दर्जन से अधिक घरों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। इस गांव को सोलर विलेज बनाने पर करोडों रुपए की राशि खर्च की जाएगी। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गांव के दो स्कूलों जिनमें एक सरकारी और एक कन्या गुरुकुल शामिल हैं, उन पर पांच-पांच किलोवाटर के सोलर पैनल लगाए गए हैं। अब इनका कनेक्शन बिजली मीटर से किया जाना है। इसके अलावा गली, चौराहों व चौपाल में स्ट्रीट लाइट व हाई मास्क लाइट लगाई गई है। इसमें 50 स्ट्रीट लाइट व चार हाई मास्क लाइट शामिल हैं।

सोनीपत की बेटी परवीन यूके में बनी काउंसलर, देश में जश्न

सोनीपत (हिंस)। जिला के गांव आंवली की बेटी परवीन रानी ने बोरहैमवुड, केनिलवर्थ यूके इंग्लैंड से लेबर पार्टी की टिकट पर काउंसलर को चुनाव जीता है। शुक्रवार की सुबह 9 बजे यह सूचना भारत में मिली तो सोनीपत और रोहतक के लोगों ने खुशी की लहर दौड़ गई तथा खुशी के साथ मिठाई बांटी। गांव आंवली में जश्न का माहौल है कि हरियाणा की पहली महिला काउंसलर यूके में बनी हैं। परवीन रानी ने विदेश में नारी शक्ति के लिए, शिक्षा क्षेत्र के लिए बेहतर काम करने के लिए, लंदन में हिंदी भाषा का प्रचार करने के साथ-साथ 7 राष्ट्रों में हिंदी भाषा को प्रचारित प्रसारित करने के लिए अपना योगदान दिया है। इसके लिए परवीन रानी को हरियाणा के राज्यपाल व मुख्यमंत्री सम्मानित कर चुके हैं। परवीन ने यूके इंग्लैंड में शिक्षा संस्थान चला कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और अब राजनीति में आ गई हैं। लेबर पार्टी ने इन पर विश्वास व्यक्त किया, टिकट दिया, चुनाव लड़ी और विजय प्राप्त कर काउंसलर बन गई। परवीन रानी की प्रारंभिक शिक्षा सोनीपत में हुई। उसके बाद उन्होंने रोहतक में उच्चतर शिक्षा ग्रहण की और कुछ समय तक नौकरी की। परवीन रानी वर्ष 2011 में इंग्लैंड गई थीं और वहां उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में पहचान बनाई। सोनीपत में उसका पीहर और रोहतक में उसके ससुराल है दोनों जिलों में खुशी की लहर है। उनके पति सुनील दहिया हरियाणा रोडवेज में अकाउंटस अधिकारी रहे। अभी उनके साथ लंदन गए हैं। परवीन रानी के पिता ओम प्रकाश मलिक आर्मी से सेवानिवृत्त हैं और मां रामरति सन्त निरंकारी सेवादल सोनीपत की सह संचालिका हैं। वह खुश हैं कि उनकी बेटी ने उनका नाम विदेश में ऊंचा किया।

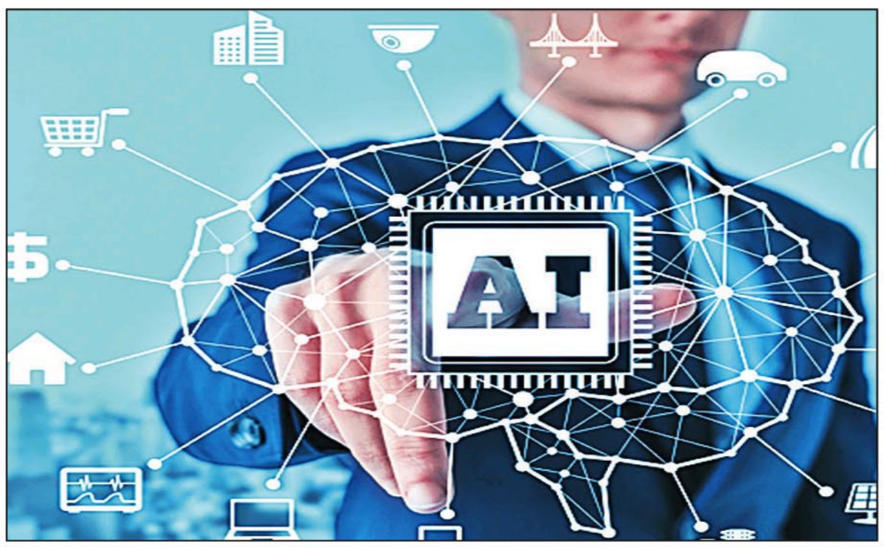

भारत में एआई इंजीनियर्स की 51प्रतिशत पोस्ट खाली : डिमांड बढ़ने के चलते डबल सैलरी ऑफर कर रहीं ग्लोबल कंपनियां

बेंगलुरू।
ओपनएआई के चैटजीपीटी की सफलता ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन में एक्सपर्ट प्रोफेशनल की डिमांड दुनियाभर में बढ़ा दी है। भारत पर भी इसका असर हुआ है। आईटी सेक्टर की प्रतिनिधि संस्था नैसकॉम के मुताबिक, देश में अभी 4.16 लाख एआई इंजीनियर्स हैं। लेकिन, ये जरूरत से 51प्रतिशत कम हैं। अब भी 2.13 लाख अतिरिक्त एआई इंजीनियर्स की डिमांड है।

टेक कंपनियां एआई इंजन बनाने में जुटीं – दरअसल गूगल से लेकर बैदू और माइक्रोसॉफ्ट तक लगभग हर टेक कंपनी एआई इंजन बनाने में जुटी है। इसके चलते सिलिकॉन वैली से लेकर यूरोप, एशिया और कई अन्य देशों में एआई इंजीनियर्स की भर्ती हो रहा है।

एआई एक्सपर्ट 30-50प्रतिशत इन्क्रीमेंट के साथ जॉब स्विच कर रहे – हेल्थकेयर, फाइनेंस और एंटरटेनमेंट कंपनियों में भी एआई की डिमांड बढ़ने लगी है। लेकिन, जरूरत भर एआई इंजीनियर नहीं मिल रहे हैं। स्थिति ये है कि एआई एक्सपर्ट लगातार 30-50प्रतिशत इन्क्रीमेंट के साथ जॉब स्विच कर रहे हैं। कई कंपनियां इन्हें दोगुनी सैलरी ऑफर कर रही हैं।

भारत में बिग डेटा टैलेंट का दूसरा सबसे बड़ा पूल – ग्लोबल टेक इंडस्ट्री का बैक ऑफिस के तौर पर मशहूर भारत भी डिमांड-सप्लाई का गैप पाट नहीं पा रहा है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के पास हाई स्किल वाले एआई, मशीन लर्निंग और बिग डेटा टैलेंट का दूसरा सबसे बड़ा पूल है। दुनिया के एआई टैलेंट पूल में 16प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत अमेरिका और चीन के साथ दुनिया के टॉप तीन टैलेंट मार्केट में शुमार है।

बेंगलुरू में तेज होगा एआई टैलेंट हंट – बोस्टन के कार सब्सक्रिप्शन स्टार्टअप फ्लेक्सकार बेंगलुरू में डेटा साइंस हब के लिए इंजीनियर्स और कंप्यूटर विजन स्पेशलिस्ट की टीम बना रहा है। फ्लेक्सकार के अधिकारी डुमलाओ ने कहा कि बेंगलुरू में डेटा इंजीनियरिंग टैलेंट काफी हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं है। इस शहर में एआई टैलेंट हंट तेज होने वाला है। भारत में बीते साल 66 नए टेक इनोवेशन सेंटर खुले। इन्हें ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर या कैप्टिव्स कहा जाता है। अब इनकी कुल संख्या करीब 1600 हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

महंगाई की मार से यूरोप बेहाल, यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने फिर बढ़ाई ब्याज दर

फ्रैंकफर्ट । यूरोप के देश बढ़ती महंगाई से परेशान हैं। महंगाई को काबू करने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रही हैं। अब एक बार फिर यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने अपनी ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी करने का एलान किया है। जिसके बाद मुख्य पुनर्वित्त संचालन पर ब्याज दर बढ़कर 3.75 प्रतिशत, सीमांत ऋण सुविधा पर ब्याज दर बढ़कर 4 प्रतिशत और जमा रकम पर ब्याज दर 3.25 प्रतिशत हो जाएगी। यह बढ़ी हुई दर 10 मई 2023 से लागू होगी। महंगाई काबू करने के लिए केंद्रीय बैंकों के पास जो सबसे अहम हथियार है, वो है ब्याज दरों में बढ़ोतरी। दरअसल ब्याज दर में बढ़ोतरी करने से यह माना जाता है कि जब नागरिकों के ऋण की किस्तें बढ़ जाएंगी तो उनके पास खर्च करने के लिए पैसा कम बचेगा। इससे लोग कम खरीददारी करेंगे और उत्पादों की बिक्री कम होगी। जब उत्पादों की बिक्री कम होगी तो उत्पादक अपने सामान की कीमत कम करेंगे। इस तरह ब्याज दर बढ़ाने का परोक्ष संबंध महंगाई काबू करना है। यूक्रेन युद्ध के बाद से ही ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया, जिसका सीधा असर यूरोप के देशों में महंगाई बढ़ने के तौर पर दिखाई दिया। हाल के महीनों में यूरोप में ऊर्जा कीमतों में कमी आई है लेकिन खाने-पीने की चीजों के दाम अभी भी बढ़ रहे हैं, जिससे महंगाई को काबू करना यूरोप की सरकारों के लिए मुश्किल हो रहा है।

एमएससीआई में फिर शामिल हो सकता है इंडसइंड बैंक

मुंबई । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के निवेश के लिए काफी गुंजाइश बनने से अगस्त में होने वाली पुनर्संतुलन कवायद में एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में इंडसइंड बैंक को फिर से शामिल किया जा सकता है। अगर इसे शामिल किया जाता है तो यह निजी क्षेत्र के बैंक के शेयर कीमतों में मजबूती लाएगा क्योंकि इसके परिणामस्वरूप करीब 2,500 करोड़ रुपए का निवेश इंडसइंड बैंक में आएगा। इंडसइंड बैंक में विदेशी निवेश की गुंजाइश दिसंबर 2020 में महज 1.2 फीसदी थी, जो मार्च 2023 में बढ़कर 14.5 फीसदी पर पहुंच गई है। पेरिस्कोप एनालिटिक्स के एक विश्लेषक ने कहा कि जून के आखिर तक विदेशी निवेश की गुंजाइस बढ़कर 15 फीसदी पहुंचने से इंडसइंड बैंक को अगस्त में होने वाली तिमाही समीक्षा बैठक में एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में शामिल किया जा सकता है। अगर इसे शामिल किया जाता है तो 0.5 फीसदी का लिमिटेड इन्वेस्टिबिलिटी फैक्टर इस शेयर पर लागू होगा और पैसिव खरीद रोजाना औसत वॉल्यूम का 6 गुना होगा और डिलिवरी वॉल्यूम का 15 गुना। उन्होंने कहा कि एफपीआई के निवेश की गुंजाइश इच्छित 15 फीसदी की सीमा पर पहुंचने के लिए 18.7 लाख शेयरों की शुद्ध विदेशी बिकवाली की दरकार होगी। अगर विदेशी निवेश की गुंजाइस 15 फीसदी से 25 फीसदी के बीच हो तो एमएससीआई 0.5 फीसदी का लिमिटेड इन्वेस्टिबिलिटी फैक्टर (एलआईएफ) लागू करता है।

यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर को जमानत नहीं; कोर्ट ने कहा- उन पर लगे आरोप गंभीर

मुंबई । बॉम्बे हाईकोर्ट ने डीएचएफएल धन शोधन मामले में यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर को

जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि राणा कपूर इस मामले के मुख्य आरोपियों में से एक हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप लगे हैं। न्यायमूर्ति पीडी नाइक की एकल पीठ ने अपने आदेश में कहा कि राणा कपूर ने अपने परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के लिए लाभ पहुंचाने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। उन रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इसके जरिए करीब 5,333 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। आरोप यह भी है कि विदेशों में भी करीब 378 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। इसकी जांच अभी जारी है। पीठ ने कहा कि वह अपराध में राणा कपूर की भूमिका और अपराध की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं कर सकती। आवेदक के खिलाफ आरोप यह है कि आवेदक सार्वजनिक धन की हेराफेरी में शामिल है। उसने कथित तौर पर डीएचएफएल के मालिकों के साथ बड़ी राशि की हेराफेरी करने की साजिश रची। हालांकि, आवेदक तीन साल से हिरासत में है। कोर्ट से कहा गया था कि वह सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

एआई को लेकर टेक कंपनियों के सीईओस से मिले बाइडेन

कंपनियों से प्रोडक्ट की सेफ्टी एंश्योर करने को कहा, चैटजीपीटी का इस्तेमाल भी किया

वॉशिंगटन।
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने माइक्रोसॉफ्ट और गूगल सहित टॉप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियों के सीईओ से मुलाकात की। बाइडेन ने कहा कि किसी भी एआई प्रोडक्ट को डिप्लॉय करने से पहले ये एन्श्योर करना होगा कि उनका प्रोडक्ट पूरी तरह से सेफ है। जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस साल काफी चर्चा में है। इसमें चैटजीपीटी जैसे ऐप सबसे आगे हैं। कई कंपनियां इस तरह के प्रोडक्ट बना रही हैं। जो बाइडेन ने भी चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया है। उन्हें चैटजीपीटी पर ब्रीफिंग भी की गई। वहीं ओपनएआई के सीईओ सैम एल्टमैन ने कहा कि सभी कंपनियां रेगुलेशन पर एक ही तरह की सोच सखती हैं। ये मीटिंग एआई के रिस्क पर फोकस थी। इसमें गोपनीयता का उल्लंघन, एम्प्लॉयमेंट डिस्क्रिमिनेशन, मिस इन्फॉर्मेशन जैसे रिस्क शामिल थे। मीटिंग में कंपनियों को अपने एआई सिस्टम के बारे में पॉलिसीमेकर्स के साथ ज्यादा पारदर्शी होने की आवश्यकता पर फ्रैंक और कंस्ट्रक्टिव डिस्कशन किया गया।

टॉप कंपनियों के सीईओ के साथ दो घंटे चली मीटिंग – दो घंटे की बैठक भारतीय समय के अनुसार रात करीब 9: 15 बजे शुरू हुई थी। मीटिंग में गूगल के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला, ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के डारियो अमोदी के साथ-साथ उपराष्ट्रपति कमला हैरिस शामिल हुईं। इनके अलावा बाइडेन के चीफ ऑफ स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिशियल्स भी शामिल थे। हैरिस ने कहा कि टेक्नोलॉजी में जीवन को बेहतर बनाने की क्षमता है, लेकिन यह सुरक्षा और गोपनीयता की चिंता पैदा कर सकती है। उन्होंने सीईओ से कहा कि एआई प्रोडक्ट की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी कानूनी जिम्मेदारी है।

एआई से तबाह हो जाएगी मानवता – गूगल और मेटा सहित कई कंपनियों ने चैटजीपीटी जैसी टेक्नोलॉजी बनाई है, लेकिन ओपन एआई ने ही टेक्नोलॉजी को दुनिया से शेयर किया है। कई टेक एक्सपर्ट इस फैसले की आलोचना करते हैं। उनका कहना है, इससे टेक्नोलॉजी को जारी करने की होड़ तेज हो जाएगी। फर्जी जानकारी फैलाने में इसका इस्तेमाल होगा। कुछ कहते हैं, इससे मानवता तबाह हो जाएगी।

नई टेक्नोलॉजी से दुनिया में संपन्नता आएगी – दूसरी ओर चैटजीपीटी पेश करने वाली कंपनी ओपनएआई के सीईओ सैम एल्टमैन मानते हैं कि नई टेक्नोलॉजी से दुनिया में संपन्नता आएगी। एल्टमैन का तर्क है कि बंद दरवाजे के पीछे टेक्नोलॉजी बनाने, टेस्टिंग करने की बजाय उसे रिलीज करना ज्यादा सुरक्षित है। लोग इसके खतरों को समझेंगे और उससे निपटने के उपाय करेंगे।

अभी चैटजीपीटी सबसे आगे – एआई की दुनिया में फिलहाल माइक्रोसॉफ्ट के बड़े निवेश वाली कंपनी ओपनएआई का चैटजीपीटी सबसे आगे है। चैटजीपीटी को पिछले साल 30 नवंबर को लॉन्च किया गया था और एक महीने के भीतर इसके यूजर्स की संख्या दस करोड़ को पार कर गई थी। चैटजीपीटी एक जनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है सूचनाओं को इकट्ठा कर नया डाटा बनाता है।

चैटजीपीटी से आप कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। यानी ईमेल लिखने से लेकर सीवी तक आप इससे बनवा सकते हैं। रील या अपनी वीडियो कैसे वायरल करना है, इसका भी जवाब चैटजीपीटी देता है। वाइफ को क्या गिफ्ट दें, इस पर भी चैटजीपीटी आपको सुझाव देता है।

गूगल के चैटबॉट का नाम बार्ड – गूगल का चैटबॉट बार्ड लामडा के लार्ज लैंग्वेज मॉडल पर बेस्ड है। गूगल ने मार्च में ओपन एआई के इंटरैक्टिव चैटबॉट चैटजीपीटी के कॉम्पिटिटर बार्ड लॉन्च किया था। हालांकि अभी इसे केवल यूएस और यूके में चुनिंदा यूजर्स ही एक्सेस कर सकते हैं। टेस्टिंग के बाद इसे धीरे-धीरे सभी यूजर्स के लिए रोल-आउट किया जाएगा।

गो फर्स्ट की मुश्किलें बढ़ीं; अगले पांच दिन में 20 विमान खो सकता है संकटग्रस्त एयरलाइन

नई दिल्ली ।
संकट में चल रही एयरलाइन गो फर्स्ट की बढ़ती जा रही हैं। अब लीजर्स ने भी अपने विमानों का पंजीकरण रद्द करने की अर्जी देनी शुरू कर दी है। अब तक कुल 20 विमान वापस लेने की याचिका डाली गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पट्टादाताओं (लीजर्स) का विवरण और उनके अनुरोध को अपनी वेबसाइट पर पब्लिश किया है। विशेषज्ञों के मानें तो जब भी ऐसी कोई मांग आती है तो डीजीसीए को पांच कार्य दिवसों में विमान का पंजीकरण रद्द करना शुरू करना होता है। उसका विवरण अपनी वेबसाइट पर भी देना होता है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि गो फर्स्ट इस पर कानूनी चुनौती देने की योजना बना रहा है या नहीं इससे पहले राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने संकट में फंसी एयरलाइन गो फर्स्ट की स्वैच्छिक दिवाला समाधान याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। एनसीएलटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रामलिंगम सुधाकर की अगुवाई वाली दो सदस्यीय पीठ ने दिनभर चली सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। वाडिया समूह के नियंत्रण वाली एयरलाइन ने अपनी याचिका में दिवाला समाधान कार्यवाही शुरू करने की अपील की है। इसके साथ ही एयरलाइन ने अपनी वित्तीय देनदारियों पर अंतरिम रोक लगाने की भी मांग रखी है। हालांकि, पट्टे पर विमान देने वाली कंपनियों ने एयरलाइन के इस आग्रह का विरोध करते हुए कहा कि उनका पक्ष सुने बगैर दिवाला समाधान कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती। गो फर्स्ट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) का मकसद यह है कि कंपनी परिचालन में बनी रहे। नकदी संकट से जूझ रही गो फर्स्ट ने अपनी उड़ानें नौ मई तक रद्द कर दी हैं। इसके साथ ही उसने 15 मई तक टिकट बुकिंग भी रोक दी है। एयरलाइन की ओर से तीन मई से तीन दिन के लिए अपनी उड़ानें निलंबित कर दी गई थीं। इसके बाद डीजीसीए ने गो फर्स्ट को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस बीच नियामक ने बयान में कहा कि गो फर्स्ट ने 15 मई तक अपनी उड़ानों के लिए टिकट बुकिंग रोकने की सूचना है।

गूगल का पहला फोल्डेबल फोन अनवील: इसमें ट्रिपल कैमरा सेटअप मिलेगा, कीमत 1.55 लाख रुपए हो सकती है

नई दिल्ली।
गूगल ने अपना पहला फोल्डेबल फोन पिक्सल फोल्ड आधिकारिक तौर पर अनवील कर दिया है। गूगल ने अभी नए पिक्सल फोल्ड के स्पेसिफिकेशन और कीमतों का खुलासा नहीं किया है।गूगल ने ट्विटर पर मे द फोल्ड बी विद यू फ्रेज के साथ वीडियो टीजर पोस्ट किया। इसके साथ ही गूगल ने ये भी बताया कि डिवाइस 10 मई को गूगल इवेंट में लॉन्च किया जाएगा।

कीमत 1.55 लाख हो सकती है

नए वीडियो से पता चलता है कि गूगल पिक्सल फोल्ड ट्रिपल कैमरा सेटअप के साथ आएगा। इसमें तीसरा लेंस एक पेरिस्कोप लेंस है, जो सैमसंग गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा में भी मिलता है। वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस फोन की कीमत गैलेक्सी फोल्ड4 के समान ही होगी। यानी गूगल के ये फोन 1.55 लाख रुपए में लॉन्च किया जा सकता है।

5.8 इंच का डिस्प्ले मिल सकता है

वीडियो से ये भी पता चलता है कि गूगल के पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन में एक वर्टिकल हिंज है जो टैबलेट जैसे डिस्प्ले की तरह ओपन होता है। इसी तरह सैमसंग गैलक्सी फोल्ड लाइनअप भी ओपन होती है। फोन के बंद होने पर यूजर्स को इस्तेमाल के लिए एक एक्सटरनल टचस्क्रीन मिलती है। रिपोर्ट्स के अनुसार गूगल पिक्सल फोल्ड में 5.8 इंच का डिस्प्ले मिल सकता है जो ओपन होने पर 7.6 इंच टैबलेट जैसा हो जाता है।

भारत में एक नया पिक्सल डिवाइस लॉन्च होगा

इस हफ्ते की शुरुआत में, गूगल ने यह भी घोषणा की थी कि वह भारत में एक नया पिक्सल डिवाइस लॉन्च करेगा। ये पिक्सल 7 हो सकता है। कंपनी ने इसका एक टीजर शेयर किया है। डिवाइस 11 मई को फ्लिपकार्ट पर लॉन्च होगा।

सीतारमण ने दक्षिण कोरियाई समकक्ष से की मुलाकात, भारत में निवेश के अवसरों पर व्यापक चर्चा

सिओल ।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री चू क्यूंग-हो के साथ मुलाकात की और भारत में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के और अधिक अवसरों के बारे में चर्चा की। चू क्यूंग देश के अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्री भी हैं। सीतारमण ने विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री संसाधनों सहित अन्य क्षेत्रों में निवेश के लिए भारत में अधिक अवसरों पर जोर दिया । राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मना रहे भारत-दक्षिण कोरिया उन्होंने दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एडीबी की 56वीं वार्षिक बैठक से इतर अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय के सिलसिलेवार ट्वीट के अनुसार, दोनों नेताओं ने

माना कि भारत और दक्षिण कोरिया एक विशेष रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जो इस तथ्य से भी जाहिर होता है कि दोनों देश भारत-दक्षिण कोरिया राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश के लिए दक्षिण कोरिया को किया आमंत्रित सीतारमण ने भारत में निवेश को और आकर्षित करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र के लिए भारत के सक्षम नीतिगत ढांचे पर भी जोर डाला। उन्होंने कोरिया इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (केआईसी) और अन्य निवेशकों को भारत में बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश को आगे बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया। दक्षिण कोरिया के वित्त मंत्री ने कहा कि दोनों देशों को सहयोग और संबंधों को व्यापक बनाना जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कोरिया को भारत में निवेश के अवसरों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। ईडीएफसी ऋण समझौते से खुलेगा अन्य परियोजनाओं के लिए प्रवेश द्वार वहीं, सीतारमण ने कहा कि नागपुर मुंबई सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए हाल ही में हस्ताक्षरित ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) ऋण समझौते से भारत में अन्य विकास परियोजनाओं के लिए एक प्रवेश द्वार खुल जाएगा। नागपुर प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए चू क्यूंग-हो ने सीतारमण को सूचित किया कि परियोजना में कोरियाई निवेश वर्तमान में 215 अरब वॉन (लगभग 1,495.68 करोड़ रुपये) है।

इस साल देश में लॉन्च होंगी 81 नई कारें

अगले 11 महीनों में आएंगी 47प्रतिशत लग्जरी कारें, इलेक्ट्रिक व्हीकल पर भी फोकस

नई दिल्ली।
अप्रैल से शुरू फाइनेंशियल ईयर के लिए कार कंपनियों ने आक्रामक तैयारी की है। अगले 11 महीनों में 81 नए मॉडल लॉन्च किए जाएंगे, जिसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल भी शामिल हैं। ये फाइनेंशियल ईयर-23 में लॉन्च हुए 54 नए मॉडल से 50प्रतिशत ज्यादा है। ऑटो इंटेलिजेंस फर्म जैटो डायनेमिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नए मॉडल की करीब 66प्रतिशत कारें एक दम नए प्लेटफॉर्म पर बनाई जाएंगी।

सेमीकंडक्टर की दिक्कत दूर होने से कंपनियों में उत्साह

दरअसल, वाहन डीलरों के संगठन फाडा के मुताबिक, 31 मार्च को फाइनेंशियल ईयर वर्ष के दौरान कुल 36.20 लाख कारें बिकी थीं। ये आंकड़ा 2021-22 के मुकाबले 23प्रतिशत ज्यादा है। इस साल सेमिकंडक्टर चिप की दिक्कतें भी करीब-करीब दूर हो गई हैं। इसीलिए कार कंपनियां उत्साहित नजर आ रही हैं।

ग्राहकों की बदल रही पसंद : एक कार डिजाइनर ने बताया कि कंपनियां ग्राहकों की बदलती पसंद के हिसाब से मॉडल तैयार कर रही हैं। खास तौर पर ये देखते हुए कि एसयूवी की बिक्री बढ़ रही है और कई सब-सेगमेंट उभर रहे हैं।

नई टेक्नोलॉजी शामिल करने पर जोर : इलेक्ट्रिक व्हीकल पर सरकार का जोर है। ग्राहक भी इन्हें पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही हाइब्रिड टेक्नोलॉजी वाली कारों की डिमांड भी है क्योंकि इनमें रेंज की चिंता नहीं होती। इसीलिए कीमतें ज्यादा होने के बावजूद ऐसी कारें बिक रही हैं।

बीएस-6 नॉर्म्स लागू होना : अप्रैल से देश में वाहन प्रदूषण के नए बीएस-6 नॉर्म्स लागू हो गए हैं। कंपनियां अब बीएस-6 के पहले फेज वाले नॉर्म्स के हिसाब से गाड़ियां नहीं बना सकतीं। ऐसे में इंजन में बदलाव के साथ पूरा मॉडल बदलने की रणनीति।

नए मॉडल लॉन्च करना मजबूरी

मारुति सुजुकी इंडिया के सीनियर शशांक श्रीवास्तव के मुताबिक, जैसी नई फ्यूल टेक्नोलॉजी कार कंपनियों को ज्यादा मॉडल पेश करने के लिए प्रेरित कर रहा है। जैटो डायनेमिक्स इंडिया के प्रेसिडेंट रवि भाटिया ने भी कहा, 'इस साल के नए मॉडल टेक्नोलॉजी, बदलते नियम-कायदे और इलेक्ट्रिफिकेशन के नतीजा होंगे।

कारों की रेंज, स्मार्टनेस बढ़ेगी

नए मॉडल की ज्यादा रेंज वाली होंगी। अभी इनकी रेंज 250 किलोमीटर से शुरू होती है। कंपनियां इसे कम से कम 350 किलोमीटर तक ले जाएंगी। पेट्रोल कारों की स्मार्टनेस भी बढ़ेगी। ज्यादातर नई कारें पूरी तरह या एक हद तक कनेक्टेड होंगी। माइलेज बढ़ने के लिए कुछ कंपनियां कारों का वजन कम करने पर भी काम कर रही हैं।

सोना 940 रुपये महंगा, पहली बार भाव 62,000 के पार पहुंचा

नई दिल्ली । दिल्ली सराफा बाजार में सोना पहली बार 62,000 के पार पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती से घरेलू बाजार में पीली धातु में तेजी आई। इससे सोना 940 रुपये महंगा होकर 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। उधर, चांदी 660 रुपये महंगी होकर 76,700 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 2,039.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) सौमिल गांधी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में रातभर की मजबूती के बाद घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई। गांधी ने कहा कि ब्याज दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के अगली बैठक में आक्रामक सख्ती पर रोक लगाने के संकेत के बाद डॉलर और बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई। इससे एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स पर सोना की कीमतों में तेजी आई।

फाइटर के बाद कृष-4 में भी अहम भूमिका निभाएंगे ऋतिक

अभिनेता ऋतिक रोशन ऋतिक आजकल सिद्धार्थ आनन्द द्वारा निर्मित और निर्देशित फाइटर में काम कर रहे हैं। इससे पहले वे सिद्धार्थ के साथ वॉर में काम कर चुके हैं। कृष-4 कब शुरू होगी इसे लेकर अभी सशंय की स्थिति है। पहले बताया गया था कि वॉर-2 के बाद कृष-4 को शुरू करेंगे, क्योंकि वॉर-2 आगामी वर्ष प्रदर्शित होने की घोषणा की जा चुकी है। ऋतिक रोशन फाइटर में दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर के साथ काम करते नजर आएंगे। फाइटर पहली ऐसी फिल्म है जिसमें दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की जोड़ी बनाई गई है। इस फिल्म के बाद ऋतिक रोशन वॉर-2 में दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी करेंगे जो पहले धर्मा प्रोडक्शन के करण जौहर के फिल्में निर्देशित किया करते थे। बता दें कि बालीवुड फिल्म निमार्ता और निर्देशक राकेश रोशन ने पूर्व में कहा था कि कृष-4 के निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धार्थ को नहीं दी गई है। अभी फिल्म की कहानी पर काम हो रहा है। वैसे भी इस फिल्म का निर्देशन मैं स्वयं ही करूंगा। लेकिन अब कहा जा रहा है कि कृष-4 की कथा-पटकथा पर काम पूरा हो चुका है और अब राकेश रोशन ने इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी निर्देशक करण मल्होत्रा को सौंप दी है। करण मल्होत्रा वर्ष 2012 में ऋतिक रोशन को लेकर अग्निपथ नामक फिल्म बना चुके हैं। यह फिल्म उस वर्ष की सर्वाधिक कमाई वाली फिल्मों में शामिल हुई थी। हालांकि करण मल्होत्रा की उसके बाद आई फिल्में बद्रर्स और गत वर्ष रणबीर कपूर को लेकर बनाई गई शेमशरा बॉक्स ऑफिस पर अपनी लागत निकालने में असफल रही हैं। पीपिंगमून के मुताबिक, राकेश रोशन ने फिल्म कृष 4 की कहानी अपनी टीम के साथ मिलकर पूरी कर ली है। राकेश रोशन ने फिल्म के लिए निर्देशन के लिए करण मल्होत्रा को साइन किया है। राकेश रोशन को लगता है कि कृष 4 के लिए करण मल्होत्रा बिल्कुल सही निर्देशक होंगे और वह फिल्म में नयापन लेकर आएंगे। वहीं, दूसरी ओर सिद्धार्थ आनन्द कृष-4 के साथ बतौर निमार्ता के जुड़ेंगे।

टाइगर-3 में अतिथि भूमिका में नजर आयेंगे शाहरुख खान

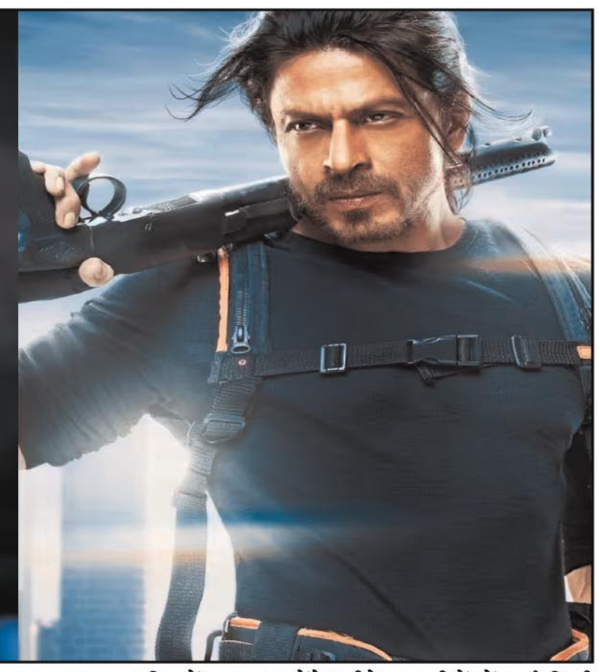

सलमान खान की टाइगर-3 इस वर्ष दीपावली के अवसर प्रदर्शित होने जा रही है। यह सामान्य ज्ञान है कि सलमान इस फिल्म में अतिथि भूमिका में दिखाई देंगे। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धूम धड़ाके की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार सलमान खान और शाहरुख खान को लेकर फिल्माया जाने वाला दृश्य मई के दूसरे सप्ताह से शुरू होने जा रहा है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार शाहरुख खान 8 मई से टाइगर-3 के अपने कैमियो का शूट शुरू करने वाले हैं। शाहरुख और सलमान 8 मई से उक्त सीक्वेंस के लिए शूटिंग करेंगे। फिल्मांकन वाईआरएफ (यश राज फिल्म्स) स्टूडियो में होगा और लगभग 5 से 7 दिनों तक चलने की उम्मीद है।मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित टाइगर 3 में सलमान खान के साथ कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी सह-कलाकार हैं। बताया जा रहा है कि मनीष और निमार्ता आदित्य चोपड़ा ने इस दृश्य के लिए व्यापक तैयारी की है। वे जानते हैं कि पठान में शाहरुख खान और सलमान खान के बीच के सीक्वेंस को दर्शकों ने खूब सराहा है। टाइगर 3 के साथ, निमार्ताओं को दोस्ती और पागलपन को एक कदम आगे ले जाने की उम्मीद है। इस सीन को शूट करने के लिए क्रू मेंबर्स में पहले से ही उत्साह साफ देखा जा सकता है। जिस प्रकार पठान को दुनिया भर में इतना प्यार मिला है, यह टीम टाइगर 3 के लिए एक बूस्टर शॉट साबित हुआ है। पठान और टाइगर 3 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स से संबंधित हैं। इस फ्रेंचाइजी की शुरूआत कबीर खान निर्देशित एक था टाइगर (2012) से हुई, जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ ने अभिनय किया था। इसके बाद अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित टाइगर जिंदा है (2017) आई। पठान और टाइगर 3 के बाद, फ्रेंचाइजी की आगामी फिल्मों में वॉर 2 शामिल है, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर, और टाइगर बनाम पठान, जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं। टाइगर-3 और टाइगर बनाम पठान के मध्य में सलमान खान सम्भवतः करण जौहर के बैनर की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि मई में टाइगर-3 की शूटिंग पूरी होने के बाद वे करण जौहर की फिल्म के प्री प्रोडक्शन को शुरू करेंगे। बीते 4 महीनों में कई हिन्दी फिल्मों का प्रदर्शन हुआ लेकिन सफलता सिर्फ पठान, तू झूठी मैं मक्कार और किसी का भाई किसी की जान को मिली। अभिनेता शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम अभिनीत, सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी पठान अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिन्दी फिल्म बन गई है।

फिल्म ड्रीम गर्ल में पूजा की भूमिका निभाएंगे आयुष्मान

आयुष्मान खुराना अभिनीत कॉमेडी फिल्म ड्रीम गर्ल अब अगस्त में रिजीज होगी। यह फिल्म पहले जुलाई में रिलीज होने वाली थी। इसमें आयुष्मान करम सिंह पूजा की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए एक नोट साझा किया। ड्रीम गर्ल 2 अब 25 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ पूजा का एक ऑडियो संदेश था, जिसने नोट पढ़ा। मेरे प्रिय आशिकों, चार साल बाद आपके दिल का टेलीफोन फिर से रिंग रिंग होगा। अब इसके लिए तैयारी भी तो शानदार, धमाकेदार और स्मूचीभरी होनी चाहिए ना? तो करो थोड़ा और इंतजार; और ढेर सारा प्यार भेजते रहो! अब जुलाई 7 को साथ में नहीं, अगस्त पच्चीस पर पूजा का किस! ड्रीम गर्ल 2, 25 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। आपकी प्यारी पूजा। साथ ही आयुष्मान ने लिखा, ड्रीम गर्ल-2, 25 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सिनेमाघरों में फिल्म देखने के लिए प्रशंसकों को थोड़ा और इंतजार करना होगा और जहां एक प्रशंसक ने लिखा, ओह इतना ज्यादा इंतजार कैसे करे यार, एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, इसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। इस बीच, कुछ दिनों पहले, आयुष्मान खुराना ने ड्रीम गर्ल 2 का एक नया टीजर जारी किया। टीजर में आयुष्मान के किरदार पूजा को सलमान खान का फोन आता है। वह पूजा से उसे जान कहने के लिए कहता है और कहता है, भाई मैं दूसरे के लिए, तुम्हारे लिए जान हूं। जब सलमान ने उसे अपना चेहरा प्रकट करने के लिए कहा, तो पूजा ने उसे एक वीडियो कॉल पर कनेक्ट करने के लिए कहा।

सलमान ने किया शर्टलेस तस्वीर शेयर

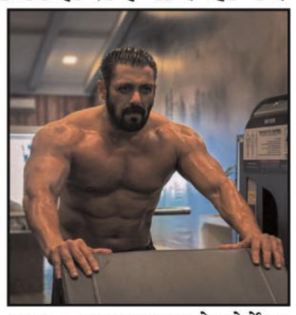

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपने फैंस के लिए पूल से अपनी एक शर्टलेस तस्वीर शेयर की है। खान की यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सलमान ने अपने ट्विटर अकाउंट से अपनी तस्वीर साझा की जिसमें वह स्विमिंग पूल में नजर आ रहे हैं। फोटो में सलमान खान की पीठ नजर आ रही है। खान ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, बैक टू लाइफ, बैक टू रियलिटी। सलमान आए दिन अपने वर्कआउट रूटीन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। हाल ही में, उन्होंने जिम में अपने लेग डे से एक तस्वीर साझा कर कैप्शन दिया था हालत खराब। काम के मोर्चे पर सलमान की लेटेस्ट रिलीज किसी का भाई किसी की जान है। इस फिल्म में पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, पलक तिवारी, भूमिका चावला और वेंकटेश सहित कई अन्य कलाकार हैं।

महिमा उठा रही लाजवाब खानों का लुफ्त

एक्ट्रेस महिमा मकवाना अपनी छुट्टियों में लज्जतदार खाने का लुत्फ उठा रही है। बालिका वधु और अतिंमः द फाइनल ट्रुथ की एक्ट्रेस आजकल मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी छुट्टियों के दौरान तमाम लाजवाब खानों का लुफ्त उठाया। एक्ट्रेस ने बताया, मालदीव हमेशा से खूबसूरती की वजह से मेरी लिस्ट में रहा है। मैं अलग-अलग जगहों को एक्सप्लोर करती रहती हूं। समुद्र में तैरना और कयाकिंग मेरे द्वारा अनुभव की गई सबसे अच्छी चीजों में से एक है। मैंने कुछ जापानी डिश भी आजमायी। उन्होंने आगे कहा, हालांकि मैं वहां सीमित समय के लिए थी। लेकिन मैं अगली बार यहां स्नार्केलिंगकरने की कोशिश करना पसंद करूंगी। अलग-अलग देशों की यात्रा करना, अलग-अलग व्यंजनों को एक्सप्लोर करना और आजमाना हमेशा बहुत सुखद होता है। मालदीव हमेशा से एक प्रसिद्ध स्थान रहा है और मुझे खुशी है कि अब मैंने इसे अपनी लिस्ट में शामिल कर लिया है।

अभिनेत्री नवीना तेरे इश्क में घायल में नजर आयेगी

तेरे इश्क में घायल का कॉन्सेप्ट अलग और पर्दे पर लाना चुनौतीपूर्ण है। यह कहना है अभिनेत्री नवीना बोले का। एक्ट्रेस ने कहा कि यह एक व्यक्ति के रूप में उससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, यह प्यार कुछ ऐसा है जो शायद आपको चोट पहुंचाएगा। ऐसा कुछ करने का प्रयास करना निमाताओं के लिए सराहनीय है। शूट करना और अमल करना एक मुश्किल काम है। जिस तरह से वे शॉट लेते हैं वह भारतीय टीवी के काम करने के तरीके से अलग है। शो में नवीना एक बेपरवाह महिला का किरदार निभा रही हैं जो एक जगह नहीं रहती है। वह जिप्सी की तरह है जो नई जगहों पर जाती रहती है। अब वह बहुत लंबे समय के बाद अपने बच्चों के पास घर लौटी है और उन्हें नहीं पता कि वे उस पर कैसी प्रतिक्रिया दें। उनका बेटा उसे नौकरी दिलाने की कोशिश कर रहा है और वह मूल रूप से एक स्वतंत्र है। मेरा किरदार वैम्पायर डायरीज में केली डोनवन की कहानी से प्रेरित था। इसलिए मैंने शो के लिए तैयारी करते समय यूट्यूब पर उनके कुछ सीन देखे। उन्होंने कहा, वह अपने किरदार से ज्यादा रिलेट नहीं करती हैं और इससे रोल निभाने प्ले में बहुत मजा आता है। वास्तविक जीवन में, मैं बहुत जिम्मेदार और परिवार से बंधा हुई हूं और मुझे अपने परिवार और उन लोगों की परवाह है जिन्हें मैं प्यार करती हूं। मैं उतना बेफिक्र और बिंदास नहीं हूं, इसलिए मैं जो हूं उससे बहुत अलग किरदार निभा रही हूं, जो मजेदार है। यह पूछे जाने पर कि कौन सी भूमिका उनके दिल के सबसे करीब है, उन्होंने जवाब दियाः ऐसी और भी भूमिकाएं हैं जिन्हें पसंद किया गया, लेकिन मुझे लगता है कि जीनी और जू में प्रिया खास थी।

मैं अपने किरदार से संबंधित थी। वह अपने जीवन के प्यार को लेकर रक्षात्मक थी। बता दें कि नवीना को मिले जब हम तुम में दीया, जीनी और जूजू में प्रिया और इश्कबाज में टिया का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है।

विवेक अग्निहोत्री ने बॉलीवुड फिल्मों के फ्लॉप होने के कारणों का किया खुलासा

फिल्म निमार्ता विवेक अग्निहोत्री ने बॉलीवुड फिल्मों के फ्लॉप होने के कारणों का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के दर्शकों को फिल्में थिएटर तक लाने में असफल हो रही हैं। हालांकि, सुधीर मिश्रा ने तर्क दिया कि दर्शक आलसी हो गए हैं, इसीलिए वे सिनेमाघरों में फिल्में नहीं देख रहे हैं। मुझे मध्यम वर्ग में अपनी संतुष्टि मिलती है, लेकिन गृहणियां फिल्मों में एक्सपोजर और अश्लील प्रदर्शन का जिक्र करती हैं। लोग नाराज हैं, क्योंकि फिल्में लोगों की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं करती हैं। विवेक अग्निहोत्री ने करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर का उदाहरण देते हुए पूछा कि फिल्म में जिस तरह के युवाओं को चित्रित किया गया है, क्या वे वास्तव में देश के युवा हैं। मैं यह बिना किसी द्वेष के कहता हूं, लेकिन स्टूडेंट ऑफ द ईयर और उसके बाद की फिल्मों में, जरा उन फिल्मों में युवाओं को देखें और देश की सड़कों पर युवाओं को देखें, आपको फिल्मों में दिखाए गए युवा नहीं मिलेंगे। जब मैंने दीवार देखी, तो मैं तुरंत उससे जुड़ गया, मैंने अमिताभ बच्चन की ओर देखा और मैंने सोचा, अरे, मुझे भी यह समस्या है, लेकिन आज की फिल्मों का असल जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। अग्निहोत्री ने यह सवाल फिल्म निमार्ताओं से पूछा कि आप दर्शकों की संवेदनाओं का अनादर क्यों कर रहे हैं? सुधीर मिश्रा द्वारा दर्शकों को आलसी कहे जाने पर विवेक अग्निहोत्री ने तर्क दिया, बॉलीवुड का बहिष्कार झूठ नहीं है। दर्शक आलसी नहीं थे। मैं उन फिल्मों को समझना चाहता हूं, जो आजकल बन रही हैं। इन फिल्मों के दर्शक कौन हैं? वे किसकी चिंता की बात कर रहे हैं? हम कहां जा रहे हैं यहां तक कि मनमोहन देसाई की फिल्मों ने भी मिडिल क्लास आदमी के सवाल खड़े कर दिए, लेकिन आज की फिल्मों में आम आदमी कहां है? विवेक अग्निहोत्री ने कहा, मेरे और कंगना रनौत को छोड़कर कोई भी हिंदी सिनेमा के तौर-तरीकों पर सवाल नहीं उठा रहा है। अगर बॉलीवुड ने कुछ गलत किया है, तो हमें उस पर सवाल उठाने का अधिकार है, कम से कम बुद्धिजीवियों और उदारवादियों को ऐसा करना चाहिए। क्या सरकार से सवाल करने वालों को पहले उस उद्योग से सवाल नहीं करना चाहिए जिससे वे अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं? कंगना और मेरे अलावा बॉलीवुड से किसने सवाल किया? उन्होंने ऐसा सवाल भी उठाया कि अगर मैं उद्योग के तौर-तरीकों पर सवाल उठाती हूं, तो मुझे अलग क्यों किया जाना चाहिए?ह्व इस बीच, विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि हाल की फिल्मों ने आम लोगों के मुद्दों को संबोधित करना बंद कर दिया है और दर्शक फिल्मों से दूर हो रहे हैं, क्योंकि वे वास्तविकता नहीं दिखाती हैं।

शहनाज गिल ने खरीदा एक नया घर

फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली शहनाज गिल काफी चर्चा में हैं। शहनाज गिल ने एक नया घर खरीदा है और इसका अपडेट मिस गिल ने खुद अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर दिया है। फैंस एक्ट्रेस को बधाइयां दे रहे हैं। फिलहाल, इस घर की कीमत कितनी है, इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। शहनाज के फैंस उन्हें इंस्टाग्राम पर उन्हें नए घर की बधाईयां दे रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपने फैंस को शुक्रिया कहते हुए सोशल मीडिया पर मैसज शेयर किया है। शहनाज ने कुछ स्क्रीनशॉट साझा किए, जिसमें उनके फैंस के दिल को छू लेने वाले मैसेज हैं, जिसमें वे न केवल उन्हें उनकी नई उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए दिखाई दे रहे हैं, बल्कि यह भी उल्लेख करते हैं कि वे इसे अपना मील का पत्थर मानते हैं। बता दें, बीते दिनों शहनाज गिल ने अपने चैट शो में नए घर के बारे में बताया था। शहनाज ने देसी वाइब्स चैट शो में स्पेशल गेस्ट यूट्यूबर भुवन बाम के सामने बताया था कि उन्होंने नया घर खरीदा है।

स्ट्रीमिंग शो सिटाडेल के लिए शानदार फीडबैक मिल रहा प्रियंका को

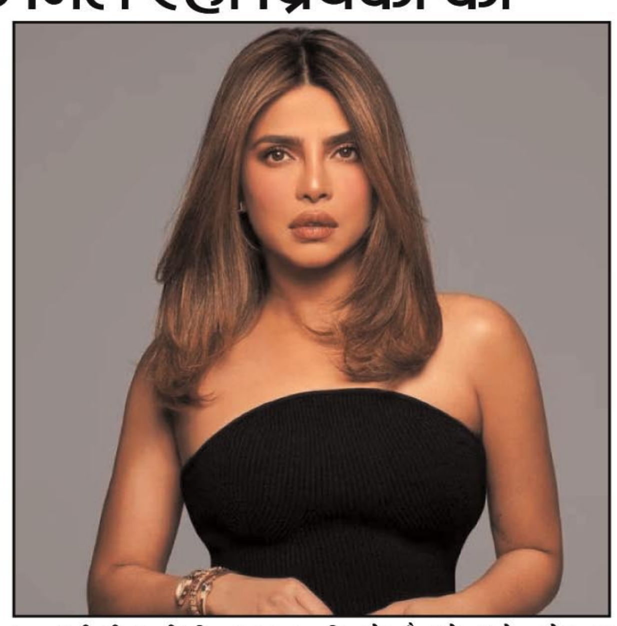

स्ट्रीमिंग शो सिटाडेल के लिए शानदार फीडबैक मिल रहा है। इस शो की एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनस के साथ मेट गाला पहुंची। मेट गाला को न्यूयॉर्क शहर में मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में आयोजित किया गया था। मेट गाला के रेड कार्पेट पर एक्ट्रेस अपने पति निक जोनस के साथ नजर आईं। दोनों की ट्यूनिंग ने हर किसी का दिल जीत लिया। उन्होंने मशहूर डिजाइनर वैलेंटिनो का थाई-हाई स्लिट ब्लैक गाउन पहना था। इस बोल्ड गाउन में प्रियंका की एंट्री को मेट गाला में सबसे जोरदार तालियां मिलीं।

दिलचस्प बात यह है कि प्रियंका और निक की लव स्टोरी 2017 में मेट गाला कार्पेट पर शुरू हुई थी, जब दोनों को राल्फ लॉरेन कॉउचर में देखा गया था। इस कपल ने दिवंगत फैशन आइकन कार्ल लेगरफेल्ड को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्लैक एंड व्हाइट की थीम चुनी, जिस पर इस साल की मेट गाला थीम आधारित है। निक ने ब्लैक लेदर ब्लेजर के साथ वाइट शर्ट पहन रखी थी।

सूडोकु नवताल- 6422

★★★✯☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6421 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7169

म	अ	मु	न	सी	ग	आ	बै	शा	खी	र
र	क्ष	ली	म	व	जी	णे	द	ज	क	म
चु	य	ल	बा	क	छ	स	श	ब	ख	जा
इं	तृ	ब	न	बा	र	स	ध	च	श	न
डि	ती	ति	क	ल	चा	सं	क्रो	धी	तु	च
य	या	द	र	री	झ	ली	क्रां	ण	घ	र्थी
र	क्षा	बं	ध	न	ई	बै	स	ती	दी	स
क	एं	द	ई	द	ब	द	फ	चो	पा	क
ओ	म	ब	श	रा	म	स	या	औ	व	आ
ण	गॉ	ल	प	ह	जी	त	ऐ	म	ली	द
म	ड	ल	प	य	रा	र्त	व्य	ब	त	म

शब्द जाल में उन 10 पर्वों के नाम ढूंढिए जो भारत में मनाए जाते हैं. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अक्षय तृतीया, बैशाखी, मकर संक्रांती, रमजान, दशहरा, दीपावली,गणेश चतुर्थी, बकरीईद, रक्षा बंधन, ओणम

शब्दजाल - 7168 का हल

रा	क	जं	पु	ग	द	रि	या	दि	ल	ध
म	वि	ल	ग	ख	जी	ग	द	अ	ता	र्म
रा	स	त	यु	व	रा	ज	रा	धि	क	रा
ज	ज	क	दो	पु	ज	ज	ह	रा	त	ज
क	ना	दो	आं	आं	लं	का	म	ज	व	क
जी	द	ग	प	य	द	रा	ज	ण	र	यो
ती	ग	इ	रा	या	प	बा	श	र	ल	गी
क	र्ज	ल्जा	ई	ज	ब	म	र	लो	श	रा
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त	हा	ह	प	ज
द	पा	दे	व	रा	ज	र्त	ऐ	रा	हा	त
क	दु	व	न	रा	ज	रा	ब	द	ज	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6122

7	6		1			2
	33	2	28	5	30	
4		3				7
	36		33	6	23	1
	6		4		2	
	36	6	33	3	31	
3	2			7		5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6121 का हल

5	6	7	4	1	2	3
1	33	2	30	5	27	6
4	5	3	6	2	1	7
2	36	4	31	6	26	1
7	6	5	1	4	3	2
6	36	6	31	3	34	4
3	2	1	4	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

पहली बार चैंपियन के रूप में उतरेंगे नीरज चोपड़ा, विश्व विजेता पीटर्स और जैकब से मिलेगी चुनौती

दोहा ।

डायमंड लीग चैंपियन के रूप में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा होने वाली प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के पहले चरण के मुकाबले के लिए जब मैदान में उतरेंगे तो उनके सामने एक बार फिर अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती होगी। इस लंबे सत्र का आगाज डायमंड लीग के दोहा चरण से हो रहा है और नीरज इसमें दमदार प्रदर्शन कर सत्र का शानदार आगाज करना चाहेंगे।

विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले इस 25 साल के खिलाड़ी के सामने कतर स्पोर्ट्स क्लब में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और चेक गणराज्य के टोक्यो ओलंपिक के रजत विजेता जैकब वडलेजच जैसे खिलाड़ियों की चुनौती होगी। इस स्पर्धा में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन पेड्रो पिचार्डो, क्यूबा के डायमंड लीग विजेता एंडी डियाज हर्नांडेज और दो बार के ओलंपिक गोल्ड विजेता (2012 और 2016) और पांच बार के विश्व चैंपियन अमेरिका के क्रिश्चियन टेलर भी भाग ले रहे हैं।

पिछले साल रचा था इतिहास

नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। वह 2018 में दोहा डायमंड लीग में अपनी इकलौती भागीदारी में 2018 में 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। नीरज पिछले साल पूर्ण फिटनेस और पर्याप्त ताकत की कमी के कारण यहां हिस्सा नहीं ले सके थे। वह पिछले सितंबर में ज्यूरिख में 2022 ग्रैंड फिनाले जीतने के बाद डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने। इससे एक महीने पहले वह लुसाने में डायमंड लीग मीट जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज ने पिछले महीने कहा था कि वह उस समय शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर महसूस कर रहे हैं लेकिन पिछले साल यहां की बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सत्र के शुरुआती डायमंड लीग में शीर्ष पुरस्कार जीतना उनके लिए आसान नहीं होगा।

भारत के लिए एथलेटिक्स में पहला ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले नीरज का लक्ष्य 90 मीटर की दूरी को छूना है। वह सत्र की पहली प्रतियोगिता में ऐसा करने में सफल होते है या नहीं यह देखना होगा। दोहा मीट में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में त्रिकूद चैंपियन एल्डहोज पॉल भी चुनौती पेश करेंगे। पॉल का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16.99 मीटर है, ऐसे में उनके लिए शीर्ष तीन में जगह बनाना काफी मुश्किल भरा होगा। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों (बर्मिंघम) में हालांकि हवा की मदद से 17.03 मीटर की दूरी के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

न्यूज ब्रीफ

अपने सर्वश्रेष्ठ का प्रयास नहीं करेंगी मीराबाई, कोच बोले- जोखिम लेना ठीक नहीं

नई दिल्ली । टोक्यो ओलंपिक के बाद स्नैच की नई तकनीकि के बावजूद मीराबाई चानू की पहुंच से 90 किलो वजन दूर रहा है। यही कारण है कि पूर्व विश्व चैंपियन यह लिफ्टर जिंजू (कोरिया) में शुरू हो रही एशियाई चैंपियनशिप में 90 किलो का जादुई वजन हर हाल में छूना चाहती हैं, लेकिन चीफ कोच विजय शर्मा पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए किसी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं हैं। वह ओलंपिक से डेढ़ साल पहले मीरा को अपना सर्वश्रेष्ठ कराने के पक्ष में नहीं हैं। उनकी कोशिश रहेगी कि मीरा इस ओलंपिक क्वालिफाइंग इवेंट में सिर्फ भाग लेने के लक्ष्य पर ध्यान दें। इस कोशिश में अगर पदक आ जाता है तो अच्छा है, वरना यहां मीरा के निशाने पर पदक भी नहीं होगा। 2021 की ताशकंद में हुई एशियाई चैंपियनशिप मीरा के लिए ऐतिहासिक थी। उन्होंने वहां क्लीन एंड जर्क में 119 किलो वजन उठाकर विश्व कीर्तिमान बनाया था जो आज भी कायम है। यहां भी उनके सामने टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण विजेता चीनी लिफ्टर झीहुई होउ और हुईहा जियांग होंगी। बावजूद इसके वह अपने सर्वश्रेष्ठ के लिए जोर नहीं लगाएंगी। विजय शर्मा का कहना है कि आगे विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल समेत तीन ओलंपिक क्वालिफाइंग इवेंट बाकी हैं। इन सभी में खेलना जरूरी है। ऐसे में इतनी जल्दी मीरा को सर्वश्रेष्ठ कराने का जोखिम नहीं वह नहीं ले सकते हैं। मीरा का कहना है कि वह दिल से चाहती हैं कि स्नैच में यहां 90 किलो वजन उठाएं, लेकिन अंत में कोच उन्हें जैसा निर्देश देंगे वह वैसा करेंगी। विजय के मुताबिक उनकी योजना स्नैच में 83 से 85 किलो और क्लीन एंड जर्क में 108 से 109 किलो से शुरुआत कराने की है। हालांकि कंपटीशन से पहले वार्मअप में अगर उन्हें लगा कि मीरा का शरीर पूरी तरह खुल चुका है तो वह स्नैच में एक बार 90 किलो के प्रयास का सोचेंगे। स्नैच में वह तीनों लिफ्टें उठवाएंगे, जबकि क्लीन एंड जर्क में एक या दो लिफ्ट पर ही वह छोड़ देंगे। इस प्रदर्शन में अगर पदक आ जाता है तो यह सोने पे सुहागा होगा। जेरमी, बिंदिया के एशियाई खेल के बाद बदलेंगे भार चैंपियनशिप में बिंदिया रानी (55), शुभम तोडकर (61), एन अजीत (73), जेरमी लालरिनुनगा (67), अचिंता श्यूली (73) ही खेल रहे हैं। विजय ने बिंदिया को 59 और जेरमी को 73 किलो में ओलंपिक में खिलाने की योजना बनाई है, लेकिन एशियाई खेलों में पदक की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए वह बिंदिया और जेरमी को वापस 55 और 67 किलो में ले आए हैं। विजय कहते हैं कि एशियाई खेलों के बाद दोनों को वापस 59 और 73 किलो में आ जाएंगे।

दूसरी बार मां बनने वाली है सेरेना

लॉस एंजिल्स । अमेरिकी महिला टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स दूसरी बार मां बनने वाली हैं। 41 साल की

सेरेना ने इंस्टाग्राम पर ये जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, जब अन्ना विंटोर ने हम तीनों को मेट गाला में बुलाया तो बहुत उत्साहित थी। विलियम्स की इस घोषणा के बाद से से ही उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई मिलनी शुरु हो गयी। उन्हें पूर्व टेनिस स्टार कैरोलीन वोज्नियाकी, गायिका सियारा, अभिनेत्री तबिता ब्राउन और स्टॉर्म रीड और पूर्व ओलंपियन लिंडसे वॉन ने बधाई संदेश भेजेहैं। विलियम्स और उनके पति एलेक्सिस ओहानियन का पहले ही पांच साल का एक बच्चा है। यह जोड़ी 2015 से साथ है।

हालैंड का 35वां गोल, एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ा; मैनचेस्टर सिटी ने वेस्ट हैम को हराया

नई दिल्ली । मैनचेस्टर सिटी के युवा फॉरवर्ड एर्लिंग हालैंड का शानदार प्रदर्शन जारी है। हालैंड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मुकाबले में वेस्ट हैम के खिलाफ मिली 3-0 की जीत में गोल कर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने ईपीएल के एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने इस मामले में ऐलन शियर और एंड्रयू कोल का रिकॉर्ड तोड़ा। हालैंड के 31 मैचों में 35 गोल हो गए हैं, जबकि शियर और कोल ने 34-34 गोल दागे थे। इस जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में शीर्ष पर आ गया है। उसने आर्सेनल को पीछे छोड़ दिया। सिटी के 79 और आर्सेनल के 78 अंक हैं। सिटी ने दूसरे हाफ में अपने तीन गोल किए। नेथन एके ने 49वें मिनट में गोल कर टीम का मैच में खाता खोला। इसके बाद नॉर्वे के हालैंड ने 70वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके टीम को मैच में 2-0 से आगे कर दिया। हालांकि, जब मैच के खत्म होने में पांच मिनट शेष थे तब फिल फोडेन ने आसानी से गोल दागकर टीम की बढ़त मजबूत कर दी।

कोहली-गंभीर विवाद की पूरी क्रोनोलॉजी

लड़ाई आईपीएल से शुरू होकर टीम इंडिया तक पहुंची ; कमेंट्री में ताने मारे गए, फील्ड पर जूते दिखाए

मुंबई ।

दिल्ली में दो युवाओं की बहस या बतकही बहुत ही आम है। स्कूल, कॉलेज, प्ले-ग्राउंड, दफ्तर हर जगह यह अलग-अलग रूप में दिख जाएगा। इस आईपीएल में दिल्ली के दो लड़कों ने जो बतकही की है उसकी गूंज थमने का नाम नहीं ले रही। दोनों आदतन अग्रेसिव माने जाते हैं। एक का नाम विराट कोहली है और दूसरे का गौतम गंभीर। एक पिछले 10 साल से भारतीय क्रिकेट का सबसे बड़ा स्टार है। वहीं, दूसरा वह है जिसने 10 साल पहले दो-दो वर्ल्ड कप फाइनल में मैच विनिंग इनिंग्स खेली थीं। एक आईपीएल में सबसे सफल बल्लेबाज है, तो दूसरा लीग के इतिहास का तीसरा सबसे कामयाब कप्तान। इन दोनों ने इस बार क्या हंगामा खड़ा किया यह दोहराने की जरूरत नहीं है। अभी-अभी बीते अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस यानी 1 मई को क्रिकेट के ये दो धुरंधर भिड़ गए थे। एक किरदार अफगानिस्तान के नवीन उल हक भी बने। लेकिन, अब इस कहानी की स्क्रिप्ट दोबारा देखने पर लगता है कि नवीन बस निमित्त मात्र थे। इनकी तू-तू-मैं-मैं का सिलसिला 10 सालों से चला आ रहा है। यूं कहिए कि दोनों ने इसकी 10वीं एनिवर्सरी धूम-धाम से मनाई। इस स्टोरी में हम इस 10 सालों की कहानी की पूरी क्रोनोलॉजी समझेंगे। अब दोनों की सबसे पहली भिड़ंत को याद करते हैं विराट कोहली-गौतम गंभीर सागा की शुरुआत 2013 आईपीएल में हुई थी। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के रिश्ते काफी अच्छे माने जाते थे। गंभीर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में एक बार अपना मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड कोहली को दे दिया था। 2008 में अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करने वाले कोहली 2013 आते-आते देश की क्रिकेट में बड़ा नाम बन चुके थे। साथ ही मैदान पर उनके क्रोध के कई एपिसोड दुनिया देख चुकी थी। गंभीर केकेआर के कप्तान थे और विराट आरसीबी के सबसे बड़े बल्लेबाज। धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई थी तब बाकी खिलाड़ियों ने इनको अलग किया था। विराट कोहली के आउट होने के बाद यह वाकया हुआ था। गंभीर ने विराट से कुछ कहा था और दोनों के बीच बहस शुरू हो गई थी। बाद में गंभीर ने कई इंटरव्यू में यह दावा किया कि वह बहस पर्सनल नहीं थी। विराट पब्लिकली इस पर बहुत खुल कर नहीं बोले। 2016 आईपीएल में भी दोनों के बीच कहासुनी हुई पहले वाकये के तीन साल बाद आईपीएल - 2016 में कोलकाता ने बेंगलुरु के खिलाफ 183 रन बनाए फिर भी 9 विकेट से मैच हार गई। उस सीजन कोलकाता के कप्तान गौतम गंभीर थे और बेंगलुरु के विराट कोहली। कोहली (51 गेंद में नाबाद 75 रन) ने उस मुकाबले में मैच जिताऊ पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। मैच में जब कोहली 32 रन बनाकर खेल रहे थें उस वक्त गंभीर से उनका एक कैच भी छूट गया था। उस मैच के 19वें ओवर के दौरान गंभीर इतने निराश हो गए थे कि उन्होंने रन पूरा होने के बाद भी नॉन स्ट्राइकर की तरफ गेंद से मारी जिधर विराट कोहली खड़े थे। उस मैच में दोनों के बीच एक बार फिर कहासुनी हुई थी। विराट ने टेस्ट टीम से कर दी गंभीर की छुट्टी विराट-गंभीर विवाद का दूसरा मेजर चैप्टर 2016 नवंबर में लिखा गया। तब विराट भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान थे और गंभीर भारतीय टीम में वापस कर अपनी जगह फिर से मजबूत बनाने की कोशिश कर रहे थे। नागपुर में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। विराट ने इस मैच में सेंचुरी जमाई थी, लेकिन बतौर ओपनर गंभीर बहुत कामयाब नहीं हुए थे। उन्होंने पहली पारी में 29 रन बनाए थे और दूसरी पारी में 0 पर आउट हुए थे। दूसरा टेस्ट मैच विशाखापट्टनम में खेला जाना था। विराट ने प्लेइंग-11 से गंभीर को बाहर कर दिया और केएल राहुल से ओपनिंग कराई। गंभीर को चार टेस्ट मैचों की सीरीज में दोबारा मौका नहीं मिला। इतना ही नहीं नागपुर में खेला गया मुकाबला गंभीर के करियर का आखिरी इंटरनेशनल मैच साबित हुआ। वे फिर कभी इंडिया की जर्सी में नहीं खेल पाए। तब क्रिकेट फैंस के बड़े तबके ने विराट के ऊपर गंभीर के करियर को खत्म कर देने का इल्जाम लगाया। कमेंट्री में विराट पर निशाना साधने लगे गंभीर क्रिकेट से रिटायर होने के बाद गंभीर ने कमेंट्री में हाथ आजमाए और बेबाक कमेंटेटर और एनालिस्ट की छवि जमाई। जो काम वे पहले क्रीज पर बैट के साथ करते थे वहीं काम अब कमेंट्री बॉक्स में माइक हाथ में लेकर करने लगे। जिस समय गंभीर कमेंट्री में आए थे तब ऐसा माहौल था कि विराट कोहली और एमएस धोनी के बारे में ऑन एयर निगेटिव कमेंट देना तो छोड़िए अपनी एलानिसिस में उन्हें कसूरवार ठहराना एक तरह क्राइम था। दिग्गज कमेंटेटर हर्षा भोगले इनमें से किसी स्टार पर कुछ सवाल कर मुश्किलों में घिरे थे। लेकिन, गंभीर किसी दबाव में नहीं थे। वे बतौर राजनेता भी पहचान बनाने लगे थे और हर किसी के बारे में खुल बोलने की ताकत उनमें थी। उन्होंने अपनी कमेंट्री और एनालिसिस में कई बार कोहली पर सवाल उठाए। हालांकि, कई बार तारीफ भी की। लेकिन, जिस बेबाकी से गंभीर लगातार कोहली को घेरते थे ऐसा बहुत कम एनालिस्ट या कमेंटेटर कर रहे थे।

वर्ल्डकप में भारत-पाक मैच अहमदाबाद में खेला जा सकता है

टूर्नामेंट का आगाज 5 अक्टूबर से होगा, मेजबानी के लिए 12 शहर शॉर्ट लिस्ट

मुंबई ।

वनडे वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा सकता है। वनडे वर्ल्ड अक्टूबर-नवंबर में होना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भारत-पाक के मैच को अहमदाबाद में कराने का मन बना रहा है। हालांकि अभी इसकी अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई ने भारत-पाक के हाईवोल्टेज मुकाबले को अहमदाबाद में कराने का फैसला किया है।

आखिरी बार 2016 में ईडन गार्डन आया था पाकिस्तान

पाकिस्तान टीम आखिरी बार 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान ईडन गार्डन में खेली थी। पाकिस्तान का मुकाबला भारत के खिलाफ हुआ था। इसमें भारत 6 विकेट से जीता था। बता दें कि वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू हो सकता है और इसके लिए 12 वेन्यू शॉर्ट लिस्ट किए गए हैं। इनमें चेन्नई और कोलकाता भी शामिल हैं। बाकी 10 वेन्यू अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, राजकोट, बेंगलुरु, दिल्ली, इंदौर, गुवाहाटी, हैदराबाद और धर्मशाला हैं। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को वनडे वर्ल्ड कप के दौरान अपने सभी मैच सुरक्षा कारणों से कोलकाता का ईडन गार्डन और चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेलने का अनुरोध किया है। भारत और पाक के बीच आखिर बार वनडे मैच 2019 वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में खेला गया। दोनों टीमों ने अब तक वनडे में 132 बार आमने-सामने हुई हैं। इनमें से 55 भारत ने जीता है। जबकि 73 बार पाकिस्तान ने भारत को हराया है। वहीं 4 मुकाबले बिना रिजल्ट के खत्म हुए हैं। वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाक सात बार भिड़े हैं। सभी मुकाबले भारत ने जीते हैं।

एशिया कप तीरंदाजी में भारतीय टीम का कमाल, रिकर्व और कंपाउंड मिश्रित युगल के फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ।

भारतीय तीरंदाजों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए एशिया कप के दूसरे चरण के विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के रिकर्व और कंपाउंड वर्ग के मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई। भारतीय तीरंदाजों ने इस तरह से इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के सभी 10 वर्गों के फाइनल में जगह बनाई है और उसकी निगाह अब दांव पर लगे सभी स्वर्ण पदक जीतकर क्लीन स्वीप करने पर लगी है। मृणाल चौहान और संगीता की दूसरी वरीयता प्राप्त मिश्रित युगल जोड़ी ने पहले हांगकांग की टीम को सीधे सेटों में 6-0 (37-32, 34-33, 36-34) से हराया और फिर सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान को 5-4 (36-37, 36-35, 39-36, 37-39) से पराजित किया। भारत की यह रिकर्व मिश्रित युगल जोड़ी स्वर्ण पदक के मुकाबले में चीन का सामना करेगी। कंपाउंड मिश्रित वर्ग में केवल पांच देशों ने अपनी टीम उतारी थी। भारत के अभिषेक वर्मा और परनीत कौर ने इराक को 152-151 के करीबी अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहने के कारण बाई हासिल की थी और उसे सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला था। वर्मा और परनीत होने वाले फाइनल में कजाखस्तान की टीम का सामना करेंगे।

नरेंद्र बेरवाल क्वार्टर फाइनल में, गोविंद और दीपक ने भी हासिल की जीत

नई दिल्ली । भारतीय खिलाड़ी नरेंद्र बेरवाल ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, गोविंद साहनी और दीपक कुमार ने भी जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पिछली विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाले नरेंद्र (+92 भारवर्ग) ने ताजिकिस्तान के मोहम्मद अरोरिदिनोव को 4-1 से हरा दिया। नरेंद्र के दमदार पंचों का पहले राउंड में ताजिकिस्तान के मुक्केबाज के पास कोई जवाब नहीं था। हिसार के नरेंद्र ने अगले दोनों राउंड में आक्रामक रणनीति अपनाते हुए मुकाबला जीत लिया। वह क्वार्टर फाइनल में क्यूबा के 2021 विश्व यूथ चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता फर्नांडो अर्जोला के खिलाफ खेलेंगे।

रणवीर सिंह ने फुटबॉल के लीजेंड्स से की मुलाकात, दिग्गज मैनेजर आर्सेन वेंगर को देखकर हुए रोमांचित

नई दिल्ली ।

बॉलीवुड के सुपरस्टार रणवीर सिंह का खेलों के प्रति प्यार किसी से छिपा नहीं है। वह क्रिकेट से लेकर फुटबॉल तक को काफी पसंद करते हैं। रणवीर भारत में इंग्लिश प्रीमियर लीग के एंबेसडर भी हैं। विभिन्न खेलों के बारे में उन्हें काफी जानकारी है। रणवीर सिंह पिछले पांच दिनों से ब्रिटेन में हैं। वह प्रीमियर लीग के मैचों के दौरान स्टेडियम में दिखे हैं। हाल ही में रणवीर ने फुटबॉल के दिग्गजों से मुलाकात की है।

रणवीर सिंह को आर्सेनल के दिग्गज मैनेजर आर्सेन वेंगर से मुलाकात की। वेंगर को देखकर रणवीर रोमांचित हो गए। वह वेंगर के सामने झुक गए। आर्सेनल के पूर्व कोच ने भी उन्हें सम्मान दिया। प्रीमियर लीग हॉल फेम कार्यक्रम के दौरान वेंगर और रणवीर के अलावा पीटर स्माइकल, रियो फर्डिनेंड और पीटर चेक भी मौजूद थे।

मैच देखने पहुंचे रणवीर

ब्रिटेन यात्रा पर रणवीर ने फुलहम बनाम मैनचेस्टर सिटी का मैच देखा। वह लीसेस्टर सिटी बनाम एवर्टन के मैच के दौरान भी मौजूद थे। उन्होंने अपनी यात्रा का अंत आर्सेनल बनाम चेल्सी के मैच से किया। इस मुकाबले में आर्सेनल ने चेल्सी को 3-1 से हराया। किंग पावर स्टेडियम में लीसेस्टर सिटी और एवर्टन के बीच खेल देखने से पहले रणवीर ने लीसेस्टर सिटी के भारतीय प्रशंसकों से मुलाकात की।

रणवीर सिंह ने क्या कहा

इस यात्रा के अनुभव के बारे में बताते हुए रणवीर सिंह ने कहा, मैचों के दौरान स्टेडियम में माहौल का अनुभव करना जादुई था। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ियों को खेलते देखना खुशी की बात है। खिलाड़ी अपनी टीमों के लिए लड़ रहे हैं और खचाखच भरे स्टेडियम फैंस उनका उत्साह बढ़ा रहे हैं।

फैब्रेगास को बताया आर्सेनल का दिग्गज

इस दौरे में रणवीर सिंह को फुटबॉल के कई दिग्गजों से मिलने का मौका मिला। रणवीर ने आर्सेनल के स्टेडियम में स्काई स्पोर्ट्स मैच डे शो में भी उपस्थिति दर्ज कराई।

पहलवानों का ऐलान; जारी रहेगा जंतर-मंतर पर धरना, न्याय नहीं मिला तो लौटाएंगे पदक

नई दिल्ली ।

धरने पर बैठे पहलवानों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अपने लिए झटका नहीं बताया है। पहलवानों ने स्पष्ट कर दिया कि उनका धरना जारी रहेगा। उनकी मांग अभी भी वही है कि जब तक भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी नहीं हो जाती है तब तक वे जंतर-मंतर पर धरना देते रहेंगे। अगर उन्हें कहीं से न्याय नहीं मिला तो वे अपने ओलंपिक, एशियाई खेलों के पदक और पुरस्कार सरकार को वापस लौटा देंगे। पहलवानों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आगे की रणनीति वे अपने वरिष्ठजनों से राय के बाद तय करेंगे।

हमारे सामने सभी विकल्प खुले: विनेश

सुप्रीम कोर्ट ने ही पहलवानों की ओर से दायर याचिका की सुनवाई बंद करने का फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उन्होंने एफआईआर दर्ज करने के लिए याचिका दाखिल की थी, जिसे पूरा किया जा चुका है। अब इस मामले में आगे सुनवाई नहीं बनती है। साक्षी मलिक ने कहा कि वह शीर्ष अदालत के फैसले का सम्मान करती हैं। अदालत ने वही किया जो इस मामले में किया जा सकता था। विनेश फोगाट ने कहा कि उनके सामने सभी विकल्प खुले हैं। हम वरिष्ठजनों से राय ले रहे हैं कि हमें निचली अदालत जाना चाहिए या फिर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। दिल्ली पुलिस इसके बाद भी ढिलाई दिखाती है तो उनके पास हाईकोर्ट के बाद वापस सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प है।

पदक लौटाने की समय सीमा नहीं की निर्धारित

इससे पहले दिल्ली पुलिस की ओर से देर रात झड़प के बाद पहलवानों ने यहां तक कह दिया कि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे अपने पदकों और पुरस्कारों को भी लौटा देंगे। इन पुरस्कारों में बजरंग, साक्षी मलिक को मिला देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री भी शामिल है। बजरंग, साक्षी मलिक और विनेश तीनों को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मिल चुका है।

विनेश और बजरंग को अर्जुन अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों ने कहा कि इन सम्मानों और पदकों का कोई मतलब नहीं है अगर उनके साथ इस तरह का व्यवहार किया जाता है। इससे अच्छा यही है कि इन्हें सरकार को लौटाकर हम आम जिंदगी जिएं। पहलवान पदक लौटाने की बात पर बोले जो उन्होंने कहा है उसे वे पूरा करेंगे। इसके लिए उन्होंने समय सीमा निर्धारित नहीं की है।

धरना स्थल पर आने से रोकी गईं गीता

पहलवानों ने यह भी आरोप लगाया कि रात में पुलिस के साथ हुई झड़प के बाद पुलिस उनका जेनरेटर उठाकर ले गई। जिससे धरना स्थल पर न तो पंखे चलाए जा सके और न ही संबोधन के लिए माइक का प्रयोग किया जा सका। वहीं विनेश की चचेरी बहन गीता फोगाट पहलवानों को समर्थन देने के लिए धरना स्थल पर आ रही थीं, लेकिन उन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। गीता फोगाट ने बताया कि उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

पाचन प्रक्रिया को दुरुस्त करती है इमली

भारत में काफी पुराने समय से इमली का इस्तेमाल किया जाता रहा है। हालांकि इस फल का मूल देश अफ्रीका है, पर एशियाई देशों से जब यह फल फारस और अरब देशों में गया तो इसे इंडियन डेट कहा गया, जिसकी वजह थी कि यह फल देखने में खजूर के सूखे गूदे की तरह लगता था। भारतीय व्यंजनों में इसका उपयोग स्वाद लाने के लिए किया जाता है, पर सेहत के लिए लाभकारी अनेक गुण भी इसमें हैं। इमली की फली भूरे रंग की 3 से 7 इंच लंबी होती है। फलों के भीतर रसदार और अम्ल गूदे को चटनी और रसे (करी) में प्रयोग किया जाता है। इमली के गूदे में मौजूद टारटरिक और पेक्टिन की गुणवत्ता काफी अच्छी होती है।

सेहत के लिए गुणकारी

इसकी पत्तियां ठंडक पहुंचाने वाली होती हैं, वहीं छाल एरिंस्ट्रेजेंट का काम करती है। इसके फल का गूदा पाचक, शीतल और रोगाणुरोधक होता है। इमली का इस्तेमाल आयुर्वेदिक औषधि के रूप में पेट व पाचन समस्याओं के लिए किया जाता है। इसकी पत्तियां पेट के कीड़ों का नाश करती हैं। पीलिया में भी यह लाभकारी है। इसका उपयोग अल्सर की चिकित्सा के लिए भी किया जाता है।

पाचन विकार: पके हुए फल का गूदा पित्त की उल्टी, कब्ज, वायु विकार, अपचन के इलाज में लाभदायक है। पानी के साथ इसके गूदे को कोमल करके बनाया हुआ अर्क भूख में कमी होने में फायदा पहुंचाता है।

स्कर्वी: यह बीमारी विटामिन सी की कमी से होने वाला रोग है, जिससे त्वचा में धब्बे आ जाते हैं, मसूड़े स्पंजी हो जाते हैं और श्लेष्मा झिल्ली से रक्त बहता है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति पीला और उदास दिखता है। इमली में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह स्कर्वी के इलाज में लाभदायक है।

सामान्य सर्दी: दक्षिण भारत में सर्दी के इलाज के लिए इमली को प्रभावकारी माना जाता है। पिसी हुई इमली के साथ 1 चम्मच काली मिर्च को पानी में कुछ समय उबालने के बाद इसका सेवन किया जाता है।

पेचिश: यह आंत में सूजन होने से होता है, जिससे दस्त के मल में अत्यंत बलगम या रक्त का निकास होता है। कभी-कभार साथ में बुखार और पेट दर्द की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इमली का पेय पेचिश के इलाज में लाभकारी है।

जलन: जलन के इलाज के लिए इमली के पत्तों को जला कर इसका महीन पाउडर बनाते हैं। इस पाउडर को तिल के तेल के साथ मिला कर जले हुए हिस्से में लगाने पर घाव कुछ दिनों में ठीक हो जाता है।

जोड़ों की सूजनः इमली के पत्तों को पानी के साथ पीस कर बने लेप को जोड़ों और टखने के सूजे हुए हिस्से में लगाने पर सूजन और दर्द में राहत मिलती है।

गले की खराश: इमली के पानी के गरारे गले की खराश के इलाज में लाभकारी हैं। आप चाहें तो इमली को पानी में उबाल कर इसके गरारे कर सकते हैं अथवा इसकी सूखी पत्तियों का पाउडर पानी में मिला कर उपयोग में लाया जा सकता है।

खास हैं ये हिकारू स्कर्ट्स...

जापान में इन दिनों फैशन में एक नया ट्रेंड शामिल हुआ है। ये हैं एलईडी स्कर्ट्स जिन्हें हिकारू स्कर्ट्स का नाम दिया गया है। यह स्कर्ट्स जापान के डिजाइनर कियोयुकी अमानो ने डिजाइन की हैं। स्कर्ट्स को बनाने में एलईडी लाइट्स का प्रयोग किया गया है । इनमें नीचे अन्दर की ओर एलईडी लाइट्स लगी हैं। पैरों पर पड़ती हैं लाइट्स इसकी खासियत है कि इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि स्कर्ट में दी गयी लाइट सीधे पहनने वाले के पैरों पर पड़ती हैं।

तरबूज खाने के अनूठे फायदे

तरबूज में लाइकोपिन पाया जाता है जो त्वचा की चमक को बरकरार रखता है। हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने में भी तरबूज एक रामबाण उपाय है। ये दिल संबंधी बीमारियों को दूर रखता है। दरअसल ये कोलस्ट्रॉल के लेवल को नियंत्रित करता है जिससे इन बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। विटामिन और की प्रचुर मात्रा होने के कारण ये शरीर के इम्यून सिस्टम को भी अच्छा रखता है।

फाइबर यानी रेशे से होने वाले लाभ पर शायद ही किसी को संदेह हो। पाचन प्रक्रिया और हृदय रोगों में होने वाले लाभ के कारण फूड कंपनियां बड़े स्तर पर उच्च फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ बाजार में उतार रही हैं। क्या खाद्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले कृत्रिम फाइबर, प्राकृतिक फाइबर जितना ही लाभ पहुंचाते हैं?

फाइबर से दोस्ती

फाइबर यानी रेशा हमारे भोजन का अहम हिस्सा है। स्पंज की तरह काम करते हुए फाइबर प्राकृतिक तरीके से शरीर की सफाई करने में मदद करता है। साबुत अनाज, चोकर, फल व सब्जियां, दालें व बींस (राजमा व लोबिया) में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इससे न सिर्फ शरीर को ऊर्जा मिलती है, बल्कि फाइबरयुक्त चीजें खाने के बाद आपको कुछ देर तक भूख नहीं लगती। यही वजह है कि आहार विशेषज्ञ कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने और वजन कम करने के इच्छुकों को उच्च फाइबरयुक्त डाइट की सलाह देते हैं। अलसी, आलूबुखारा, चोकर, साबुत अनाजों में फाइबर की मौजूदगी आंतों को मजबूती देती है।

रेशा पौधों से मिलने वाला वह भाग है, जिसे मानव शरीर में मौजूद एंजाइम पचा नहीं पाते। शरीर में पहुंच कर यह रेशा नमी को ग्रहण कर अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से बाहर निकलने में मदद करता है। दिनभर में 30 ग्राम फाइबर का सेवन उपयुक्त होता है।

फाइबर के प्रकार

इनसॉल्युबल फाइबर: साबुत अनाज व उससे बने पदार्थों, बीज, ताजे फल व सब्जियों में इसकी अधिकता होती है। इससे खाद्य पदार्थ पचाने में आसानी होती है, जिससे आंतों पर कम दबाव पड़ता है और कब्ज नहीं होता। शोध बताते हैं कि कम वसा और अधिक फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थों से वायु संबंधी रोग नहीं होते। साथ ही कई तरह के कैंसर को रोकने में भी मदद मिलती है।

सॉल्युबल फाइबर: पानी में घुलनशील ये फाइबर कोलेस्ट्रॉल को कम रखने में विशेष उपयोगी होते हैं। जई की भूसी और सूखे बींस (लोबिया और राजमा) में इसकी अधिकता होती है। इससे पेट से भोजन धीरे-धीरे आगे मूव करता है और ब्लड शुगर का स्तर स्थिर रखने में मदद मिलती है।

शरीर में फाइबर का काम

वजन कम करना: फाइबर स्पंज की तरह काम करते हुए पाचन तंत्र में मौजूद नमी .को ग्रहण करता है, जिससे भोजन निगलने में आसानी रहती है। इससे भोजन से मिलने वाली संतुष्टि बढ़ती है, जो विभिन्न वजन कम करने वाले प्रोग्राम्स से भी नहीं मिलती। फाइबर से शरीर की वसा और शर्करा को ग्रहण करने की प्रक्रिया में सुधार होता है। पाचन प्रक्रिया धीमी होती है, जिससे शर्करा धीरे-धीरे रक्त में पहुंचती है। इससे बार-बार भूख नहीं लगती और शर्करा की कमी के कारण होने वाली थकावट व कमजोरी नहीं होती। फाइबरयुक्त भोजन को चबाने में अधिक समय लगता है। ऐसे में एक ओर खाना खाने की गति में कमी आती है तो दूसरी ओर खाने से मिलने वाली संतुष्टि बढ़ जाती है।

शरीर होता है टॉक्सिन फ्री: खाद्य पदार्थों में मौजूद रेशा पानी को ग्रहण कर अपशिष्ट पदार्थों को मुलायम बनाता है। इससे अपशिष्ट पदार्थ आंतों में अधिक समय तक नहीं रहते और उनके बाहर निकलने में आसानी होती है। मलाशय पर अधिक जोर नहीं पड़ता। फाइबर की कमी से मल शुष्क व कड़ा हो जाता है, जिसमें विभिन्न दवाओं, विषाक्त व हानिकारक रसायन आदि कई तरह के संक्रमणों की मौजूदगी होती है। फाइबर से अपशिष्ट पदार्थ मलाशय से बाहर निकलने में कम समय लेते हैं। इससे प्राकृतिक तरीके से आंतों की सफाई हो जाती है और कोलेस्ट्रॉल का अवशोषण कम होने के कारण कोलेस्ट्रॉल लेवल स्थिर रहता है।

आइसोलेटेड बनाम डायटरी फाइबर

फूड प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियां बड़े स्तर पर फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ बाजार में उतार रही हैं। दही, आइसक्रीम, अनाज और जूस आदि में बड़ी मात्रा में आइसोलेटेड फाइबर मिलाए जा रहे हैं। आइसोलेटेड फाइबर के रूप में डिब्बों पर इन्युलिन, पेक्टिन, पॉली-डेक्सट्रोस, मिथाइलसेल्युलॉस और माल्टोडेक्सट्रिन नाम देखने को मिलते हैं। आइसोलेटेड फाइबर, खाद्य पदार्थों से प्राकृतिक रूप में भी मिलते हैं और कृत्रिम रूप से भी इन्हें बनाया जाता है। पर प्रश्न यह है कि कृत्रिम रूप से मिला कर बनाए गए फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ भी क्या प्राकृतिक फाइबर जैसा लाभ पहुंचाते हैं?

इसमें दो राय नहीं कि कंपनियों के फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ शरीर को फाइबर देते हैं। जिन लोगों की डाइट में फाइबर की कमी रहती है, उनमें इनके लाभ भी देखने को मिलते हैं, मसलन इन्युलिन फाइबर से शरीर में फेंड्रली बेक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिलता है। कोलन यानी मलाशय में पदार्थ को कैंसरकारी बनने से रोकने में भी यह असरदार है। शोध कहते हैं कि इन्युलिन की मौजूदगी भोजन से मिलने वाली संतुष्टि को बढ़ा देती है व इसमें केल्शियम और मैग्नीशियम आदि मिनरल को ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती है।

फाइबर के लाभ

- पाचन प्रकिया नियमित होती है।
- अपशिष्ट पदार्थ देर तक आंतों में जमा रहकर टॉक्सिन नहीं फैलाते।
- कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है, हृदय रोगों में लाभकारी है।
- मलाशय के कैंसर को दूर करता है।
- वजन कम करने में मदद मिलती है।

रिफाइंड प्रोडक्ट्स में फाइबर कम

रिफाइंड खाद्य पदार्थों में फाइबर की मात्रा कम हो जाती है, मसलन मैदे से बनी ब्रेड। इसीलिए सफेद ब्रेड की जगह होलग्रेन ब्रेड को लेने की सलाह दी जाती है। कंपनियां सेहत के अलावा कई अन्य कारणों से भी पदार्थों में फाइबर मिलाती हैं, जैसे आइसक्रीम आदि डेजर्ट में फाइबर वसा और शर्करा कम करने के लिए मिलाए जाते हैं। इसी तरह दही, योगर्ट और पुडिंग को गाढ़ा करने व पिज्जा को क्रिस्प बनाने के लिए भी फाइबर मिलाते हैं।

प्राकृतिक फाइबर के हैं फायदे अनेक

जहां कंपनियां वस्तुओं में एक या दो तरह के फाइबर मिलाती हैं, वहीं बींस, चोकर, साबुत अनाज व फल-सब्जियों में कई तरह के लाभदायक फाइबर एक साथ मिलते हैं। विभिन्न फाइबर के लाभ भी अलग होते हैं, जैसे हर फाइबर कब्ज को दूर करने में उपयोगी नहीं है। मटर और जई इसमें लाभ पहुंचाते हैं, पर माल्टोडेक्सिट्रिन के सेवन से इसमें लाभ नहीं मिलता। ध्यान रखें कि आइसोलेटेड फाइबर की अधिकता एसिडिटी कर सकती है। ऐसे खाद्य पदार्थ, जिनके डिब्बों पर आप ओलिगोफ्रूक्टस, पॉलीडेक्सट्रॉस और इन्युलिन पाते हैं, उनका अधिक मात्रा में सेवन करना वायु रोग और सूजन की परेशानी कर सकता है।

यूं बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

ब्रेकफास्ट में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं। होलग्रेन ब्रेड टोस्ट, ताजे फल व फाइबरयुक्त पदार्थ जैसे दलिया व भूसी मिलाएं। फलों के ऊपरी हिस्से, बीज और गूदे में फाइबर सबसे अधिक होता है। चोकर सहित रोटी बनाएं। सलाद, कॉर्नफ्लेक्स, पोहा, चपाती, उपमा, ज्वार और जौ का सेवन करें। खाने में बादाम और अंकुरित भोजन की मात्रा बढ़ाएं। डाइट में फाइबर के साथ पानी की मात्रा भी बढ़ाएं। कुछ सब्जियों और फलों के छिलके में अधिक फाइबर होता है। जरूरी है कि आप छिलके सहित फल खाएं और फलों को अच्छी तरह धो लें। बीजों में भी फाइबर होता है, उदाहरण के तौर पर टमाटर से बीज।

इनसे पाएं नेचुरल फाइबर

फली/ बींस/दालें: बींस (राजमा और लोबिया) में सबसे अधिक फाइबर पाया जाता है। एक कप राजमा व लोबिया में 15 ग्राम से अधिक फाइबर मिलता है। इसी तरह दाल विशेषकर मसूर की दाल में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है। सब्जियों में मटर में सबसे अधिक फाइबर होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां व फल: हरी पत्तेदार सब्जियों में लोह तत्व, बेटा केरोटीन और फाइबर अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। एक कप उबली हुई हरी सब्जियां जैसे पालक, पत्तेदार शलजम और चुकंदर में 4 से 5 ग्राम फाइबर मिलता है। इसी तरह नाशपाति और सेब से भी फाइबर मिलता है। एक बड़े सेब से जहां 3.3 ग्राम फाइबर मिलता है, वहीं मध्यम आकार की नाशपाति से 5.1 ग्राम फाइबर मिल जाता है।

मेवा: बादाम, पिस्ता और अखरोट में केवल प्रोटीन ही नहीं होता, उसमें फाइबर भी प्रचुर पाया जाता है। किशमिश में सॉल्यूबल और नॉन सॉल्यूबल दोनों तरह के फाइबर होते हैं। किशमिश से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है।

रागी: रागी में सेल्युलॉस होता है, जो कि एक तरह का फाइबर है। रागी का नियमित सेवन कब्ज को दूर रखता है। इसके अलावा रागी में कैल्शियम, लोहा और प्रोटीन भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। रागी का सेवन मधुमेह और मोटापे के शिकार लोगों के लिए भी फायदेमंद रहता है, क्योंकि इसका पाचन धीरे-धीरे होता है, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्त्राव धीमा हो जाता है।

जई: ओट्स में आहारक फाइबर पर्याप्त मात्रा में होते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें आयरन, प्रोटीन और विटामिन बी 1 भी होता है। जई में वसा कम होती है, इससे शरीर में अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद मिलती है। इससे कार्डियोवस्कुलर रोगों को कम करने में मदद मिलती है।

ब्लेम गेम से बचें...

परिवार में ऐसे दौर आते हैं जब वे संकट से गुजरते हैं। चाहे आर्थिक संकट हो या रिश्तों में दरार, विचारों की अलहदगी, किसी प्रिय की बीमारी या मृत्यु। बजाय इसके कि ये सारी चीजें आपसे भरपूर नेगेटिव टोल वसूल सके इससे पहले ही परिवारों की एकजुटता और संकट से बाहर आने की युति आपको ऐसे अप्रिय स्थितियों से भी उचित तरीके से बाहर आने में मदद करेगी। तनाव के लिए कभी भी खुद को या किसी और को दोषी ना ठहराएं। परिस्थितियां जरूर खराब हो सकती हैं लेकिन लोग नहीं। किसी को दोष देना स्थिति और रिश्तों को और भी खराब बना सकता है।

तनाव की चेतावनी

जब हमारा शरीर और दिमाग इन स्थितियों से बाहर आने में असमर्थ हो जाए तो तनाव झलकने लगता है। बॉडी ऐसे हार्मोन्स रिलीज करने लगती है जो हमें चेतावनी देते हैं कि हम मुसीबत में हैं। ये हार्मोन्स बताते हैं कि हमें इन तनावभरी स्थितियों से बाहर आने के लिए सही टेक्नीक अपनाने की जरूरत है। तनाव पूरी तरह से खराब नहीं है। ये आपको प्रोत्साहित भी करता है। इसके जरिए हम अपनी लिमिट्स जान पाते हैं। ये परिवार और दोस्तों के साथ आपके रिश्तों को और भी मजबूत बनाने का काम करता है। अनवरत चलते रहने वाला तनाव आपको असहाय होने का अहसास कराता है और जो हमारे पास हैं उन्हें भी परेशानी से भर देता है। आप खुद को कंट्रोल करते हैं या फिर तनाव आपको कंट्रोल करता है? अगर आप ये समझ पाते हैं कि आपका परिवार तनाव से गुजर रहा है तो उनसे बात करें, परिस्थितियों पर गौर करें और तनाव खत्म करने की कोशिशें करें।

सिचुएशन को स्वीकारें

अवांछित तनाव के संकेतों को पहचान पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। आपकी जिंदगी में किसी तरह की कोई मुश्किल है तो उसे स्वीकार करें। याद रखें कि परिवार में किसी प्रिय की मौत या बीमारी आपके कंट्रोल से बाहर की चीज है। आप अपने बॉस के मूड को ठीक नहीं रख सकते ना ही स्टॉक मार्केट को एक स्तर से बाहर जाने से रोक सकते हैं। तो फिर इन परिस्थितियों के सामने आने पर तनाव में डूब जाना कहां तक सही है। ज्यादा खर्च की वजह से आप आर्थिक संकट में आ सकते हैं, इस पर रोक लगाकर तनाव को जरूर टाला जा सकता है। जिन चीजों को आप कंट्रोल कर सकते हैं उन्हें करके तनाव को दूर करने की कोशिश जरूर करें। जाहिर है कुछ चीजों को स्वीकारना जरूरी है।

चीजों को देखें

जिस किसी चीज की वजह से आप भयंकर तनाव में हैं जो आपके परिवार को भी तनाव में ला देती है उन्हें देखें और दूर करने की कोशिश करें। परिवार के साथ चीजों पर विचार करें। दूसरों को बताएं कि आप क्यों चिंतित हैं, उन्हें बताएं कि आप इस स्थिति को दूर कर पाएंगे। अपनी उम्मीदों और प्राथमिकताओं पर एक बार फिर से विचार करें। आर्थिक वजह से तनाव है तो परिवार वालों का सहयोग लें। वे आपकी जरूरत को समझेंगे। ईमानदारी से और आगे रहते हुए प्रयास करें।

लोगों तक पहुंचे

कोई परिस्थिति होपलेस नहीं होती। दोस्तों और करीबियों का हाथ थामें और मजबूत हो जाएं। कभी-कभी दूसरों से बात करना और उनकी सुनना भी कारगर उपाय बन जाता है। बातों ही बातों में कई सॉल्यूशन्स मिल जाते हैं जिन पर आपका ध्यान अभी तक गया ही नहीं था। आपके करीबी आपके तनाव का कारण अच्छे से और जल्दी पकड़ पाएंगे क्योंकि वे आपको भी बेहतर समझते हैं। तो जब भी तनावग्रस्त हों परिवार के नजदीक पहुंच जाएं।

सकारात्मक बनें

तनाव अपने आप कभी नहीं जाता। इसे मुस्कुराहट हंसी के ठहाकों, योग, एक्सरसाइज और मेडिटेशन से दूर भगाया जा सकता है। तनाव से खुद को दूर कर लें। अकेले सैर पर निकल जाएं। जो चीजें आपको रिलेक्स रखती हैं, करें। संगीत सुने, गेम खेलें, स्वीमिंग करें, दौड़ लगाएं। पॉजिटिव चीजों को करीब रखें ये आपका मूड हल्का और शानदार बनाएंगी। फायनेंशियल क्राइसिस आपको तनाव देता है लेकिन कुछ सबक भी सिखाते हैं। परिवार में अचानक से आई मेडिकल इमरजेंसी आपको सही समय पर हेल्थ इन्श्योरेंस ले लेने का सबक देती है और सिखाती है कि समय पर परिवार के लोगों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच जरूरी है।

इश्यूज पर ध्यान दें

तनाव के लिए कभी भी खुद को या किसी और को दोषी ना ठहराएं। परिस्थितियां जरूर खराब हो सकती हैं लेकिन लोग नहीं। किसी को दोष देना स्थिति और रिश्तों को और भी खराब बना सकता है। शादी या रिश्तों का टूटना आपसे बहुत कुछ वसूल सकता है इमोशनली और फिजीकली भी। इस दौर से आपका कोई परिचित गुजर रहा है तो उसे सपोर्ट करें। परिस्थितियों को दोष देने की बजाय इश्यूज पर ध्यान दें। अगर आपके सिगरेट पीने की वजह से आपके बच्चे को अस्थमा हो गया है तो परिस्थिति को दोष देने से क्या होगा।

संभालें, सहारा दें

अगर परिवार का कोई सदस्य तनाव में है तो उसे संभाले, सहारा दें। उसे समझने की कोशिश करें। परिवार आपके लिए है और आप परिवार के लिए। परिवार के लोग हर अच्छे-बुरे समय में एकदूसरे के साथ होते हैं। ये सपोर्ट किसी को भी बुरे वक्त से बाहर आने का संबल देता है।

रेसिपी

पिज्जा सैंडविच

सामग्री

पिज्जा बेस- 1, हरी कटी प्याज- आधा कप, शिमला मिर्च बारीक कटी -आधा कप, टमाटर (बरीक कटा)- आधा कप, टमाटर की चटनी- आधा कप, ग्रीन चिली सॉस- एक बड़ा चम्मच, नमक-(स्वादनुसार), काली मिर्च (स्वादनुसार), मक्खन (एक बड़ा चम्मच)

विधि

सबसे पहले फ्राई पैन में मक्खन गर्म करें। अब कटी हुई प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर और नमक डालकर अच्छ से भूनें। जब ये पूरी सामग्री अच्छे से भुन जाए तो आंच से उतार लें। अब पिज्जा बेस को चार तिकोने टुकड़ों में काटकर टोस्टर में ग्रिल करें। सैंडविच तैयार करने के लिए ग्रिल पिज्जा टोस्ट पर टमाटर की चटनी और ग्रीन चिली सॉस लगाकर भुनी हई सब्जियां डालें। और फिर काली मिर्च ऊपर से छिड़कर दूसरा ग्रिल्ड टोस्ट ऊपर से रखे। और बस लीजिए हो गया आपका पिज्जा सैंडविच तैयार।

चॉकलेट की गुजिया

समाग्री

500 ग्राम मैदा
एक किलो मावा (खोया)
250 ग्राम चॉकलेट चिप्स
4 बड़े चम्मच किशमिश
100 ग्राम बादाम कटे हुए
500 ग्राम चीनी (पिसी हुई)
तेल या घी

विधि

गुजिया की बाहर की परत बनाने के लिए सबसे पहले मैदा छान लें, फिर इसमें घी या तेल मिलाएं और फिर जरूरत के हिसाब से पानी डालते हुए नर्म गूंद लें। अब इसे थोड़ी देर के लिए गीले कपड़े से ढककर रख दें। अब भरावन तैयार करने के लिए गैस पर कढ़ाही गर्म करें। इसमें मावा डालकर मध्यम आंच पर तब तक भूनें जब तक की वो ब्राउन न हो जाए। फिर इसमें चॉकलेट चिप्स डालकर 2 मिनट भूनें। इसके बाद चीनी, काजू और किशमिश डालकर मिलाएं, और चलाते रहें। जब मावा भूनकर सूख जाए तो गैस बंद कर दें और सामग्री को ठंडा होने दें। इसके बाद तैयार मैदे को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और हर हिस्से को गोल आकार देने के बाद छोटी रोटी में बेल लें। अब गुजिया बनाने का सांचा लें और इसमें दोनों तरफ हल्का तेल लगाएं। अब बेली हुई रोटी को इस सांचे में रखें और एक चम्मच के करीब भरावन रोटी के बीच में डालें और सांचा बंद कर दें। सांचा बंद करने के बाद रोटी का जो भी हिस्सा बाहर रह जाए, उसे हटा दें। इसी तरह सारे आटे से गुजिया तैयार करें और एक गीले कपड़े पर रखते जाएं। अब कढ़ाही में तेल या घी गर्म करें और मध्यम आंच पर एक बार में 4-5 गुजिया डीप फ्राई कर लें। जब गुजिया सुनहरी होने लगे तो इन्हें प्लेट में निकाल लें। इसी तरह सारी गुजिया तलें। और बस तैयार हैं आपकी चॉकलेट गुजिया।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)